जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, गुरूवार 15 अगस्त, 2024

15 अगस्त 78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

कौन कहता है जयपुर में घर लेना महंगा है?

प्रोजेक्ट में दम दाम में कम

फ्लैट 3,500/- | कोठी 4,000/-

क्योंकि हमारी जमीन COVID के समय की खरीदी हुई है, जब जमीन की कीमतें काफी कम थी इसलिए, आज भी हमारे फ्लैट लगभग ₹3,500 और कोठी लगभग ₹4,000 प्रति वर्ग फीट में मिल रही है।

आज की रेट में जमीन खरीद कर इस रेट में कोठी बनाना हमारे लिए भी मुश्किल ही नहीं बल्कि असंभव है।

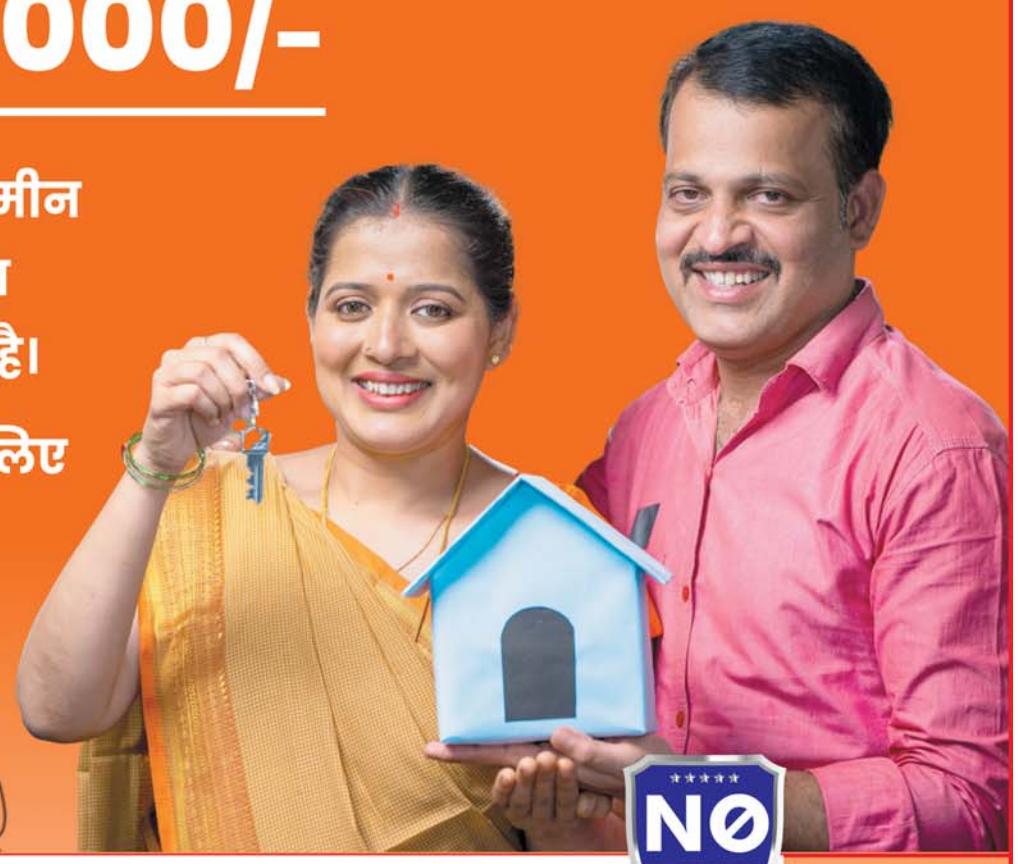

FIXED PRICE GUARANTEED | ASSET GROWTH GUARANTEED | NO MIDDLE-MEN

हर महीने 2 लाख रेट बढ़ेगी

पजेशन तक 10 लाख रेट बढ़ेगी

लॉन्चिंग से पजेशन तक दुगुनी रेट बढ़ेगी

फेज 1 बनकर तैयार है, फेज 2 में पजेशन शुरू, दिसंबर 24 तक पूरा तैयार होगा

2 पार्किंग वाली 3 BHK कोठी

Kedia's THE KOTHI भव्य•उत्कृष्ट•श्रेष्ठ

सिरसी रोड़, वैशाली एक्सटेंशन, जयपुर

अगस्त में 3 लाख रेट बढ़ेगी

दिवाली तक 15 लाख रेट बढ़ेगी

जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	दिवाली पर	
~~1 लाख~~ +	~~2 लाख~~ +	3 लाख +	4 लाख +	5 लाख =	15 लाख

3 एवं 4 BHK कोठी | 2 एवं 3 BHK वॉक-अप अपार्टमेंट

KEDIA सेजस्थान KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

नोट: दोनों ही प्रोजेक्ट्स में गिनती की कुछ कोठी बची हैं।

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in
RAJ/P/2023/2387
RAJ/P/2021/1523 | RAJ/P/2021/1526

*T&C Apply

विचार बिन्दु

घर का मोह कायरता का दूसरा नाम है। –अज्ञात

आरक्षण के चक्रव्यूह में देश कब तक फंसा रहेगा।

सीजेआई डीवाई चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली 7 न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 6:1 के बहुमत से दिनांक 01.08.2024 का निर्णय दिया है। सुप्रीम कोर्ट के 6 न्यायाधीश निर्णय में एक मत थे, उनमें सीजेआई डीवाई चन्द्रचूड़, जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा, जस्टिस मनोज मिश्रा, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पंकज मिथल थे और जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी का निर्णय अलग था। इस निर्णय में जो निर्णय 6 न्यायाधीशों का है उन्होंने यह माना है कि राज्यों को एससी एसटी की सब कैटेगरी तय करने का अधिकार है। पीठ के चार जजों ने एससी में भी क्रीमीलेयर लागू करने की बात कही है। वस्तुत: जस्टिस बी आर गवई ने अपने फैसले में उक्त बात लिखी है और शेष तीन जजों ने जिनमें जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पंकज मिथल व जस्टिस सतीश चंद व जस्टिस गवई के निर्णय से सहमति अभिव्यक्ति की है। जस्टिस गवई ने अपने निर्णय में कहा है कि राज्यों को ओबीसी की भांति एससी एसटी (अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति) क्रीमीलेयर की पहिचान करनी चाहिये। इसका अर्थ है आरक्षण का फायदा पा चुके व्यक्तियों को बाहर कर, जो अति वंचित रह गये हैं, उन्हें अवसर दिया जाना चाहिये। जस्टिस गवई से भिन्न इसी बात को जस्टिस पंकज मिथल और जस्टिस सतीश चन्द्र शर्मा ने कहा है कि अगर परिवार में किसी भी पीढ़ी ने रिजर्वेशन (आरक्षण) का लाभ पा लिया है तो दूसरी पीढ़ी को यह लाभ नहीं मिलना चाहिये।

यहाँ यह लिखना समीचीन होगा कि सुप्रीम कोर्ट की उक्त संविधान पीठ (सात न्यायाधीश) के समक्ष यह प्रश्न निर्णित किया जाना था कि क्या राज्यों की एससी-एसटी की सब कैटेगरी बनाने का अधिकार प्राप्त है? यह भी उल्लेखनीय तथ्य था कि कोटा तय करते समय हिस्सेदारी का पूरा डेटा होना आवश्यक है। इसका अर्थ है कि सराकर के पास पर्याप्त डेटा है तो उस कैटेगरी (श्रेणी) बनाई जा सकती है। इस प्रकार अन्तिम छोर पर जो गरीब है, उसे भी न्याय मिल सकेगा। इस प्रक्रिया से यानी सब कोटा की पहिचान से सबसे ज्यादा लाभ पिछड़ी जातियों को प्राप्त होगा।

उपरोक्त जो विश्लेषण किया गया है, इसके माध्यम से जो लिखा है वह यह स्पष्ट करता है कि संविधान पीठ के समक्ष जो प्रश्न था वह केवल इतना ही था कि क्या 'राज्यों को एससी-एसटी की सब कैटेगरी तय करने का अधिकार है'। यदि पीठ सब कैटेगरी के राज्य के अधिकार को मान लेती है तो इससे यह प्रभाव होगा कि बड़ी पीठ (सात जजों की पीठ) ने पूर्ववर्ती 5 जजों की संविधान पीठ के निर्णय को जो उसने ई वी चिन्नैया के मामले में सन् 2004 में दिया था, उसे निरस्त कर दिया है। 2004 के इस निर्णय में माननीय सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों की पीठ ने यह तय किया था कि 'एससी-एसटी के आरक्षण के लिये सब कैटेगरी नहीं बनाई जा सकती'। 1 अगस्त 2024 के निर्णय का प्रभाव Prospective होगा।

प्रश्न यह पैदा होता है कि क्या 2024 के निर्णय से देश के दलितों को अपरिमित हानि हुई और यह नया निर्णय किया जाना अपरिहार्य था, देश के दलितों के हित में किया जाना अति आवश्यक था।

दिनांक 01 अगस्त, 2024 के निर्णय में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में लिखा है कि राज्यों के पास अनुसूचित जातियों के भीतर उप वर्गीकरण का संवैधानिक अधिकार है, इससे उस जाति के लोगों को आरक्षण मिलेगा तो सामाजिक व शैक्षणिक रूप से अधिक पिछड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय में कहा था वर्गीकरण का आधार पिछड़ेपन और सरकारी नौकरी में प्रतिनिधित्व व मात्रात्मक और प्रदर्शन योग्य आंकड़ों के आधार पर करना चाहिये न कि किसी राजनीतिक लाभ प्राप्ति हेतु।

दिनांक 01 अगस्त, 2024 के निर्णय के बाद इस पर राजनीतिक पार्टियों व राजनीति के विद्वानों आदि की अलग-अलग प्रतिक्रियायें देखने को मिली हैं।

एससी-एसटी वर्ग के सांसदों ने प्रधानमंत्री से कहा है कि उनके समाज को आरक्षण आर्थिक आधार पर नहीं है अपितु उसका आधार छुआछूत, भेदभाव, सामाजिक सुधार पर है, फलस्वरूप यह विषय क्रीमीलेयर का नहीं है। भाजपा के दलित व आदिवासी सांसदों ने पीएम मोदी से मुलाकात कर मांग की है कि क्रीमीलेयर को लागू न करें। मोदी ने उनकी बात मान ली है। केबीनेट ने भी उस पर स्वीकृति की मोहर लगा दी। केन्द्रीय कानून मंत्री मेघवाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि एससी-एसटी में कोई क्रीमीलेयर प्रावधान नहीं है।

ऐसा कहा गया है कि एससी-एसटी में आरक्षण में वर्गीकरण का सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आरएसएस को भी पसंद आया है।

बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने कहा कि आरक्षण में वर्गीकरण का मतलब आरक्षण को समाप्त करना है और उसे सामान्य वर्ग को देना है। मायावती आरक्षण में किसी भी तरह के वर्गीकरण के विरूद्ध है।

इन्द्रा साहनी के बाद आरक्षण को लेकर कई संविधान पीठों के निर्णय हो चुके हैं, किन्तु आरक्षण का चक्रव्यूह अभी तक टूट नहीं पाया है। प्रत्येक निर्णय के बाद नया विवाद खड़ा हो जाता है। 2024 के निर्णय के बाद कई नये नये विवाद उत्पन्न होंगे इसमें कोई शंका नहीं है।

डा. विजय सोनकर शास्त्री जो राष्ट्रीय अनुसूचित जाति और जनजाति आयोग के चेयरमैन रहे हैं और सांसद भी रहे हैं उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के दिनांक 1 अगस्त 2024 के फैसले को ऐतिहासिक कहा है। इससे आरक्षण से वंचित रही जनजाति को भी लाभ मिलेगा। उनका कहना है कि देश में एससी व एसटी की आबादी 22.5 प्रतिशत है, यदि यह वर्ग विकास में पीछे रह गया तो देश पिछड़ जायेगा। डा. शास्त्री ने कहा दलितों की कुल 1208 जातियों और 10 हजार उपजातियां हैं, इस स्थिति में वर्गीकरण करना चुनौती पूर्ण है।

कुछ ऐसे भी लोग हैं जो यह मानते हैं कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के परिणाम स्वरूप एससी-एसटी श्रेणियों के मध्य एक राजनीतिक लड़ाई जन्म लेगी।

राजेन्द्र भानावत पूर्व आईएएस अधिकारी ने राष्ट्रदूत के अतिथि सम्पादकीय में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को ऐतिहासिक क्रान्तिकारी कहा है। भानावत जी का मानना है कि यह निर्णय धरातल पर लागू नहीं हो पायेगा।

दिनांक 1 अगस्त, 2024 के निर्णय के दो भाग स्पष्ट हैं। एक भाग में सीजेआई चन्द्रचूड़ का आदेश है जो उन्होंने जस्टिस बेला त्रिवेदी के अलावा शेष जजों और अपनी ओर से लिखा है, जिसका सार है 'कोटे में कोटा' हो सकता है, राज्य सरकार को अधिकार होगा कि वे एससी-एसटी वर्ग में शामिल समुदायों के लिये आरक्षित कोटे में से पिछड़ेपन के आधार पर कोटा तय करें। वहीं जस्टिस गवई ने माना है कि क्रीमीलेयर को एससी-एसटी पर भी लागू करें। वर्तमान में ओबीसी आरक्षण में वार्षिक आठ लाख रूपये कमाने वाले क्रीमीलेयर में आते हैं।

अधिकांश लोग यह मानते हैं कि ईवी चिन्नैया बनाम आन्ध्रप्रदेश के केस का 2004 का निर्णय 01.08.2024 के निर्णय से Over Rule हो गया है। 2004 के निर्णय में 5 जजों की पीठ ने यह माना था कि आरक्षित कोटे में सब कैटेगरी नहीं हो सकती। क्रीमीलेयर के विषय से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है। क्रीमीलेयर का विवाद न तो 2004 के निर्णय का विषय था और न ही 2024 के निर्णय के विषय का ही भाग था। यह विषय जस्टिस गवई के निर्णय का भाग है। जस्टिस गवई का निर्णय जिसका समर्थन जस्टिस पंकज मिथल, जस्टिस सतीश चन्द्र और जस्टिस विक्रम नाथ ने किया है। चूंकि क्रीमीलेयर का विषय रेफरेंस का विषय नहीं है अत: 2004 के निर्णय को वह निरस्त नहीं कर सकता।

सन् 2004 का सुप्रीम कोर्ट का निर्णय मानता है कि आरक्षण की कैटेगरी में उप कैटेगरी नहीं हो सकती और 01 अगस्त 2024 का निर्णय घोषणा करता है कि कैटेगरी में सब कैटेगरी हो सकती। कुछ विद्वान कहते हैं कि निर्णय से भी यह स्पष्ट नहीं है कि इसका क्रियान्वयन कैसे होगा। यह भी कहा जा सकता है कि पर्याप्त आंकड़ों के तथा विश्लेषण व विवेचना के उपवर्गीकरण संभव ही नहीं है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़के का आरोप है कि भाजपा क्रीमीलेयर के आधार पर आरक्षण ही खत्म करना चाहती है जबकि आरक्षण उस समय तक चालू रहना चाहिये जब तक छुआछूत का पाप समाप्त नहीं हो जाता। खड़के ने पीएम मोदी के उस कथन का घोर विरोध किया है जब पीएम ने कहा था कि संविधान में क्रीमीलेयर का कोई प्रावधान नहीं है ओर सरकार क्रीमीलेयर लागू नहीं करेगा। खड़के का कहना है कि भाजपा/एनडीए को अपने कथन के अनुसार संसद में अधिनियम लाकर ही ऐसा करना चाहिये।

उपरोक्त विवेचन से यह स्पष्ट होता है कि दिनांक 01.08.2024 के निर्णय के अनुसार कोटे में कोटा हो सकता है किन्तु उसका क्रियान्वयन कठिन है तथा पर्याप्त आंकड़ों व विश्लेषण व विवेचना के यह सम्भव नहीं है। जहां तक क्रीमीलेयर के आधार पर आरक्षण का प्रश्न है, और दिनांक 01.08.2024 के निर्णय से इसका संबंध है निम्नलिखित कुछ आपत्ति विचारणीय हैं:-

1) 2004 के सुप्रीम कोर्ट का कोई संबंध क्रीमीलेयर के विषय से नहीं है और न उस रेफरेंस से है जिसके Determination के लिये केस को 7 जजों की पीठ को भेजा गया था।

2) दिनांक 01.08.2024 का मूल निर्णय वह है, जो निर्णय सीजेआई चन्द्रचूड़ ने अपने 5 अन्य जजों के साथ दिया है, जिसका सार है कोटे में कोटा हो सकता है और उप वर्गीकरण का अधिकार राज्य सरकार का है।

3) जस्टिस गवई के निर्णय में क्रीमीलेयर का उल्लेख है। इस निर्णय के अनुसार यह माना गया है कि एससी व एसटी में भी ओबीसी की भांति क्रीमीलेयर के सिद्धान्त को लागू किया जाना चाहिये। हाँ जस्टिस गवई के निर्णय का समर्थन अन्य तीन न्यायाधीशों ने भी किया है, किन्तु यह अलग निर्णय है और रेफरेन्स की सीमा में नहीं है अत: इसका कोई संबंध 2004 के निर्णय को Over Rule करने से नहीं है।

4) पीएम मोदी व उनकी सरकार ने एससी-एसटी में क्रीमीलेयर के सुझाव को स्वीकार नहीं किया है। स्वयं पीएम मोदी ने दलित व आदिवासी सांसदों की मांग को स्वीकार किया है। यह मोदी का वायदा है। अत: इस विषय पर चर्चा करने का प्रश्न ही पैदा नहीं होता। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि वर्गीकरण का आधार पिछड़ेप़न और सरकारी नौकरी में प्रतिनिधत्व के मात्रात्मक और प्रदर्शन योग्य आंकड़ों के आधार पर करना होगा, न कि राजनीतिक लाभ के आधार पर।

इन्द्रा साहनी के बाद आरक्षण को लेकर कई संविधान पीठों के निर्णय हो चुके हैं, किन्तु आरक्षण का चक्रव्यूह अभी तक टूट नहीं पाया है। प्रत्येक निर्णय के बाद नया विवाद खड़ा हो जाता है। 2024 के निर्णय के बाद कई नये नये विवाद उत्पन्न होंगे इसमें कोई शंका नहीं है। संविधान पीठों के गठन पर अंकुश लगाना आवश्यक प्रतीत होता है। सन् 1994 के बाद 2192 केसेज का निस्तारण हो चुका है, फिर भी 50 केस अभी भी निर्णय की प्रतीक्षा में हैं। लेखक का अपना विचार है कि संविधान पीठ के निर्णय को उसी समय Over Rule करना चाहिये जब निर्णय के कारण जनता के अधिकारों का हनन हो रहा हो। विचारों की भिन्नता मात्र निर्णय को पलटने का कारण नहीं होना चाहिये।

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

शिक्षकों के बिना कौशल विकास

प्रो. अशोक कुमार

रोजगार के लिए युवाओं के कौशल विकास के नाम पर किए जा रहे नित नए दावों के बीच हकीकत यह है कि विभिन्न संस्थानो में पिछले कई वर्षों से विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए शिक्षक तक नहीं है। विभिन्न संस्थानो ने कहा कि उन्होने केंद्र सरकार, राज्य सरकार, कौशल विकास विभाग के संबंधित अधिकारियों से सामने कई बार अपनी परेशानी रख चुके हैं। शिक्षक की मांग करते हुए पत्र लिख चुके हैं लेकिन हमें जवाब दे दिया जाता है कि जल्दी ही भर्ती की जाएगी। किसी तरह घंटे के आधार पर शिक्षकों को पढ़ाने के लिए बुलाया जा रहा है जिससे विद्यार्थी थोड़ा बहुत कुछ सीख पाए। इस शिक्षकों को पैसे भी संस्थान अपनी ओर से दे रहा है। दाखिले ऑनलाइन किए जा रहे हैं और बाद में विद्यार्थी पढ़ने आते हैं तो उन्हें परेशानी समझ में आती है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सिखाने-पढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में सभी तरह की साधन सामग्री उपलब्ध नहीं है और जहां पर साधन सामग्री उपलब्ध है लेकिन उसका इस्तेमाल कैसे किया जाए यह सिखाने के लिए शिक्षक ही नहीं है। न प्रशासन कई वर्षों से कह रहा है कि विद्यार्थियों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए कदम उठाए जाएंगे। प्रशासन के द्वारा यह कदम कब उठाए जाएंगे और जो विद्यार्थी इन विषयों मे बिना पढे ग्रेड प्राप्त कर चुके हैं, क्या वह रोजगार के लिए उपयुक्त होंगे?

स्नातक स्तर पर कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन करना एक सराहनीय प्रयास है, लेकिन शिक्षकों के अभाव में इन कार्यक्रमों को चलाना कई कारणों से चिंताजनक है:–

चिंता के कारण : विषय विशेषज्ञ शिक्षक न होने से छात्रों को गहराई से समझ नहीं मिल पाती है। कई कौशल विकास कार्यक्रमों में व्यावहारिक प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है, जिसे बिना अनुभवी शिक्षकों के करना मुश्किल होता है। शिक्षकों के अभाव में कार्यक्रमों की शैक्षणिक गुणवत्ता प्रभावित होती है। शिक्षकों के अभाव में छात्रों का रुझान इन कार्यक्रमों से कम हो सकता है। बिना शिक्षकों के कार्यक्रम की सफलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

संभावित समाधान : विषय विशेषज्ञ अतिथि शिक्षकों को नियुक्त करके इस समस्या का समाधान किया जा सकता है। ऑनलाइन मोड में विषय विशेषज्ञों द्वारा वीडियो लेक्चर और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए जा सकते हैं। छात्रों को एक-दूसरे की मदद करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। मौजूदा शिक्षकों को कौशल विकास कार्यक्रमों को चलाने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है।

क्या करना चाहिए : विश्वविद्यालय प्रशासन इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान दे और उपरोक्त सुझावों को लागू करने के लिए कदम उठाए। शिक्षक संघ इस मुद्दे को उठाकर विश्वविद्यालय प्रशासन पर दबाव बनाएं। छात्र संघ इस मुद्दे को छात्रों के बीच उठाएं और विश्वविद्यालय प्रशासन से समाधान की मांग करें। इस मुद्दे को मीडिया के सामने लाएं ताकि जनता का ध्यान इस ओर आकर्षित हो।

निष्कर्ष:– स्नातक स्तर पर कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन एक सराहनीय प्रयास है, लेकिन बिना शिक्षकों के इन कार्यक्रमों को चलाना उचित नहीं है। इस समस्या का समाधान निकालने के लिए सभी पक्षों को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय

किशनगढ़ बास से खैरथल तक 10 किलोमीटर की निकाली तिरंगा यात्रा

■ **बच्चों में शिक्षा के साथ राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करना जरूरी : भूपेंद्र यादव**

किशनगढ़ बास/खैरथल, (निसं)। आजादी के अमृत महोत्सव हर घर तिरंगा अभियान के तहत आमजन में देशभक्ति का जज्बा पैदा भरने के उद्देश्य से किशनगढ़ बास के बंबोरा घाटा हनुमान मंदिर से खैरथल तक 10 किलोमीटर की तिरंगा बाइक यात्रा केंद्रीय वन एवं पर्यावरण जल वायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, पूर्व विधायक रामहेत यादव सहित भाजपा नेताओं की मौजूदगी में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा निकाली गई। वहीं केंद्रीय मंत्री ने खैरथल में आयोजित विभाजन विभीषिका प्रदर्शनी कार्यक्रम में शामिल हुए और प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

खैरथल में तिरंगा यात्रा रथ में सवार केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ पूर्व विधायक रामहेत सतीश यादव व अन्य थे।

किशनगढ़ बास के घाटा बंबोरा हनुमान मंदिर से खैरथल के लिए प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने हनुमान मंदिर में श्री भगवान राम और हनुमान जी के दर्शन कर ढोक लगाई और पूजा अर्चना कर देश और प्रदेश व जिले की खुशहाली की कामना की। इसके बाद मंत्री ने तिरंगा लहराकर यात्रा की शुरुआत की और तिरंगा यात्रा में शामिल होकर राष्ट्रीय एकता व देश भक्ति का संदेश दिया।

तिरंगा यात्रा रथ में सवार केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ पूर्व विधायक रामहेत सतीश यादव, मंत्री हेमसिंह भड़ाना, जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, पालिका अध्यक्ष तारामणि सतीश सिंघल, हरीश रोघा सहित भाजपा नेताओं का किशनगढ़ बास अभिभाषक संघ अध्यक्ष अजीत राव पूर्व अध्यक्ष अमित गौड़ के नेतृत्व में अधिवक्ताओं की ओर से यात्रा पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। तिरंगा यात्रा रथ पर सवार केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव सहित नेताओं व बाइक पर चल रहे कार्यकर्ताओं के हाथों में लहर लहर लहराता हुआ तिरंगा व भारत माता की जय घोष व देश भक्ति के गीतों ने लोगों के दिलों में राष्ट्र प्रेम और एकता की भावना को जाग्रत किया।

खैरथल तिरंगा यात्रा पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव सहित भाजपा नेताओं का जोरदार स्वागत किया गया। केंद्रीय मंत्री व पूर्व विधायक रामहेत यादव सहित भाजपा नेताओं ने विभाजन विभीषिका प्रदर्शनी कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि विभाजन विभीषिका प्रदर्शनी विभाजन के इतिहास को समझने और इससे सीखने का माध्यम है। इसमें युवा पीढ़ी को विभाजन काल की प्रतिकूलताओं की जानकारी मिलेगी।

उन्होंने कहा कि असंख्य देश भक्तों के सर्वोच्च बलिदान के बाद हमें आजादी मिली हमें ऐसे महान देशभक्तों के प्रति कृतज्ञता अर्पित करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करना बहुत जरूरी है। यादव ने कहा कि आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा अभियान आमजन की सहभागिता के साथ प्रदेशभर में आयोजित किया जा रहा है जो प्रगतिशील भारत, देश की संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को याद करने और जश्न मनाने के लिए भारत सरकार की ओर से की जाने वाली एक महत्वपूर्ण पहल है।

उन्होंने जिलेवासियों से अपील करते हुए हर घर तिरंगा अभियान के तहत अपने घरों पर तिरंगा झण्डा लगाकर राष्ट्रीय पर्व स्वाधीनता दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाने के लिए कहा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने खैरथल को ग्रेटर खैरथल बनाने की बात कही साथ ही केंद्रीय फंड से खैरथल से शेखपुर अहीर सड़क निर्माण जो की खैरथल से आरंभ होकर बघेरी कलां, माचरौली, दौलतपुर, बीबीरानी, जलालपुर, जोड़िया, भिनोलिया, शेखपुर अहीर तक 41 किलोमीटर की सड़क 61.5 करोड़ रुपए तथा शेरपुर से गेलपुर सड़क निर्माण जो की शेरपुर से आरंभ होकर जोड़िया, भोकर, गेलपुर तक 10 किलोमीटर की सड़क 17.5 करोड रुपए में बनाने की घोषणा की। उन्होंने दिल्ली से बांद्रा जाने वाली ट्रेन बांद्रा टर्मिनस की खैरथल में ठहराव की घोषणा की जिसके तहत बांद्रा टर्मिनस प्रात: 8:57 दिल्ली से चलकर प्रात: 10:57 पर खैरथल में रुक कर अपने गंतव्य बांद्रा को जाएगी।

पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने कहा कि विभाजन हमारी देश की स्वतंत्रता के साथ जुड़ा हुआ एक कभी न भुलाया जा सकने वाला त्रासद अध्याय है। इस चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से हम उस समय की त्रासदी की मार्मिकता और भीषणता का अनुमान लगा सकते हैं।

इससे हमें और नयी पीढ़ी को यह जानकारी मिलती है कि आज हम जिस स्वतंत्रता का उपभोग कर रहे हैं, वह कितने संघर्षों से हमें हासिल हुई है और उसे हर तरह से सुरक्षित रखना कितना जरूरी है। इसके साथ ही यह दिन उन लोगों के कष्ट और संघर्ष की भी याद दिलाता है, जिन्हें विस्थापन का दंश झेलने को मजबूर होना पड़ा। ऐसे सभी लोगों को मेरा शत-शत नमन। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किशनगढ़ बास व 21 गांव के लिए 77.53 करोड रुपए की पेयजल परियोजना की बजट घोषणा की गई जिसके तहत शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को पेयजल आपूर्ति की जाएगी। इस अवसर पर पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया।

जान जोखिम में डालकर कल्याण भक्त कर रहे यात्रा

मालपुरा, (निसं)। प्रदेश के प्रमुख तीर्थ स्थलों में शामिल डिग्गी कल्याणजी के दरबार में चल रहे 59 वें लक्खी मेले के चौथे दिन बुधवार को भारी अव्यवस्थाओं के चलते यात्रियों को जान जोखिम में डालकर यात्रा बसों में सफर करने की तस्वीरें सामने आई।

लक्खी मेले से पूर्व जिला कलेक्टर सोम्या झां की अध्यक्षता में जिला व उपखण्ड स्तरीय अधिकारीयों की ली गई बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागों के अधिकारियों को मेले की व्यवस्थाएं चाक चौबन्द रखे जाने के सख्त निर्देश दिये थे। बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों ने मेले में आने वाले यात्रियों की सुविधा व सुरक्षा के सभी इंतेजामात किये जाने की जानकारी दे जिला कलेक्टर को मेले के सफल आयोजन के लिए आश्वस्त किया था। लेकिन मेले के दौरान भारी अव्यवस्थाओं के चलते यात्रियों को जानजोखिम में डालकर यात्रा करने व दर्शनों के पश्चात गंतव्य स्थान पर जाने के लिए भी बसों की छतों पर बैठकर तो बसों की खिडकी व फाटक पर लटककर यात्रा करने पर विवश होते देखा गया। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने ऑवरलोडिंग वाहनों पर सख्त कार्यवाही के दावे किये गये थे।

उनकी भी पोल खुलकर सामने आई। वैशाली व टोंक डिपो के अधिकारीयों ने पांच दिवसीय मेले के दौरान 100 अतिरिक्त बसें लगाने की जानकारी दी थी लेकिन जमीनी स्तर पर आधी ही बसें यात्री भार उठाते देखी गई।

बसों के अभाव में मजबूरन यात्री बसों की छतों पर बैठकर तो बसों में भेड बकरी की तरह ठूंस-ठूंस कर व लटककर जान जोखिम में डाल सफर करने के लिए विवश देखे गये। जयपुर भीलवाडा व दूदू छाण स्टेट हाईवे सहित डिग्गी चौसला व अन्य मार्गों पर सडक के दोनों ओर जंगल सफाई नहीं होने व जगह-जगह गन्दगी के ढेर लगे होने से पैदल यात्रियों को बीच सडक पर बैठकर विश्राम करते देखा गया। मेले में बेरिकेटिंग तो लगाई गई लेकिन तैनाद पुलिस के अधिकारी व जवान पैदल यात्रियों की सुविधा व सुरक्षा को नजर अंदाज कर प्रतिबंधित मार्ग में दुपहिया व चौपहिया वाहनों को प्रवेश देने से कल्याण जी के यात्रियों को खासा परेशान होना पडा।

मंदिर के बाहर व बाजार में लगाई गई रेलिंग में मालिक विहिन पशुओं के घुमने व यात्रीयों को क्षति पहुचाने जैसे भी नजारे सामने आये। तमाम अव्यवस्थाओं से जानकर भी अंजान बना मेला प्रशासन ।प्रशासन की यह लापरवाही व अव्यवस्था यात्रीयों के लिए बन सकती है कभी बडी मुसीबत व दुर्घटना का कारण। मंदिर ट्रस्ट की ओर से भी इस बार मेले में यात्रीयों की सुविधा व सुरक्षा के लिए माकुल इतेजाम नही किये जाने से कल्याण भक्तों में ट्रस्ट के प्रति भी गहरा आक्रोष देखा गया।

राशिफल गुरूवार 15 अगस्त, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, ज्येष्ठ नक्षत्र दिन 12:53 तक, वैधृति योग दिन 2:58 तक, गर करण दिन 10:27 तक, चन्द्रमा दिन 12:53 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 12:53 तक है। आज भद्रा रात्रि 10:03 से आरम्भ होगी। आज वैधृति पूण्यं है और पारसी नव वर्ष प्रारम्भ होगा। आज नवरोज है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:39 तक, चर 10:54 से 12:31 तक, लाभ-अमृत 12:31 से 3:46 तक, शुभ 5:23 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:02, सूर्यास्त 7:00

मेष
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आज मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

मिथुन
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा।

सिंह
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

वृश्चिक
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

धनु
घर-परिवार कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। दिन के मध्यान्ह पश्चात परेशानियों से राहत मिलेगी।

मकर
आर्थिक/वित्तिय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। अनावश्यक धन खर्च होगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 15 प्रभात जयपुर, गुरुवार 15 अगस्त, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

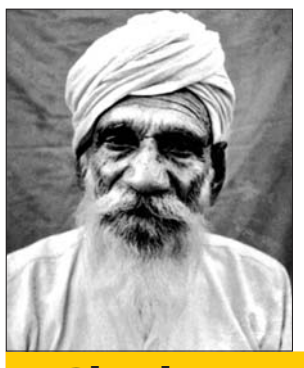

Ghadar Was A Reality... David Petrie, a policeman, was asked to assess the situation. He had lived in India for 26 years and later became the Director-General of the spy agency, MI5, was sent to Bangkok.

Independence Day 2024: Wishes, inspiring messages & quotes

भारी बारिश और फिर घंटो ट्रैफिक जाम

राजधानी जयपुर में बुधवार शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक मानसून की सबसे तेज बारिश हुई। शहर में बाढ़ जैसे हालात बन गए। पानी भरने से सड़कें दरिया बन गई जिनमें कार व दुपहिया वाहन तैरते देखे गए। एम.आई. रोड, जयपुर परकोटे व अजमेर पुलिया के साथ-साथ मुख्य सीकर रोड पर 5 फीट से ऊपर पानी भर गया। ट्रैफिक जाम की ऐसी भयावह स्थिति बनी कि सी-स्कीम स्थित अशोक मार्ग से एम.आई. रोड पर पहुंचने में लोगों को 5 मिनट के बजाय 4 घंटे से ज्यादा समय लगा। इसी तरह वी.वी.आई.पी. रूट जवाहर लाल नेहरू रोड, त्रिमूर्ति सर्किल पर भी देर रात 12 बजे तक भारी यातायात जाम में लोग फंसे रहे।

अवकाश की सूचना

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रदूत कार्यालय में 15 अगस्त को अवकाश रहेगा। अतः दैनिक राष्ट्रदूत का अगला अंक 17 अगस्त को प्रकाशित होगा। **-प्रबंध सम्पादक**

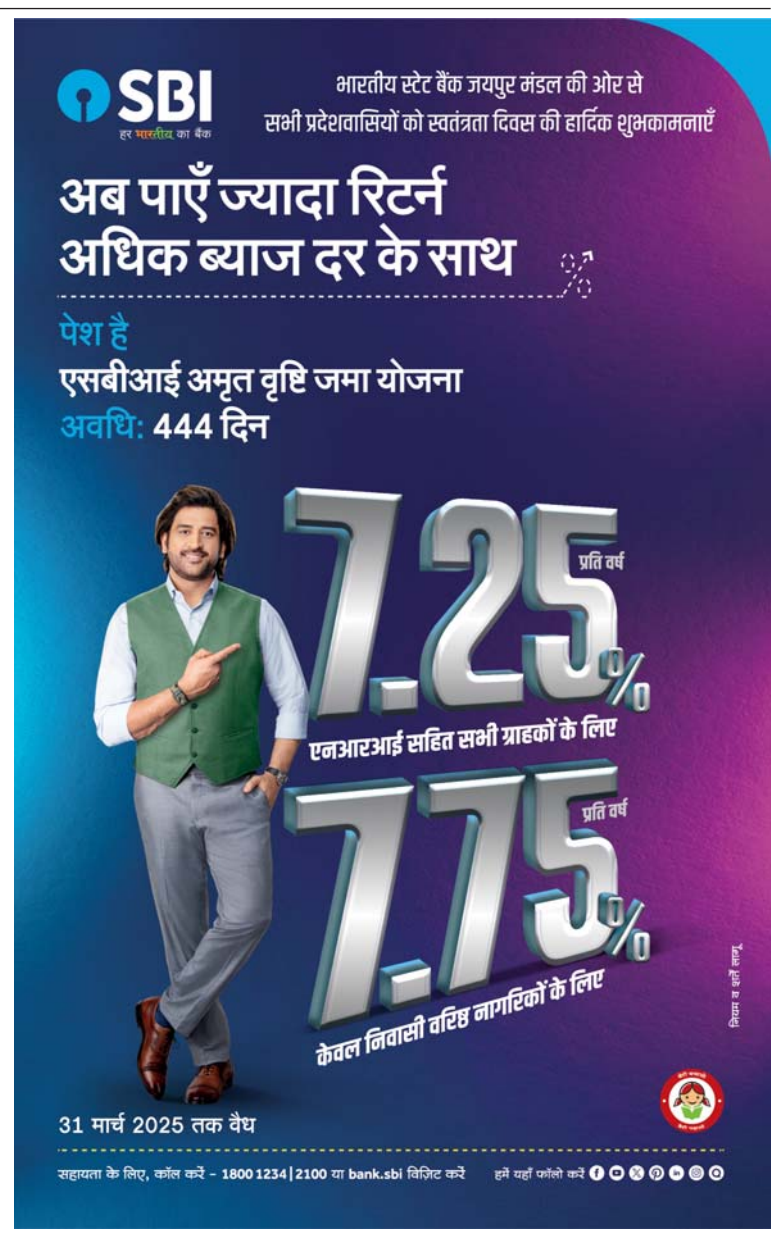

बंगाल से ग्यारह महिला सांसदों ने युवा डॉक्टर के रेप व हत्या के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अगस्त। पश्चिम बंगाल में स्वास्थ्य सेवा में वस्तुतः ठप्प हो गई हैं क्योंकि जूनियर डॉक्टर, तथा उनके साथ सीनियर डॉक्टर अपने ड्यूट-स्थलों से बाहर आ गये हैं तथा आर.जी. कार हॉस्पिटल एंड कॉलेज में इन्टर्नी एम.डी. छात्रा के साथ हुये दुष्कर्म तथा उसकी हत्या को लेकर न्याय की माँग कर रहे हैं।

बंगाल इस घटना से उपजे क्रोध में भड़क रहा है तथा राज्य के सुरक्षा तथा निष्पक्षता के पूर्ण अभाव को लेकर जन-आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है। सोशल मीडिया इस बात पर उत्तेजित है तथा इसकी जबरदस्त भर्त्सना कर रहा है कि यहाँ की 11 महिला सांसदों में से किसी ने भी इस मेडिकल छात्रा के साथ हुये जघन्य अपराध के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोला है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों ने घटनास्थल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ए.डी.जी. वी.के. सिंह को राष्ट्रपति पुलिस पदक दिया जाएगा

जयपुर, 14 अगस्त। केन्द्रीय गृह मंत्रालय की ओर से 78वें स्वाधीनता दिवस-2024 के अवसर पर राजस्थान के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ए.डी.जी. एस.ओ.जी. वी.के. सिंह को राष्ट्रपति पुलिस पदक व 14 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को पुलिस पदक प्रदान करने की घोषणा की गई है। पुलिस महानिदेशक यू आर साहू ने इन सभी अधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ए.टी.एस. व एसओजी विजय कुमार सिंह को राष्ट्रपति पुलिस पदक के लिए चुना गया है। सिंह ने 8 महीने में 12 भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी और पेपर लीक गिरोह को लेकर कई खुलासे किए हैं। उन्होंने एस.ओ.जी. में कार्यभार संभालते ही पेपर लीक माफिया की कमर तोड़ दी। साल 1997 बैच के आई.पी.एस. सिंह को जनवरी 2024 में नई सरकार ने एस.ओ.जी. ए.डी.जी. बनाने के साथ एंटी चीटिंग सेल की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजीव गांधी की जयंती से कांग्रेस महाराष्ट्र का चुनाव अभियान शुरू करेगी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 अगस्त। कांग्रेस 20 अगस्त को राजीव गांधी की जयंती पर महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करेगी।

पार्टी राज्य इकाई का सम्मेलन कर रही है उसके बाद एक जनसभा होगी। रोचक बात यह है कि कार्यक्रम कांग्रेस द्वारा आयोजित है और इसमें उद्धव ठाकरे और शरद पवार को बुलाया जाएगा।

> **ऐसा माना जा रहा है, कि उद्धव ठाकरे विपक्ष की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे।**

सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री कौन होगा इसका निर्णय चुनाव के बाद इस आधार पर किया जाएगा कि किस पार्टी के कितनी सीटें मिलती हैं। संभावना है कि उद्धव ठाकरे ही गठबंधन का चेहरा होंगे। शरद पवार बढ़ती उम्र और खराब स्वास्थ्य के बाद भी गठबंधन के सबसे बड़े नेता हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर में 4 घंटे की मूसलाधार बारिश से सड़कों पर 5 फीट से ऊपर पानी भरा

भारी ट्रेफिक जाम के कारण सी-स्कीम स्थित अशोक मार्ग से एम.आई.रोड तक 5 मिनट का रास्ता पार करने में लोगों को 4 घंटे से ज्यादा का समय लगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर में बुधवार शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक हुई तेज मूसलाधार बारिश से सड़कों पर पांच फीट से ऊपर पानी भर गया। मुख्य मार्गों पर नदियों की तरह पानी बहता नजर आया। सीकर रोड पर ढेहर के बालाजी की तरह एम.आई.रोड, जयपुर परकोटा और अजमेर पुलिया पर जलभराव के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए। शहर में करीब छह इंच बरसात दर्ज की गई है। इस बीच जयपुर के प्राथमिक स्कूलों में स्वतंत्रता दिवस पर बच्चों को आवश्यक रुप से नहीं बुलाने के निर्देश जारी किये गये।

इसी बीच शहर का यातायात ऐसा ठप्प हुआ कि, सी-स्कीम स्थित अशोक मार्ग से एम.आई. रोड तक मात्र 5 मिनट की दूरी तय करने में लोगों को 4 घंटे से ज्यादा का समय लग गया। देर रात तक वाहन रैंगते-रैंगते अपने गंतव्य की ओर जाते रहे।

ट्रेफिक जाम की ऐसी ही भयावह स्थिति जयपुर परकोटे, अजमेरी गेट, त्रिमूर्ति सर्किल, राजापार्क, नारायण सिंह सर्किल, पांचबत्ती, स्टेच्यू सर्किल से जनपथ, 22 गोदाम, सोडाला, झोटवाड़ा और कालवाड़ रोड़ पर रही। जिला प्रशासन, जेडीए और नगर निगम की बाढ़ नियंत्रण राहत टीमें भी इसी ट्रेफिक जाम में फंसकर रह गई। बारिश के दौरान सड़कों पर पानी के तेज बहाव में कार, बाइक समेत अन्य वाहन तैरते दिखाई दिए। रेलवे स्टेशन पर पटरियां भी पानी में डूबी रही। शासन सचिवालय में भी घुटनों तक पानी भर गया।

बजाज नगर, मालवीय नगर, महेश नगर, बास बदनपुरा, मोती डूंगरी रोड समेत जयपुर के कई इलाकों में बरसात से सड़कें लबालब हो गईं। परकोटे में काले हनुमान जी मंदिर के बाहर बारिश के तेज बहाव के साथ स्कूटी बह गई और मंदिर में भी पानी भर गया। मंदिर प्रशासन ने पानी रोकने के लिए तीन लेयर के बैरिकेड्स लगाए, लेकिन पानी अंदर चला गया।

शहर के अलग-अलग इलाकों में तेज बारिश के चलते ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। बनीपार्क स्थित चिंकारा कैंटीन से एम.आई.रोड की ओर आने वाले मुख्य सड़क पर देर रात 12 बजे तक यातायात जाम की स्थिति रही। परकोटे में तेज बारिश के कारण कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। जलमहल के सामने लो-फ्लोर बस पानी में बंद हो गई। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के मडंपप वी.वी.आई.पी. क्षेत्रों में ही काम करते रहे, जिन लोगों ने कंट्रोल रूम में शिकायतें दर्ज करवाने के लिए फोन किया, उनका या तो जवाब नहीं मिला या फिर संपर्क लाइनें व्यस्त रहीं।

मौसम विभाग के मुताबिक सांगानेर एयरपोर्ट पर 40 एम.एम. बारिश दर्ज हुई, जबकि शहर में कितनी बारिश दर्ज हुई, इस बारे में कलेक्ट्रेट कंट्रोल रूम की ओर से सुबह जानकारी देने की बात कही गयी। बुधवार को बीसलपुर में 14 सेंटीमीटर पानी की आवक हुई। बीसलपुर बांध का जलस्तर 312.56 से बढ़कर 312.70 आरएलमीटर दर्ज किया गया। बारिश के दौरान द्रव्यवती नदी भी उफान पर रही। महारानी फार्म स्थित पुलिया पर द्रव्यवती नदी का पानी ओवरफ्लो होकर मुख्य सड़क पर आ गया। यहां कई लोग जान जोखिम में डालकर आवाजाही करते दिखे, जिन्हें पुलिसकर्मियों ने रोका।

राजधानी जयपुर में बुधवार शाम हुई मूसलाधार बारिश से मुख्य मार्गों पर नदियों की तरह पानी बहता नजर आया। कई जगह जलभराव के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए। नारायण सिंह सर्किल पर भरे पानी का दृश्य कुछ ऐसी ही कहानी बयां कर रहा हैं।

- **एम.आई.रोड, सीकर रोड और जयपुर परकोटे के बाजारों के साथ-साथ निचले इलाकों में 4-5 फीट तक जलभराव होने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हुआ**
- **जिला प्रशासन, जेडीए व नगर निगम करोड़ों रु. के बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित करके भी इमारतों में घुसे बारिश के पानी को समय पर बाहर निकालने में असमर्थ रहा**
- **शहर के तमाम बाढ़ नियंत्रण कक्षों के संपर्क नंबर व्यस्त रहे, मडपंप नहीं मिलने के कारण आमजन को परेशानियां झेलनी पड़ी**

भरतपुर, जयपुर, अजमेर व कोटा संभाग में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि उत्तर-पूर्वी राजस्थान के ऊपर परिसंचरण तंत्र अवस्थित है तथा सतह से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तृत है तथा मानसून ट्रफ लाइन बीकानेर से होकर गुजर रही है। इस तंत्र के प्रभाव से 14-15 अगस्त को भरतपुर, जयपुर, अजमेर व कोटा संभाग के कुछ भागों में भारी व कहीं अति भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। पूर्वी राजस्थान में 17 अगस्त के बाद बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर व जोधपुर संभाग में आगामी 3-4 दिन कुछ भागों में तेज मेघगर्जन, आकाशीय बिजली के साथ मध्यम से कहीं-कहीं भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। उदयपुर संभाग के कुछ भागों में आगामी दिनों में हल्के से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मंगलवार को अलवर तथा करौली जिले में कहीं कहीं भारी वर्षा दर्ज की गई है। पूर्वी राजस्थान में सर्वाधिक बारिश मुंडावर (अलवर) में 92 मिमी व पश्चिमी राजस्थान के पोकरण जैसलमेर में 55 मिमी बारिश दर्ज की गई है। राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 38 डिग्री श्रीगंगागनर तथा सर्वाधिक न्यूनतम तापमान 28.6 डिग्री बाड़मरे में दर्ज किया गया।

पूर्व आईएएस भाटी के बेटे के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने भूमि विवाद के धोखाधड़ी के मामले में करधनी थाने में दर्ज एफआईआर में पूर्व आईएएस हनुमंत सिंह के बेटे रिद्देश्वर सिंह के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपी को कहा है कि वह अनुसंधान में हिस्सा ले और सहयोग करे। जस्टिस नरेन्द्र सिंह ने यह आदेश रिद्देश्वर सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

मामले में पूर्व आईएएस हनुमंत सिंह भाटी व उनके बेटे के खिलाफ नेमाराम ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया था कि आरोपियों ने उससे 25 अक्टूबर 2023 को 12 बीघा 7.5 बिस्वा जमीन के बेचान का एग्रीमेंट किया था, लेकिन इस जमीन में से उन्होंने केवल आधी जमीन की ही रजिस्ट्री करवाई है और बाकी जमीन की रजिस्ट्री उसे अन्य लोगों को बेचान करने के उद्देश्य से नहीं करवा रहे हैं। इसलिए उनके खिलाफ धोखाधडी सहित अन्य अपराध में कानूनी कार्रवाई की जाए।

जेडीए और हाउसिंग बोर्ड के पट्टों में स्वामित्व के सुरक्षा मानक क्यों नहीं?

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार, आवासन मंडल और पंजीयन विभाग से पूछा है कि जेडीए, नगर निगम और आवासन मंडल सहित अन्य सरकारी निकायों की ओर से जारी पट्टों व आवंटन पत्रों सहित अन्य स्वामित्व दस्तावेजों में सुरक्षा मानक क्यों नहीं है। जस्टिस पंकज भंडारी व प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने यह आदेश ऋचा पारीक की जनहित याचिका पर दिए।

याचिका में कहा गया कि जेडीए, नगर निगम, नगर परिषद व हाउसिंग बोर्ड सहित अन्य स्थानीय निकायों से जारी पट्टों व आवंटन पत्रों में सुरक्षा मानकों का ध्यान नहीं रखा जाता। जिससे स्थानीय निकायों से मिलीभगत कर पट्टों सहित अन्य स्वामित्व के दस्तावेजों के फर्जी व डबल दस्तावेज बना लिए जाते हैं। वहीं आमजन के पास इन दस्तावेजों की वैधता की सत्यता जांच करने के लिए कोई भी विधिक प्रक्रिया नहीं है और ना इन दस्तावेजों में ही सुरक्षा मानक हैं। ऐसे में इन दस्तावेजों में फर्जीवाड़ा और अनियमितताएं नहीं रोकी जा सकती। इसलिए इन दस्तावेजों में सुरक्षा के लिए कोई मानक बनाए जाए, ताकि आमजन इनसे होने वाले फर्जीवाडे से बच सके। याचिका में कहा गया कि आए दिन अपराधियों की ओर से फर्जी पट्टे बनाकर आमजन एवं वित्तीय संस्थानों को क्षित पहुंचाई जाती है। इसलिए राज्य सरकार को इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए जाए कि वह पट्टे एवं स्वामित्व दस्तावेजों के जारी करने में सुरक्षा मानकों का ध्यान रखे और इसके लिए एक प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। वहीं ऐसे दस्तावेजों को जारी करने से रोका जाए, जिनमें उनके मूल स्वरूप को आसानी से बदला जा सके। राज्य सरकार ऐसी मशीनरी विकसित करे कि इन दस्तावेजों में किसी भी तरह से फजीवाडा नहीं किया जा सके। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है।

राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

जयपुर, (का.सं.)। राज्यसभा विद्ववार्षिक उप निर्वाचन-2024 के लिए बुधवार को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नांमाकन पत्र भरने की प्रक्रिया आरंभ हो गयी है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 21 अगस्त तक नामांकन पत्र भरे जा सकेंगे। भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया के लिए राजस्थान विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा को रिटर्निंग ऑफिसर एवं संजीव कुमार शर्मा को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया है।

रिटर्निंग ऑफिसर महावीर प्रसाद शर्मा ने बताया कि नामांकन पत्र प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक विधानसभा में जमा किए जा सकते हैं। विधानसभा के कमरा नं. 113 से अभ्यर्थी नामांकन पत्र प्राप्त कर सकते हैं एवं इन्हें कमरा नं.106 में जमा कराया जा सकेगा। रिटर्निंग ऑफिसर और उनकी अनुपस्थिति में सहायक रिटर्निंग ऑफिसर संजीव कुमार शर्मा नामांकन पत्र स्वीकार करेंगे।

स्काउट गाइड का 31वां वार्षिक अधिवेशन आयोजित

पावटा। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला कोटपुतली बहरोड का 31वां वार्षिक अधिवेशन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भाबरु मे आयोजित हुआ। कार्यऋम की अध्यक्षता संघ प्रधान रवि मीणा ने की। मुय अतिथि विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड थे।

पूर्व संयुक्त निदेशक बीडी गुर्जर, बद्रीनारायण दायमा, बिहारीलाल शर्मा, सीबीईओ शंकर लाल मीणा ने बतौर विशिष्ट अतिथि अपने विचार व्यक्त किये। शिविर प्रभारी फूलचंद, लीडर ट्रेनर अभय सिंह, काउंसलर नत्थूराम, विऋम सिंह ने आगंतुक अतिथियो का स्वागत किया व आयोजित अधिवेशन की कार्यवाही की जानकारी दी। वही सहायक सचिव हीरालाल मीणा ने गत वर्ष का प्रतिवेदन व सचिव फूलचंद मीणा ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इस दौरान विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड को मुयालय पर हाल निर्माण का ज्ञापन दिया गया। विधायक कुलदीप धनकड ने कहाँ कि स्काउट गाइड देश का सबसे बडा संगठन है। ज्यों बच्चो के चरित्र निर्माण और उनके सर्वांगीण विकास का काम करता है। स्काउट गाइड समाज सेवा मे सर्व श्रेष्ठ है।

वही उन्होंने स्काउट व गाइड की प्रसंसा करते हुए समाजिक कार्यो में बढ चढकर हिस्सा लेकर उल्लेखनीय कार्य करने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। इस मौके पर सरपंच शशिकांत शर्मा, प्रधानाचार्य संतोष मीणा, साकेत पारिक, धर्मवीर जिंदोलिया, मूलचंद मीणा, पृथ्वी यादव, देवकरण कसाना, रामगोपाल सैनी, अनिल शर्मा, इंद्राज गुर्जर, श्रीराम यादव, विनोद कुमार, भैरू सहाय सहित लोग मौजूद रहे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचार व लूटपाट के विरोध में जयपुर में सर्व समाज ने आक्रोश रैली निकाल कर विरोध प्रकट किया।

राज्यपाल से लेफ्टिनेंट जनरल ने की शिष्टाचार भेंट

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से राजभवन में बुधवार को दक्षिण-पश्चिम कमांड के लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने मुलाकात की। राज्यपाल बागडे से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने ओलंपिक खिलाड़ियों से मुलाकात कर बधाई दीं

जयपुर। राजस्थान सरकार में युवा मामले और खेल मंत्री व एथेंस ओलंपिक गेम्स 2024 में रजत पदक विजेता कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने पेरिस ओलंपिक खेलों में प्रतिभाग कर राजस्थान आये प्रतिभावान निशानेबाज अनंतजीत सिंह नरुका और महेश्वरी चौहान से शिष्टाचार मुलाकात कर उनके बेहतरीन खेल प्रदर्शन की सराहना की और उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि अगले ओलंपिक खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पदक जीतने हेतु हम सभी मिलकर अभी से तैयारी शुरू करेंगे। राजस्थान सरकार उच्च स्तरीय खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही खिलाड़ियों की हर संभव मदद कर सदैव आप सभी के उज्ज्वल भविष्य के प्रति संकल्पित है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रखर नेतृत्व में खेलकूद के जरिए प्रतिभाओं को निखारने का नया युग शुरू हो गया है। राजस्थान में खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए संकल्पबद्ध सरकार लगातार विकास राह पर आगे बढ़ती रहेगी। मोदी सरकार देश की युवा प्रतिभाओं को खेलों की ओर प्रोत्साहित कर रही है। इससे ओलंपिक में महिला खिलाड़ियों की भी भागीदारी बढ़ी है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत में 2036 में ओलंपिक गेम्स आयोजित करने के लिए कृतसंकल्पित है। ये सदियों पुराना सपना 140 करोड़ भारतीयों ने देखा है, ये सपना निश्चित रूप से साकार होगा। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि खेलों से इच्छाशक्ति तो मजबूत होती ही है, बल्कि एकाग्रता भी बढ़ती है। खेल कोई भी हो उससे व्यक्तित्व का विकास तो होता ही है, साथ ही राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभाई जा सकती है।

स्वाधीनता दिवस पर शुभकामनाएं दीं

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वाधीनता दिवस की शुभकामनाएं और बधाई दी हैं।

राज्यपाल बागडे ने अपने संदेश में कहा है कि सभी भाईचारा और सदभावना बनाये रखते हुए राष्ट्र और राज्य की उन्नित के लिए मिलकर प्रयास करें।

शर्मा ने कहा कि आजादी का यह पर्व हमें न केवल स्वतंत्रता सेनानियों के शौर्य व बलिदान की याद दिलाता है बल्कि यह हमें राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्यबोध का भी अहसास कराता है।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नाम परिवर्तन
I have changed my name from Manish Kumar Verma to Manish Kumar S/o Rajkumar for all purpose. Resi.: 95-A, Shiv Vihar A, Manyavas, Mansarovar, Jaipur

खोया पाया
मेरे मकान 3MA-258 इन्दिरा गांधी नगर का मूल Allotment Letter मालवीय नगर से कहीं गिर गया। मिलने पर सूचित करें। हरीश कुमार, मो.9829060086

मेरे मकान नम्बर-77/133 MIG-A सैक्टर-7, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर का मूल अलाटमेंट लेटर नम्बर 2366 Date 26.06.2021 कहीं खो गया मिलने पर सूचित करें। मीनाक्षी-8851567593

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय, जे0एल0एन0 मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर - 0141-4901863
आम जाहिर सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या-2/646, जवाहर नगर, जयपुर, क्षेत्रफल 60.75 वर्ग मीटर का आवंटन श्रीमति सीता देवी पत्नी स्व. श्री देशराज को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमाक 2252 दिंनाक 20/07/1986 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर, पंचम मे दिनांक 30/07/1993 को कराया गया।
श्रीमति सीता देवा की मृत्यु दिनांक 02/02/2003 को हो जाने के कारण श्री हेमांक जैन पुत्र श्री विरेन्द्र जैन के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, पंजीबद्ध वसीयतनामा की छाया प्रति एंव मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने नाम करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय मे व्यक्तिगत रूप मे उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत का देंवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री हेमांक जैन पुत्र श्री विरेन्द्र जैन के पक्ष मे उक्त आवास/फ्लैट के प्रतिस्थापनकी कार्यवाही कर दी जावेगी
सम्पदा प्रबंधक
वृत तृतीय, रा0आ0मण्डल
जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली निविदा सूचना (ई-निविदा द्वारा)
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मुख्य कारखाना प्रबंधक, कैरिज कारखाना, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नाम व स्थान: Outsourcing work of Fabrication, Supply, and installation, commissioning and providing out of computerized DV endurance Test bench (2 Months). कार्य की अनुमानित लागत: रु. 990610.00** (रु. नौ लाख नब्बे हजार छः सौ दस मात्र)। **बयाना राशि जो जमा करानी है: रु. 19800.00** (रुपये उन्नीस हजार आठ सौ मात्र)। **ई-निविदा जमा करने की अन्तिम दिनांक व समय तथा ई-निविदा खोलने की दिनांक व समय:** 03.09.2024 को 15:00 बजे तक तथा 03.09.2024 को 15:00 बजे के बाद। **वेबसाइट विवरण जहां से ई-निविदा सम्बन्धित पूर्ण विवरण प्राप्त किया जा सकता है: www.ireps.gov.in** डब्लू.डब्लू.डब्लू. आईआरईपीएस.जीओवी.आईएन **कार्यालय का पता जहां से निविदा जारी की गयी:** मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय, कैरिज कारखाना, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर-342001 राजस्थान। 949-PM/24
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना
व.मं.बि.इंजी.(टीआरडी), उ.प.रे., जयपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। कोई भी मैन्युअल टेण्डर स्वीकार नहीं किया जायेगा और अगर कोई मैन्युअल टेण्डर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा । **क्र सं.:** 1, **एनआईटी संख्या:** ईएल- टीआरडी-जेपी-2024-25-06, **कार्य का नाम:** कॉम्प्रेहेंसिव एनुअल मेन्टेनेन्स कॉन्ट्रेक्ट (सीएएमसी) फॉर कम्प्यूटर बेस्ड स्काडा इक्विपमेंटस् ऑफ मैसर्स सिनर्जी सिस्टम एण्ड सॉल्यूशनस् मेक ऑफ अलवर - जयपुर-मदार एंड सवाईमाधोपुर-जयपुर - रीगंस सेक्शन ऑफ जयपुर डिविजन फॉर पीरियड ऑफ 24 मन्थस्, **अनुमानित लागत (रु):** 70,74,572.16, **बिड सिक्युरिटि राशि (रु):** 1,41,500.00, **निविदा खोलने की तिथि:** 09.09.2024. **नोट: ई-निविदा की अंतिम तिथि एवं समय:** निविदा खोलने की तिथि को 15:00बजे तक, **ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** निविदा खोलने की तिथि को 15:00बजे बाद, **सम्पूर्ण जानकारी के लिये वेबसाइट का पता:** http://www.ireps.gov.in 952-PS/24
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर www.jda.urban.rajasthan.gov.in
क्रमांक: जविप्रा/उपा/जोन-5/2024/डी-852 **आम सूचना** दिनांक: 23.05.2024
मोती भवन निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना सुरेन्द्रपाल कॉलोनी के भूखण्ड संख्या: 26 का इस कार्यालय द्वारा दिनांक 02.08.2001 को श्रीमती शकुन्तला शर्मा पत्नी श्री के.सी. शर्मा के पक्ष में क्षेत्रफल 398.67 वर्गगज का पट्टा विलेख जारी किया गया है। आवेदक श्री परितोष शर्मा पुत्र श्री कैलाश चन्द शर्मा द्वारा उक्त भूखण्ड का नाम हस्तांतरण एवं लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा जारी करने बाबत आवेदन पत्र के साथ श्रीमती शकुन्तला शर्मा का मृत्यु प्रमाण पत्र, सफरा शपथ पत्र एवं रजिस्टर्ड हक त्याग प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र व दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का नाम हस्तांतरण एवं लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा जारी करने की कार्यवाही करने के संबंध में किसी भी व्यक्ति, हितधारी, संस्था को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को इस सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिवस में प्रस्तुत कर देवें। नियत अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आवेदक के पक्ष में नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। हस्ताक्षरः उपायुक्त, जोन-5

कार्यालय उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम ग्रेटर जयपुर (नई विधानसभा के पास, लालकोठी, जयपुर)
क्रमांकः-एफ0)/न.नि.ज.ग्रेटर/मा.न.जोन/2024/1275
सार्वजनिक सूचना दिनांकः-2-8-2024
भूल भूखण्ड संख्या जे-10 हिम्मत नगर बजाज नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड) जयपुर का जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्री महेश चन्द पालीवाल पुत्रान श्री अम्बा शंकर पालीवाल के पक्ष में क्षेत्रफल 431.66 वर्गगज का पट्टा जारी किया गया। आवेदक द्वारा पट्टा मय साईट प्लान की प्रमाणित फोटोप्रति मूल आवंटी द्वारा की गयी अपंजीकृत वसीयत की फोटो प्रति, अवेदकों के मध्य पंजीकृत बंटवारानामा। एवं अन्य दस्तावेजों की छायाप्रति प्रस्तुत कर भूखण्ड का उपविभाजन श्री थानेश पालीवाल पुत्र श्री महेश चन्द पालीवाल के पक्ष में उक्त भूखण्ड का दक्षिणी हिस्सा क्षेत्रफल 215.83 वर्ग गज तथा श्री अशोक पालीवाल पुत्र श्री महेश चन्द पालीवाल के पक्ष में भूखण्ड का उत्तरी हिस्सा 215.83 वर्ग का उपविभाजन किया जाना है। इस उपविभाजन बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपयुक्त मालवीय नगर जोन कार्यालय जयपुर) में प्रस्तुत करे, अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार उपविभाजन की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त, मालवीय नगर जोन, नगर निगम ग्रेटर जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक: जविप्रा/उपा/जोन-5/2024/डी-906 दिनांक 03.06.2024
प्रस्तावित भू-उपयोग परिवर्तन आम सूचना
राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन नियम-2010 व राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन (संशोधन) नियम-2021 के प्रावधानों के अन्तर्गत निम्न भूखण्ड के आवेदक द्वारा अपनी सम्पत्ति का भू-उपयोग परिवर्तन करवाये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिनका विस्तृत विवरण जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in एवं जोन कार्यालय में देखा जा सकता है। इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति, संस्था आदि को कोई आपत्ति/सुझाव यदि हो तो 15 दिवस में मय दस्तावेज सम्बन्धित उपायुक्त जोन कार्यालय अथवा सचिव, जविप्रा को प्रस्तुत करें।

क्र. सं.	जोन	आवेदक का नाम	भूखण्ड/आवंटी का नाम	भूखण्ड संख्या	भूटा विलेख में वर्णित भू-उपयोग	योजना का नाम (गृ.नि. म.स./रिजी फ्रांटोरी योजना)	भूखण्ड क्षेत्रफल	मास्टर प्लान-2025/ योजना विकास योजना अनुसार भू-उपयोग	उपयोग विसंगत हेतु आवेदन किया गया
1.	05	श्रु. अनिता विक्रमादित्य पुत्री श्री अशोक कुमार शर्मा	श्रु. अनिता विक्रमादित्य पुत्री श्री अशोक कुमार शर्मा	123	आवासीय	भारत भवन निर्माण सहकारी समिति की योजना मोहर नगर	400.00 वर्ग गज	आवासीय	व्यावसायिक उपयोग हेतु

उपायुक्त जोन-5

कार्यालय उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम ग्रेटर जयपुर (नई विधानसभा के पास, लालकोठी, जयपुर)
क्रमांक एफ ( )/न.नि.ज. ग्रेटर/ मा. न. जोन/ 2024/1392 दिनांक 13.8.2024
सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मूल भूखण्ड सं. 337, बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर, न्यु पिंक सिटी गृह निर्माण सहकारी समिति का जयपुर विकास प्राधिकरण के द्वारा श्री अमर चन्द सरन पुत्र श्री रामेश्वर लाल को क्षेत्रफल 200 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख दिनांक 03.06.2000 को जारी किया गया था। मूल आवंटी श्री अमर चन्द सरन पुत्र श्री रामेश्वर सरन का स्वर्गवास दिनांक 05.01.2021 को हो चुका है। मृत पोद्दारी श्री अमर चन्द सरन पुत्र श्री रामेश्वर सरन के अवय वारीसान श्रीमती अशा सरन पत्नी श्री अमर चन्द सरन, श्री प्रवीण सरन पुत्र श्री अमर चन्द सरन के द्वारा भूखण्ड सं. 337, बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर, न्यु पिंक सिटी गृह निर्माण सहकारी समिति का रजिस्टर्ड हक त्याग दिनांक 13.02.2024 के द्वारा अपने पुत्र/ बाल श्री राजेश कुमार सरन पुत्र श्री अमर चन्द सरन के पक्ष/ हक में निष्पादित किया गया। श्री राजेश कुमार सरन पुत्र श्री अमर चन्द सरन के द्वारा अपवेन के सत शपथ पत्र (अण्डरटेकिंग), रजिस्टर्ड पट्टा, मूल आवंटी का मृत्यु प्रमाण-पत्र एवं रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र एवं अन्य दस्तावेजो की छायाप्रति प्रस्तुत कर भूखण्ड सं. 337, बरकत नगर, टोंक फाटक जयपुर, न्यु पिंक सिटी गृह निर्माण सहकारी समिति नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। नगर निगम ग्रेटर जयपुर के द्वारा आवेदक श्री राजेश कुमार सरन पुत्र श्री अमर चन्द सरन के द्वारा प्रस्तुत किये गये दस्तावेजो के आधार पर मूल भूखण्ड सं. 337, बरकत नगर, टोंक फाटक, जयपुर, न्यु पिंक सिटी गृह निर्माण सहकारी समिति का नाम हस्तान्तरण श्री राजेश कुमार सरन पुत्र श्री अमर चन्द सरन के पक्ष में किया जाव है। इस नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई अपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपयुक्त, मालवीय नगर जोन नगर निगम ग्रेटर) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त, मालवीय नगर जोन, नगर निगम ग्रेटर जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
कार्यालय विश्वविद्यालय अभियन्ता
निविदा सूचना संख्या 08/2024-25
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में विभिन्न कार्यो के लिये राजकीय/अर्द्ध-राजकीय विभागों के सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से विभिन्न कार्यो की कुल संख्या 09 हेतु कुल राशि रुपये 34.29 लाख की सील बन्द निविदाऐ आमंत्रित की जाती है । कार्य की अनुमानित लागत, निविदा देने एवं प्राप्त करने की दिनांक, समय एवं शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण की जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.uniraj.ac.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर उपलब्ध है, जिनका यूबीएन नम्बर URA2025WSOB00055 to 63 NIB: URA2425A0024 है ।
(यादवेद्र सिंह)
विश्वविद्यालय अभियन्ता

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, जयपुर
क्रमांक :- जसअ/2024-25/97 दिनांक: 13.08.2024
ई-निविदा सूचना क्रमांक :- 33/2024-25
नगर निगम ग्रेटर के विभिन्न कार्यो हेतु बैकहो एक्सकेवेटर लोडर मशीन आपूर्ति कार्य हेतु पंजीकृत फर्म्स से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं षर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट www.jaipurmc.org, www.sppp.raj.nic.in and www.eproc.rajasthan.gov.in पर स्टेट पब्लिक प्रोक्यूरमेन्ट के UBN No. JMC2425GLOB00444 पर देखी जा सकती है।
उपायुक्त (गैराज)
नगर निगम ग्रेटर जयपुर
राज.संवाद/सी/24/3784

स्वायत्त शासन विभाग
कार्यालय नगर पालिका, सीकरी, जिला-डीग (राज0)
Email – eonpsikri.lsg@rajasthan.gov.in Email - sikriulb.jaipur@gmail.com
पता :- मैन मार्केट पंचायत चौक, सीकरी (डीग) राज०
क्रमांकः- न.पा.सीकरी/स्टोर/2024/937 दिनांक :- 12.08.2024
निविदा सूचना - 08/2024-25
नगर पालिका सीकरी की ओर से वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु मान्यता प्राप्त उचित श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निविदा द्वारा कुल 06 कार

बजरी परिवहन के दौरान हत्या की जांच सीबीआई को देने का आदेश

- अदालत ने सी.बी.आई. को कहा है कि वह 60 दिन में मामले की जांच पूरी कर रिपोर्ट ट्रायल कोर्ट में पेश करे
- मामले में अधिवक्ता मोहित बलवदा ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट को अदालत में पेश करते हुए कहा कि गहरी चोट मौत का कारण बनी थी, परंतु राज्य सरकार की ओर से बिलकुल ही विपरीत चिकित्सकीय परामर्श जो अदालत में पेश किया गया था के अनुसार, मृतक शराब का आदि था, ऐसे में उल्टी गले में फंसने के कारण उसकी मौत हुई थी

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बजरी परिवहन के दौरान युवक की हत्या के मामले की जांच सीबीआई को सौंपी है। अदालत ने सीबीआई को कहा है कि वह 60 दिन में मामले की जांच पूरी कर रिपोर्ट ट्रायल कोर्ट में पेश करे।

जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश अभिषेक और नीरज की जमानत याचिका को खारिज करते हुए दिए। मामले में अधिवक्ता मोहित बलवदा ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट को अदालत में पेश करते हुए कहा कि गहरी चोट मौत का कारण बनी थी, परंतु राज्य सरकार की ओर से बिलकुल ही विपरीत चिकित्सकीय परामर्श जो अदालत में पेश किया गया था के अनुसार, मृतक शराब का आदि था, ऐसे में उल्टी गले में फंसने के कारण उसकी मौत हुई थी। वहीं एफएसएल रिपोर्ट भी उनके खिलाफ नहीं है।

अधिवक्ता बलवदा का कहना था कि अलग-अलग रिपोर्ट के कारण ऐसा प्रतीत होता है कि जिस चिकित्सक ने यह रिपोर्ट दी है वह बजरी माफिया से जुड़ा हुआ था। बलवदा ने यहां तक कहा कि मामले में एफआईआर भी तीन दिन बाद दर्ज की गई। वह भी तब दर्ज की जब मामले में एमएलए और एमपी ने बोलना शुरू किया।

बलवदा का कहना है कि मामले में एक क्रॉस एफआईआर भी दर्ज की गई थी जिसे सीआईडी को जांच करने को नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सीआईडी को जांच नहीं देने पर कभी कोई जवाब नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि जिस दिन से यह वारदात हुई है उस दिन से मृतक जो एससी-एसटी समाज के हैं उन पर दवाब बनाया जा रहा है कि वे मामला वापस ले लें और बजरी माफिया के साथ समझौता कर मुआवजा की राशि ले लें। उन्होंने कहा कि क्योंकि इस मामले में बजरी माफिया/बजरी लीज हॉल्डर प्रभावशाली लोग हैं इसलिये वो मामले की जांच को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिये इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी जाये।

राज्य स्तरीय टीम ने किया प्रदेशभर में औषधि भण्डार गृहों का निरीक्षण

जयपुर। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन के अधीन संचालित समस्त जिला एवं मेडिकल कॉलेज औषधि भण्डार गृहों का 13 एवं 14 अगस्त को राज्य स्तर से गठित टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि के निर्देशन में अधिकारियों ने सभी संभाग एवं संबंधित जिलों में औषधि भण्डार गृहों का निरीक्षण किया।

गिरि ने बताया कि राज्य स्तर से गठित टीम के इन अधिकारियों ने भण्डार गृहों में जल भराव, सीलन, साफ-सफाई एवं नवीन निर्माण की वस्तुस्थिति का जायजा लिया। साथ ही, भण्डार गृहों के अधिकारी, कर्मचारी, पैकर्स एवं अन्य कार्मिकों की उपस्थिति, संबंधित जिलों में जलजनित बीमारियों के उपचार में उपयोग में आने वाली दवाओं की उपलब्धता आदि की स्थिति का गहन निरीक्षण किया। प्रबंध निदेशक ने बताया कि प्रदेशभर में तेज बारिश के दृष्टिगत औषधि भण्डार गृहों में दवाओं के रख-रखाव की स्थिति की जांच करने के साथ ही इन अधिकारियों ने मौसमी बीमारियों को देखते हुए दवाओं की उपलब्धता एवं आपूर्ति की जानकारी भी ली और औषधि भण्डार गृहों के अधिकारियों एवं कार्मिकों आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान राज्य स्तर से गए अधिकारियों ने औषधि भण्डार गृह के परिसर में हरियालो राजस्थान के तहत पौधारोपण भी किया। उल्लेखनीय है कि निरीक्षण के लिए विशेषाधिकारी राजेन्द्र सिंह को जोधपुर, कार्यकारी निदेशक (प्रोक्योरमेन्ट) हरीश लालवानी को उदयपुर, कार्यकारी निदेशक (वित्त) राजू सूद को अजमेर, कार्यकारी निदेशक (लॉजिस्टिक) डॉ. कल्पना व्यास को दौसा, कार्यकारी निदेशक (ईपीएम) आकाश आल्हा को कोटा, अतिरिक्त निदेशक (आईटी) विक्रम सिंह सांखला को पाली, एजीएम लॉजिस्टिक डॉ. रोहित कुमार मीणा को बांसवाड़ा, एडीसी गुणवत्ता नियंत्रण डॉ.अशोक गुणावत को बीकानेर, औषधि नियंत्रण अधिकारी दीपक शर्मा को सीकर एवं स्टेट नोडल ऑफिसर इन्वेंट्री मैनेजमेंट डॉ. प्रेमसिंह को जयपुर संभाग आवंटित किया गया था। इन अधिकारियों ने जोनल हैडक्वार्टर पर स्थित जिला एवं मेडिकल कॉलेज औषधि भण्डार गृह के साथ ही संभाग के अन्य जिला भण्डार गृह का भी निरीक्षण किया।

राजस्थान पुलिस व आइडियाफोर्ज ने किया जयपुर में ''ड्रोन टेक्नोलॉजी'' का प्रदर्शन

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान पुलिस ने प्रमुख ड्रोन टेक्नोलॉजी कंपनी, आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी लिमिटेड के साथ साझेदारी में, 14 और 15 अगस्त को जयपुर की जनता कॉलोनी, पुलिस लाइन में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस दौरान, स्वतंत्रता दिवस मनाने के साथ उन उत्कृष्ट सेवाएँ देने के एवज में राजस्थान पुलिस पायलट्स का सम्मान भी किया गया। विगत छह वर्षों में, इन समर्पित पायलट्स ने विभिन्न अभियानों में 50 से अधिक आइडियाफोर्ज ड्रोन्स का उपयोग किया, जो सार्वजनिक सुरक्षा और सरकारी सेवा के प्रति उनके अटूट समर्पण को दर्शाता है। बुधवार को इस आयोजन की शुरुआत एक शानदार ड्रोन शो के साथ हुई, जिसमें खोज और बचाव अभ्यास के तहत अत्याधुनिक लंबी दूरी के ड्रोन, उन्नत नेत्र वी4 प्रो की बेहतर क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद, राजस्थान पुलिस ने फोर्स के भीतर एक सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया, जिसमें समृद्ध विरासत और प्रतिभाओं का जीवंत प्रदर्शन शामिल था। कार्यक्रम में यह दिखाया गया कि नेत्र वी4 प्रो व्यावहारिक पुलिसिंग में उन्नत तकनीक का उपयोग कैसे करता है। इसके साथ ही, आधुनिक पुलिसिंग में नई तकनीक के सफल उपयोग पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के समापन के समय एक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान, पायलट्स को उनके योगदान और लोगों की भलाई के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग करने के समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। 15 अगस्त को, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और समारोह को राजस्थान पुलिस के फेसबुक और यूट्यूब चैनल्स पर लाइव स्ट्रीम किया जायेगा तथा नेत्र वी4 प्रो ड्रोन का शो भी होगा और पायलट्स की उत्कृष्ट सेवा के लिए उनका सम्मान किया जायेगा।

मरीज ने महिला डॉक्टर से की मारपीट

जयपुर। लाल कोठी थाना इलाके में एक मरीज ने सांगानेरी गेट महिला चिकित्सालय में डॉक्टर से मारपीट की। मारपीट करने वाला मरीज पेट दर्द होने पर हॉस्पिटल आया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद पुलिस ने नौशाद पत्नी रिजवान के खिलाफ मामला दर्ज कर इसकी जांच शुरू कर दी है। सीआई श्रीनिवास जांगिड़ ने बताया कि महिला चिकित्सालय सांगानेरी गेट में 12 अगस्त को डॉक्टर पूजा वर्मा की ड्यूटी थी। पेट दर्द की शिकायत होने पर वह हॉस्पिटल पहुंची। यहां डॉक्टर पूजा वर्मा चेकअप कर रही थी। इसी दौरान महिला मरीज ने डॉक्टर से मारपीट शुरू कर दी। इस झगड़े की जानकारी मिलने पर अन्य सीनियर डॉक्टर भी वहां पहुंचे। इस पर डॉक्टर पूजा ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। इस मामले में हॉस्पिटल कर्मचारी रवि कलोसिया की ओर से मरीज के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है।

न्याय की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक, 2 घंटे बाद नीचे उतारा

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय के पास बुधवार को एक न्याय की मांग को लेकर युवक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। जानकारी मिलने पर पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। मामला सुबह 11 बजे का है। करीब 2 घंटे की समझाइश के बाद युवक दोपहर 1 बजे नीचे उतरा। वह अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग कर रहा था। इस घटना के बाद विधायकपुरी थाने में नंदलाल (34) पुत्र रथमल प्रजापति निवासी फतेहपुर सीकर से पूछताछ की जा रही है। विधायकपुरी थाना सीआई शेषकर्ण चारण ने बताया कि युवक नंदलाल के खिलाफ सीकर के फतेहपुर में वर्ष 2022 में अपहरण और पॉक्सो एक्ट में एफआईआर हुई थी। इसके बाद कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया था। एक साल जेल में रहने के बाद वह बाहर आया और उस ने पुलिस को अपने बेगुनाह होने के सबूत दिए। बुधवार को नंदलाल अपने बेगुनाही के सबूत लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ा। नंदलाल ने बताया कि उस के खिलाफ जो अपहरण और पॉक्सो एक्ट में एफआईआर दर्ज हुई थी वह गलत है। फतेहपुर थाना पुलिस ने उस के खिलाफ दर्ज केस की सही जांच नहीं की, नहीं तो उसे जेल नहीं जाना पड़ता। अब वह उन जांच अधिकारी जिस ने उस के खिलाफ दर्ज झूठे केस की जांच सही नहीं की थी, उस पर कार्रवाई की मांग की हैं। नंदलाल ने विधायकपुरी पुलिस को कई सबूत दिखाए, जिस से वह बेगुनाह साबित हो रहा है। पुलिस ने लिखित में एक रिपोर्ट ली है, जिस में नंदलाल ने मोबाइल टावर पर चढ़ने की वजह लिखी है।

पेपर लीक मामले में 3 जेल प्रहरी गिरफ्तार

- जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा-2018 प्रकरण में पूर्व में 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।
- एसओजी ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर 19 अगस्त तक पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है।

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा 2018 की परीक्षा आरम्भ होने से पूर्व पेपर लीक कर उत्तर कुंजी द्वारा नकल कराने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस प्रकरण में पूर्व में 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एसओजी ने इन आरोपियों को कोर्ट में पेश जहां उन्हे 19 अगस्त तक पुलिस रिमांड पर सौंपा है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस एवं एसओजी वीके सिंह ने बताया कि जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा 2018 की परीक्षा में पेपर लीक कर उत्तर कुंजी से नकल करवाने के मामले में एसओजी थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है। इस प्रकरण में पूर्व में 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस प्रकरण में बाद जांच के दौरान आपराधिक भूमिका पाए जाने पर हरेन्द्रसिंह निवासी नगला गुठाकर पोस्ट समराया पुलिस थाना वैर जिला भरतपुर हाल जेल प्रहरी जिला कारागृह दौसा, दीपक मेहता निवासी गांव गुगड़िया पोस्ट बसई थाना बहरोड़ सदर जिला कोटपुतली-बहरोड़ हाल जेल प्रहरी उप कारागृह बहरोड़ हाल जेल ट्रेनिंग सेन्टर अजमेर और योगेश कुमार निवासी मंडलाना पोस्ट धरसून पुलिस थाना नारनोल जिला महेन्द्रगढ़, हरियाणा हाल जेल प्रहरी उप कारागृह कोटपुतली को गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा अक्टूबर 2018 में ऑनलाइन आयोजित की गई थी। इस भर्ती परीक्षा में नकल माफिया द्वारा परीक्षा आरम्भ होने से पूर्व प्रश्न पत्र और उत्तर कुंजी से अभ्यर्थियों को तैयारी करवाकर अनुचित तरीके से जेल प्रहरी के रूप में चयन करवाया। आरोपी हरेन्द्रसिंह, दीपक मेहता एवं योगेश कुमार अनुचित तरीके से परीक्षा आरम्भ होने से पूर्व प्रश्न पत्र और उत्तर कुंजी पढ़कर चयनित हुए है। आरोपी हरेन्द्र सिंह को जिला कारागृह दौसा, दीपक मेहता को जेल ट्रेनिंग सेन्टर, अजमेर एवं योगेश कुमार को उप कारागृह कोटपूतली से दस्तयाब कर बाद अनुसंधान कर गिरफ्तार किया गया।

चिकित्सा मंत्री ने ''राजस्थान डिजिटल हैल्थ मिशन' का शुभारंभ किया

मौसमी बीमारियों के प्रबंधन के लिए स्टेट वार रूम गठित होगा

जयपुर, (का.सं.)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में चिकित्सा तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए तकनीक का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित कर रही है। इस दिशा में चिकित्सा विभाग ने बजट घोषणा के अनुरूप प्रदेश में आज से राजस्थान डिजिटल हैल्थ मिशन का शुभारम्भ किया है। इससे चिकित्सा तंत्र ऑनलाइन होगा और रोगियों के लिए उपचार लेना अधिक सुगम होगा। चिकित्सा मंत्री ने इस दौरान अधिक बारिश से उत्पन्न स्थितियों एवं मौसमी बीमारियों की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

चिकित्सा मंत्री बुधवार को स्वास्थ्य भवन में राजस्थान डिजिटल हैल्थ मिशन का शुभारम्भ एवं मौसमी बीमारियों की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने मिशन के शुभारम्भ अवसर पर अतिरिक्त मिशन निदेशक अरूण गर्ग, सुरक्षा गार्ड प्रेम सिंह एवं सफाई कर्मी राकेश कुमार को आभा आईडी कार्ड प्रदान किए। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में बारिश का दौर चल रहा है। कई स्थानों पर अधिक बारिश होने से जलभराव आदि की समस्याएं भी उत्पन्न हुई हैं। साथ ही, इससे मौसमी बीमारियों के बढ़ने का भी खतरा है। इसे देखते हुए सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। खींवसर ने कहा कि मौसमी बीमारियों एवं बारिश से उत्पन्न स्थितियों की नियमित मॉनिटरिंग एवं प्रभावी प्रबंधन के लिए राज्य स्तर पर वार रूम की स्थापना की जाए। यह वार रूम मौसमी बीमारियों के प्रसार को नियंत्रित करने, दवा, जांच एवं उपचार आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही आपात स्थितियों के लिए आवश्यक तैयारी रखे। उन्होंने राज्य एवं जिला स्तर पर नियंत्रण कक्षों को भी और सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया। उन्होंने संभाग एवं जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद करते हुए मौसमी बीमारियों की स्थिति की जानकारी ली और सजगता के साथ आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सिंह ने मौसमी बीमारियों पर प्रभावी रोकथाम के लिए नियंत्रण कक्ष में आने वाले कॉल्स की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र से अधिक कॉल आएं वहां विशेष इंतजाम सुनिश्चित करें। साथ ही, आपातकालीन सेवाओं को सुदृढ़ बनाते हुए रेस्पॉन्स टाइम न्यूनतम किया जाए। उन्होंने मौसमी बीमारियों के प्रबंध में लापरवाही करने वाले अधिकारियों एवं कार्मिकों को 17 सीसीए के तहत नोटिस देने के निर्देश दिए। सिंह ने चांदीपुरा वायरस को लेकर भी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे बचाव के लिए पशुपालन विभाग से भी आवश्यक सहयोग लिया जाए एवं व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएं।

राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने बताया कि मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए 69 दवाएं चिन्हित कर उनकी पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। दवाओं का पर्याप्त बफर स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि बारिश को देखते हुए राज्य स्तर से 11 टीमों का गठन कर औषधि भण्डार गृहों का निरीक्षण करवाया जा रहा है। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने प्रदेश में मौसमी बीमारियों की स्थिति एवं इसके नियंत्रण के लिए उठाए जा रहे कदमों एवं नवाचारों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम श्री अरूण गर्ग, निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीत राणावत, अतिरिक्त निदेशक ग्रामीण स्वास्थ्य डॉ. प्रवीण असवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सार-समाचार

समाज रत्न से 19 विभूतियाँ सम्मानित

जयपुर। राजस्थान जन मंच ट्रस्ट और परमार्थ एवं आध्यात्मिक समिति की और से बुधवार को यहाँ चैम्बर भवन के भैंरोंसिंह शेखावत सभागार में आयोजित एक भव्य समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए समाज सेवी आरके अग्रवाल को समाज रत्न शिरोमणि तथा 19 अन्य जनों को समाज रत्न से सम्मानित किया गया। सम्मानितों में रवि खत्री पक्षी सेवा, अरुण किम्मतकर सांस्कृतिक, जगदीश नारायण मीणा अंगदान, डॉ केएम शर्मा उपभोक्ता संरक्षण, कमल नानूवाला समाज संगठन, कैलाश चंद शर्मा चित्रकला, डॉ केशव शर्मा शिक्षा, कोमल गौतम खेल, डॉ ओम प्रकाश मिश्रा पेंटिंग, कविता सक्सेना अंत्योदय, प्रमोद जैन चौरडिया समाज सेवा, राधे श्याम परवाल समाज सेवा, शकुंतला टेलर साहित्य, संतोष विजयवर्गीय नारी सशक्तिकरण, राम प्रताप सैनी मानव कल्याण रोहित विजयवर्गीय समाज संगठन, श्याम सुन्दर स्वर्णकार चिकित्सा सेवा, ताराचंद बुगालिया पर्यावरण संरक्षण, विनोद कुमार जांगीड़ चन्दन कलाकारी शामिल है। राजस्थान जन मंच ट्रस्ट के अध्यक्ष भगवान गट्टानी, कार्यकारी अध्यक्ष अभय नाहर, उपाध्यक्ष डॉ रेखा जैन, महा सचिव कमल लोचन, परमार्थ एवं आध्यात्मिक समिति के संरक्षक आरके अग्रवाल, अध्यक्ष श्याम विजय ने साफा और दुपट्टा पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह आदि प्रदान कर सम्मानित किया। ऋतु लोचन ने सभी का परिचय दिया। इस अवसर पर परमार्थ एवं आध्यात्मिक समिति के सचिव श्याम विजय ने समिति के विभिन्न क्षेत्रों में सेवाभावी कार्यों की जानकारी दी। राजस्थान जन मंच ट्रस्ट के महासचिव कमल लोचन ने आयोजन विषयक जानकारी देते हुए बताया कि समाज रत्न के लिए देशभर से 322 प्रविष्टियां प्राप्त हुई थी जिनमें से 18 लोगों का चयन किया गया। समारोह में युवा विंग के निहित रस्तोगी, अमोलक बैरवा तथा सौम्यता लोचन सहित में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्त्ता और प्रमुख नागरिक उपस्थित थे।

देवनानी अर्पित करेंगे पुष्प चक्र

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने 78वें स्वतन्त्रता दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। देवनानी ने देश को आजादी दिलाने वाले सभी स्वतन्त्रता सेनानियों का स्मरण करते हुए कहा है कि गर्व और समर्पण के साथ राष्ट्र के प्रति दायित्वों का निर्वहन करके स्वतन्त्रता सेनानियों के सपनों को साकार करें। विधानसभा में झण्डारोहण स्पीकर वासुदेव देवनानी राजस्थान विधानसभा में स्वतंन्त्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को प्रात: 8:15 बजे झण्डारोहण करेंगे। राजकीय आवास पर झण्डारोहण स्पीकर देवनानी सिविल लाईन स्थित अपने राजकीय आवास पर भी प्रात: 7:30 बजे झण्डारोहण करेंगे। देवनानी ने प्रात: 8:45 बजे यहाँ जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति पर पुष्प चक्र अर्पित कर स्वतंन्त्रता सेनानियों को नमन करेंगे।

रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल जारी

जयपुर। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी और हत्या के विरोध में एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर के रेजीडेंट्स डॉक्टर्स का विरोध और कार्य बहिष्कार जारी है। जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स इंडिया के अध्यक्ष डॉ मनोहर सियोल का कहना है कि कोलकाता में जो घटना हुई उससे लगता है कि आज देश में महिला चिकित्सक सुरक्षित नहीं हैं। ऐसे में हमारी मांग है कि केंद्र सरकार चिकित्सकों की सुरक्षा को सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट को लागू करें और जब तक इस एक्ट को लागू करने को लेकर कोई ठोस आश्वासन नहीं मिलेगा, तब तक कार्य बहिष्कार जारी करेगा। रेजीडेंट्स का कहना है कि वो नहीं चाहते कि चिकित्सक कार्य बहिष्कार करें, लेकिन मजबूरन उन्हें ये कदम उठाना पड़ रहा है। उधर, रेजीडेंट्स की स्ट्राइक का असर दिखने लगा है। एसएमएस व अन्य बड़े अस्पतालों में इस समय मरीजों को सीनियर डॉक्टर दवाई देकर इलाज किया जा रहा है। मरीजों को कम से कम भर्ती किया जा रहा है। सिर्फ अति गंभीर मरीजों को भर्ती किया जा रहा है। एसएमएस अस्पताल, जनाना अस्पताल, जेके लोन, गणगौरी अस्पताल, जयपुरिया व मेडिकल कॉलेज से संबंधित अन्य अस्पतालों में मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर 'रन अप' सम्मेलन का आयोजन

किसान साथी एप से घर बैठे ही सिंचाई जल की उपलब्धता की मिलेगी जानकारी : रावत

जयपुर, (का.सं.)। प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त के उपलक्ष्य में आज जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में जल संसाधन विभाग, राजस्थान और जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा श्टचिंग लाइव्स वाइल टचिंग द मून इंडियास स्पेस सागाश् थीम पर एक दिवसीय रन अप सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत एवं विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार ने इस अवसर पर पार्वती बांध, धौलपुर के कमांड क्षेत्र के काश्तकारों के लिए तैयार किए गए किसान साथी एप का लोकार्पण किया।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए रावत ने कहा कि किसान साथी एप पार्वती बांध के कैचमेंट एरिया के किसानों को पानी की उपलब्धता और आपूर्ति के बारे में विश्वसनीय जानकारी प्रदान करेगा। इससे पार्वती सिंचाई परियोजना के 786 वर्ग किलोमीटर कमांड क्षेत्र के 132 गांव के लगभग 72 हजार किसान लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के माध्यम से इस एप द्वारा किसानों को घर बैठे ही जल की उपलब्धता की जानकारी मिल सकेगी और इससे सिंचाई जल के समुचित उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी बांधों को किसान साथी एप के माध्यम से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा, जिससे प्रदेश के सभी किसान लाभान्वित हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा नवाचार करते हुए मार्च माह में बड़े बांधों और नहरों के डिजिटलीकरण के लिए डैशबोर्ड का लोकार्पण भी किया गया था।

रावत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग के दिन को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाए जाने के प्रधानमंत्री के फैसले से भावी पीढ़ी इस दिन को सदैव याद रखेगी और प्रेरणा प्राप्त करेगी। उन्होंने कहा कि इसरो के वैज्ञानिकों के अथक परिश्रम और प्रयासों से चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान पहुंचाने वाला विश्व का पहला देश भारत है और यह हमारे लिए गौरव की बात है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार ने कहा कि स्पेस टेक्नोलॉजी के उपयोग से भूजल एवं सतही जल के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के माध्यम से किसान साथी एप के जरिए किसानों और जल संसाधन विभाग के बीच एक प्रभावी संचार लिंक स्थापित किया गया है।

इस दौरान जल संसाधन विभाग द्वारा जयपुर शहर के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित की गई क्विज एवं पेंटिंग प्रतियोगिता के जूनियर एवं सीनियर वर्ग के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। उद्घाटन सत्र को इसरो वैज्ञानिक सागर सांलुखे और जल शक्ति मंत्रालय के वरिष्ठ संयुक्त आयुक्त कुशाग्र शर्मा ने भी संबोधित किया। मुख्य अभियंता जल संसाधन डी आर मीणा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

Indian Independence Day

On Indian Independence Day, the streets come alive with the vibrant colours of its flag, saffron, white, and green. This day marks the culmination of a long struggle for nation's independence from British rule. The journey was not easy and was filled with sacrifices, resilience, and an indomitable spirit. The real momentum in the fight against the British happened in the early 1900s century, under leadership of Mohandas Karamchand Gandhi. The ultimate success of these efforts came at midnight on 15th August 1947, with India declared independent of their British rulers.

Ghadar Was A Reality...

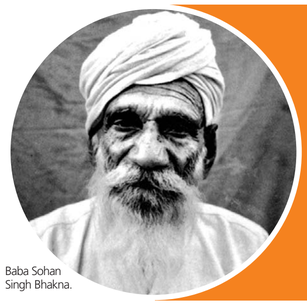

Baba Sohan Singh Bhakna.

"Bangkok began receiving large numbers of *Ghadarwallah*," Azharudin wrote. "For example, in August 1915, 12 revolutionaries arrived from America, some of them were labelled 'most dangerous to the Indian Government.' They were starting to organise a force of between 600 to 700 Indians and hoped to recruit many more in Siam for the purpose of creating a rebellion in India."

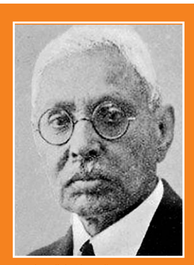

Barakatullah Bhopali.

Sohan Singh Bhakna, second from the right, was arrested and jailed for his role in the Ghadar Party's abortive revolt against British rule in India.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

The *Ghadar Movement* of 1913-18 was one of the early but ultimately unsuccessful attempts of a group of Indians to overthrow the British Raj. What makes this movement particularly outstanding among Indian freedom struggles was its extensive 'transnational/transregional' terrain of operation. This movement was initiated by several intellectual expatriate Indians in the Pacific West Coast and joined by thousands of overseas Indians, living in multiple diasporas around the Indo-Pacific region. San Francisco, Tokyo, Hong Kong, Shanghai, Manila, Singapore, and some parts of Thailand, British Malaya, Burma, and Sri Lanka were among the major sites where their networks and activities existed. During the First World War (WWI), these Indians turned themselves into armed revolutionaries, setting up armed revolts in India and neighbouring regions. Like many other cases of Indian extremists, who did not conform to Gandhi's non-violent methods, the story of the *Ghadar* has received fairly little attention in the mainstream history of modern India.

Nine months after Britain entered the First World War, its vast intelligence network received inputs of the possibility of mass mutinies by Indian servicemen. According to these intercepts, Germany and the Ghadar Party had hatched an insidious plot whereby armed revolutionaries would enter India from Siam (now Thailand), and encourage Indian army personnel to revolt and seize power from the colonial authorities.

Several members of the Ghadar Party had already arrived in Siam, British intelligence was warned. The next step in their plan was to sneak into Burma, which was then a province of British India. Alarmed by these reports, the British conducted a caste and ethnicity-wise headcount of non-European personnel in the Burma Military Police. It turned out that the force had a total of 15,864 Indian officers and soldiers armed with Martini-Henry rifles. Of these, 3,942 were *Sikhs*, 2,644 were *Punjabi Muslims* and 1,212 were so-called *Hindustani Mohammedans*. The military authorities probed if there was any discontent among these groups, considered by them to be the most likely to mutiny. The answer was ambivalent. "No one can foretell with certainty the feelings and actions of Indians of the martial classes, serving far away from their homes at the present time," Charles Cleveland, director of Criminal Intelligence, wrote in a note to the Burma Government in June 1915. "The great majority of the Sikhs in the Far East, not in the army, have been very badly corrupted by the doctrines of the Ghadar Party, and the sporadic instances, that we have seen of similar corruption among Sikhs of the Indian Army in India, are certainly not conducive to over confidence."

The Independent Hindustan, a periodical published by the Ghadar Party. Credit: Wikimedia Commons (Public Domain).

The cover of a collection of Ghadarite poems published in 1913. Credit: Wikimedia Commons (Public Domain).

> Several members of the Ghadar Party had already arrived in Siam, British intelligence was warned. The next step in their plan was to sneak into Burma, which was then a province of British India. Alarmed by these reports, the British conducted a caste and ethnicity-wise headcount of non-European personnel in the Burma Military Police. It turned out that the force had a total of 15,864 Indian officers and soldiers armed with Martini-Henry rifles. Of these, 3,942 were *Sikhs*, 2,644 were *Punjabi Muslims* and 1,212 were so-called *Hindustani Mohammedans*. The military authorities probed if there was any discontent among these groups.

"Ghadar was a corruption," say the British

Cleveland felt this "corruption" had reached the Indian Muslim personnel in the 5th Light Infantry in Singapore as well. He sounded a word of caution. "One can easily understand the joy and confidence with which our enemies' agents in Siam would work at a scheme for raising trouble in Burma," he said, adding that while there was no cause for immediate anxiety in Burma, the British Minister in Siam needed to take action against Indian revolutionaries there. Siam, and its capital, in particular, were seen as a trouble spot for the British, whose main worry, at the time, was the war in Europe. "I had some talk today with Brigadier General Haughton, who has just returned from Singapore," Alfred Hamilton Grant, a civil servant, wrote in a note to Cleveland. "He says that, from information which he received in Singapore, he has reason to believe that Bangkok is a hotbed of Indian sedition, and is fast becoming the headquarters of the revolutionary movement in the Far East."

#FORGOTTEN HISTORY

Smuggling Arms was another concern

Another concern for the British was that members of the Ghadar Party, which was formed by Indians in the United States in 1913, would smuggle in arms from the porous Siam-Burma border and recruit civilians for a revolution. The authorities in Burma received intelligence that 500 Sikhs from the US and the Far East had set up a camp near Raheng in the Thai province of Tak. "Attempts are being made at passing pamphlets of a very seditious nature into Burma and at Myawadi, one parcel has been seized," the General Commanding officer of the Burma Division wrote in a note to the Chief of Staff in Shimla.

Ghadar was a threat

When the First World War broke out, Siam, which hosted a sizable community of expatriates from Britain, France, Germany and the Austro-Hungarian Empire, chose to stay neutral. At the same time, though, both King Rama VI, who studied law and history at Oxford, and Foreign Minister, Devawongse Varoprakar, were positively disposed towards the British.

Komaganta Maru- The Voyage of the Damned.

It was not hard to see the goodwill between the nations. British officers were helping modernise the Siamese civil services as well as the police. In 1915, the Commissioner of the Siamese Police was a Briton by the name of E. W. Trotter, who had previously served as an inspector in Burma.

The British authorities in India told Trotter to keep an eye on the activities of 'disaffected Indians' in Siam and gave him a grant of 500 ticals (about Rs. 580) for the job. They were, however, still not sure of the extent of danger that the Ghadar revolutionaries in Bangkok posed to the colonial regime in India. David Petrie, a policeman, was asked to assess the situation. He had lived in India for 26 years and later became the Director-General of the spy agency, MI5, was sent to Bangkok. In 1915, it took 14 days to reach the Thai capital from Calcutta by steamer as the ship would go via Singapore and halt in the city for three days.

"According to my idea, Mr. Petrie's mission is to pick up information as to the Indian situation in the F.M.S. (Federated Malay States), Siam and Dutch Indies, which the Government of India is frequently called on, to diagnose and advice upon, to see the local British officials and help them in any way possible with Indian information, and in particular to see what can be done about the request made by our Minister at Bangkok for a secret agent to keep him informed of local Indian plots," Cleveland wrote in a note.

Petrie was also told to approach the Singapore authorities and ask them to temporarily detain the Ghadar members, who were to be deported from Bangkok. The British wanted to question the revolutionaries within their territorial jurisdiction before repatriating them to Calcutta.

A road in Bangkok, circa 1910s-1920s. Bangkok was an ideal place for an Indian revolutionary in 1915. Credit: Wikimedia Commons (Public Domain).

> The men were tried and sentenced in India. Not much is known about most of them after they served their sentence. The government website, commemorating 75 years of Indian independence, makes a brief mention of Chenchaiah. It says that he spent eight out of his 36 years in public life in prison and that he was a well-known writer. After these arrests, the British Legation in Siam asked the local authorities to intercept issues of the Ghadar newspaper that found its way to Bangkok via other Asian ports. British agents continued to try and dismantle the Ghadar network in other parts of Siam, such as in Chiang Mai, relying on intelligence.

The headquarters of the Ghadar party.

The Bangkok Operations

A tough task awaited the British in Bangkok. "The establishment of Ghadar branches in Siam was divided into three geographical sections," Azharudin Mohamed Dali wrote in a 2002 paper titled, *The Ghadar Movement in Southeast Asia, 1914-18*. The movement's main centres were Chiang Mai in the north, Phuket in the south and Bangkok, "which acted as the focal point." In 1915, Bangkok was an ideal place for an Indian revolutionary. There were no restrictions to enter or live in Siam, and because of this policy, members of several Indian communities had set up shop in the country. In this melting pot, an Indian revolutionary, coming in from the US, could easily blend into his community, making it difficult for British officers to track him despite the control that they exercised over the local police. "Bangkok began receiving large numbers of *Ghadarwallah*," Azharudin wrote. "For example, in August 1915, 12 revolutionaries arrived from America, some of them were labelled 'most dangerous to the Indian Government.' They were starting to organise a force of between 600 to 700 Indians and hoped to recruit many more in Siam for the purpose of creating a rebellion in India." Indian businessmen in Bangkok were more than happy to help the revolutionaries in whatever way they could. The British knew this too.

"The Bangkok branch provided all the necessary information to the Ghadarwallah who arrived in Siam," Azharudin wrote. "Indar Singh provided food, Nihal Singh provided accommodation, and Gopal Das and Surti were responsible for the transportation of provisions to a *jungle* plantation near Muang Sing on the Siam-Burma frontier, where the Ghadarwallah were to have established themselves before continuing their journey."

The Main Leaders

The two main leaders of the Bangkok plot to launch a revolution from Burma were Darisi Chenchaiah and Sukumar Chatterji. The duo had met as students at the University of Berkeley in the US, where both of them were members of the Nalanda Club.

From Cleveland's notes, it is obvious that the British were monitoring the activities of Chenchaiah for over a year. "Attended the dinner given at 1936, Bonita Avenue, Berkeley, on 16th January 1914, under the auspices of the *Yugantar Ashram* in honour of Ram Chandra Peshawari taking over the editorial responsibilities of the *Ghadar newspaper*, and also at the meeting convened by the *Hindustan Association* on 21st February 1914, at which Tarak Nath Das gave a seditious lecture entitled '*The Regeneration of India*,'" he wrote.

Apart from Chenchaiah and Chatterji, another important Ghadar leader who arrived from the US was Jodh Singh. Living under the alias Hassan Zade and by cutting his hair, he was able to prevent the British from gathering any credible information about him. They could not even know that he was a Sikh.

Three other men from China joined the revolutionaries in Siam, with the backing of German businessmen in Shanghai, Shib Dayal, Balwant Singh and Thakur Singh.

After being briefed by David Petrie, Commissioner Trotter began to put immense pressure on the Bangkok police. In August 1915, five of the leading Indian revolutionaries were arrested. One of them went by the name of S. D. Kapoor but the British believed that it was Dayal. The others were Thakur Singh, Zade, Chenchaiah and Chatterjee.

"I venture to think that our officials at Bangkok have done a most excellent piece of work in procuring the arrest of these dangerous revolutionaries, and, probably, the Foreign Department will say something to this effect in answering their telegrams," Cleveland wrote in a note. "We shall be very glad to receive all these arrested Indians under custody from Siam via Singapore."

The men were tried and sentenced in India. Not much is known about most of them after they served their sentence. The government website, commemorating 75 years of Indian independence, makes a brief mention of Chenchaiah. It says that he spent eight out of his 36 years in public life in prison and that he was a well-known writer.

After these arrests, the British Legation in Siam asked the local authorities to intercept issues of the Ghadar newspaper that found its way to Bangkok via other Asian ports.

British agents continued to try and dismantle the Ghadar network in other parts of Siam, such as in Chiang Mai, relying on intelligence that German factories and businesses were continuing to provide financial and logistical assistance to Indian revolutionaries.

Once Siam entered the First World War in September 1917, on the side of the Allied powers, the finances for Indian revolutionaries in the country dried up, while the Germans living there were interned and deported to India. Diaspora groups, however, continued to support the Indian freedom struggle in many other ways until India attained independence in 1947.

rajeshsharma1049@gmail.com

#TRENDING

Independence Day 2024: Wishes, inspiring messages & quotes

This day is a momentous occasion to honour the sacrifices of those who fought for India's independence

India's *Independence Day*, observed annually on August 15th, marks the day in 1947, when the country gained freedom from British rule. This day is a momentous occasion to honour the sacrifices of those who fought for India's independence, reflecting on the progress made since then, and contemplating the nation's future. Independence Day is celebrated with great enthusiasm across India, featuring parades, cultural performances, and decorations in the national colours of saffron, white, and green. Public buildings, schools, and homes are adorned with flags, flowers, and balloons, while communities come together to enjoy patriotic songs, traditional foods, and various events that highlight India's rich heritage.

Independence Day 2024: Wishes and Messages

To enhance the celebration, here is a specially curated collection of top wishes, messages, and inspirational quotes to share with loved ones!

- "Happy Independence Day! May our nation continue to shine bright and lead with unity and pride."
- "Wishing you a joyful Independence Day filled with pride and happiness for our great nation!"
- "May the spirit of freedom bring you joy and success today and always. Happy Independence Day!"
- "On this special day, let's remember our heroes and celebrate the freedom they fought for."
- "Happy 15th August! May our country always thrive with peace and prosperity."
- "Here's to celebrating our nation's independence and the freedom we cherish. Have a wonderful day!"
- "May this Independence Day bring you joy and remind you of the strength and unity of our nation."
- "Wishing you a day filled with celebration and pride in our beautiful country. Happy Independence Day!"
- "Let's honour the sacrifices made for our freedom and enjoy the blessings of independence."
- "May the flag of our nation always fly high and inspire us. Have a great Independence Day!"
- "Happy Independence Day! May the spirit of freedom fill your heart with joy and pride."
- "Celebrating our freedom and the heroes who made it possible. Wishing you a Happy 15th August!"
- "Here's to a day of reflection and celebration of our nation's freedom and achievements."
- "May our independence always be a source of joy and unity. Happy Independence Day!"
- "Let's celebrate the courage of our forefathers and the freedom we enjoy today. Happy 15th August!"
- "Wishing you a day of pride and joy as we celebrate our nation's independence."
- "May this Independence Day inspire us to uphold the values of freedom and unity."
- "Happy Independence Day! Let's celebrate our rich heritage and the freedom we hold dear."
- "Here's to celebrating the strength and unity of our nation on this special day."
- "May our country's independence be a constant reminder of the freedom we enjoy and the responsibilities we hold."

On Independence Day, people often reflect on the sacrifices made for freedom and the progress that India has achieved since 1947. Here are some more thoughtful messages!

- "As we celebrate our independence, let's renew our commitment to a united and prosperous future for all."
- "Independence Day is a reminder of the sacrifices made for our freedom and a chance to appreciate the liberty that we enjoy today."
- "Let's come together to celebrate our nation's achievements and work towards a brighter and more inclusive future."
- "May the spirit of Independence Day inspire us to strive for peace, justice, and unity in our country."
- "On this day of freedom, let's reflect on our progress and set our sights on a future of growth and harmony."
- "Independence Day is a time to celebrate our country's resilience and to commit ourselves to its continued success."

Inspirational quotes by renowned leaders also hold a special place in the hearts of many. Here are some memorable quotes!

- "Forget not that the grossest crime is to compromise with injustice and wrong. Remember the eternal law: you must give if you want to get." **- Netaji Subhash Chandra Bose**
- "Let new India arise out of peasants' cottage, grasping the plough, out of huts, cobbler and sweeper." **- Swami Vivekananda**
- "Freedom is never dear at any price. It is the breath of life. What would a man not pay for living?" **- Mahatma Gandhi**
- "A country's greatness lies in its undying ideals of love and sacrifice that inspire the mothers of the race." **- Sarojini Naidu**
- "The shots that hit me are the last nails to the coffin of British rule in India." **- Lala Lajpat Rai**
- "It is easy to kill individuals, but you cannot kill the ideas. Great empires crumbled, while the ideas survived." **- Baghat Singh**
- "You give me blood and I will give you Independence." **- Netaji Subhash Chandra Bose**
- "We have believed, and we do believe now that freedom is indivisible, that peace is indivisible, that economic prosperity is indivisible." **- Indira Gandhi**
- "Ask not what your country can do for you. Ask what you can do for your country." **- Jawaharlal Nehru**

Independence Day is a day of celebration, reflection, and commitment to the nation's ideals and future. It is a day that reminds us of the sacrifices made for freedom and the unity and strength that define India.

THE WALL

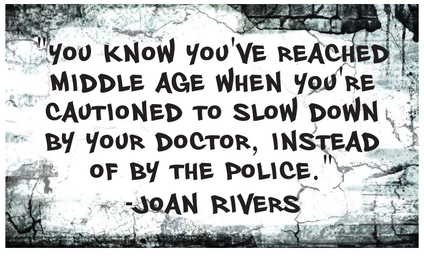

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

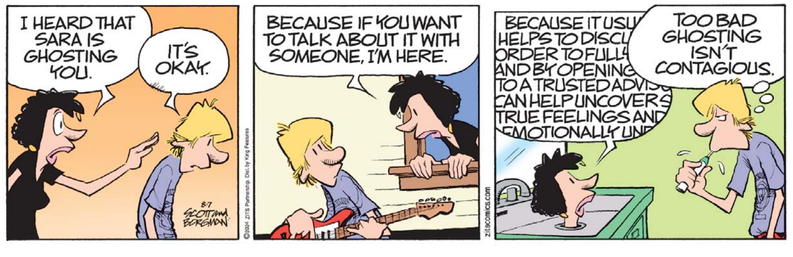

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मेड़ता सिटी का दौरा किया

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मेड़ता सिटी में आयोजित मीरा जयंती महोत्सव में भाग लिया

मेड़ता सिटी, (निसं)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मेड़ता सिटी में आयोजित मीरा जयंती महोत्सव में बुधवार को भाग लिया इसके साथ ही मीरा स्मारक में आयोजित आम सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने मेड़ता के विधायक लक्ष्मण राम कलरु की मांग पर मीरा जयंती महोत्सव को राजकीय कैलेंडर में शामिल करने की घोषणा की, इस पर उपस्थित जनता ने खुशी का इजहार करते हुए दीया कुमारी का आभार व्यक्त किया।

वही दीया कुमारी ने मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि मीरा जयंती महोत्सव को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए इसे राजकीय कैलेंडर में शामिल किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि मीराबाई स्मारक में पर्यटन की दृष्टि से विकास कार्य किए जाएंगे और मीरा नगरी मेड़ता सिटी को पूरे देश में प्रमोट किया जाएगा। उन्होंने कहा, मीरा जयंती महोत्सव हमारी संस्कृति और परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हम इसे और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रयास किया जाएगा। इतना ही नहीं

समिति के सदस्यो ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का अभिनंदन किया।

उपमुख्यमंत्री ने विधायक द्वारा की गई जो भी मांगे हे जिसमे जसनगर बाईपास, मेडता रिंग रोड, और भी जो कार्य ही उसको अधिकारियों को प्रस्ताव बनाने के आदेश भी दिए।

वही युवा भाजपा नेताओं द्वारा उपमुख्यमंत्री को तलवार भेट की गई। मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरू, जनता प्रधान संदीप चौधरी व मीरा जयंती महोत्सव के नरेंद्र लाहोटी, रामेश्वर थिरोदा नारायण पारिक, पुखराज कमेडिया, महेंद्र शर्मा, सुनील चौधरी, कृष्ण कांत दय्या, राहुल कछावा, महेश सेन, सुनील पुरोहित सहित कई पदाधिकारियों ने 51 किलो की माला पहना कर उपमुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। इस मौके पर महंत हरिनारायण महाराज, संजीव चौधरी, नवारतन्मल सिंघवी, योगेश, शोभाराम जयपाल, राजवीर जाजड़ा, अभिमन्यु शर्मा, जितेंद्र गहलोत, उमा शर्मा रजत, ममता लाहोटी, शोभा लाहोटी, सरिता टाक, स्वेता सोनी, लीला बोराणा सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

- मीरा जयंती महोत्सव को राजकीय कैलेंडर में शामिल करने की घोषणा

उपमुख्य मंत्री का किया स्वागत :- राजपूत समाज की महिलाओं द्वार पारंपरिक वेशभूषा ओरणा ओढ़ा कर स्वागत किया वही अन्य महिलाओं ने राजस्थानी साफा पहना कर अभिनंदन किया।

प्रशासन रहा अलर्ट :- उप मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर मेड़ता उपखंड अधिकारी पूनम चोयल, रिया उपखंड अधिकारी सुरेश के एम, मेडता व्रताआधिकार पिंटू कुमार, मेडता थानाधिकारी राजबीर सिंह, सहित अन्य विभागों के आला अधिकारियों ने अलर्ट मोड पर रहे। वही पर्यटन विभाग की जयपुर से आई टीम ने मीरा स्मारक का उपमुख्यमंत्री से साथ स्मारक का दौरा कर इसको और केसे उचाइयाँ दी जाएगी, इसको लेकर चर्चा की।

एडीजी स्मिता श्रीवास्तव व बिनीता ठाकुर होगी राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित

जयपुर। 78 वें स्वाधीनता दिवस के अवसर पर जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा पुलिस विभाग में उत्कृष्ट और सराहनीय सेवाएं प्रदान करने वाली दो महिला पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक प्रदान कर सम्मानित करेंगे।

राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित होने वाली महिला पुलिस अधिकारी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एंटी करप्शन ब्यूरो द्वितीय स्मिता श्रीवास्तव व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हाउसिंग बिनीता ठाकुर है।

स्मिता श्रीवास्तव | बिनीता ठाकुर

1995 बैच की आईपीएस अधिकारी स्मिता श्रीवास्तव ने एडीजीपी यातायात के रूप में कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान राजस्थान में फंसे लोगों को सुरक्षित रखने और सुचारु आवाजाही करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने आईआरएडी कार्यक्रम के पुलिस मॉड्यूल के सफल क्रियान्वयन एवं एसपी ट्रैफिक जयपुर के रूप में बेहतर यातायात प्रबंधन के लिए एरिया ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम स्थापित करवाया।

वर्ष 1996 बैच की आईपीएस अधिकारी बिनीता ठाकुर ने अपने सेवाकाल के दौरान करौली में डकैत और बारां में ड्रग माफिया के खिलाफ तथा आपराधिक पारदी गिरोह के नेटवर्क को ध्वस्त करने में महत्त्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर के किसान आंदोलन में हिंसक संघर्ष पर रोक लगाई एवं श्रीगंगानगर में बड़े अंतरराष्ट्रीय हथियार लाइसेंस रैकेट का पर्दाफाश किया। इन्होंने विभागीय पदोन्नित एवं भर्ती प्रक्रिया को भी सुचारु रूप से चलाया।

दोनों महिला पुलिस अधिकारियों द्वारा कर्म निष्ठा एवं कर्तव्य परायणता से की गई उल्लेखनीय व विशिष्ट सेवाओं के लिए स्वतंत्रता दिवस 2024 के अवसर पर राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जा रहा है।

राजस्थान पुलिस बैंड की मोहक धुनों पर बही राष्ट्रभक्ति की रसधार

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर अमर जवान ज्योति पर विशेष कार्यक्रम

जयपुर। स्वाधीनता दिवस की पूर्व संध्या पर जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति पर राजस्थान पुलिस के केन्द्रीय पुलिस बैंड, हाड़ी रानी महिला बटालियन पाइप पुलिस बैंड, तेरहवीं बटालियन बैंड, जयपुर पुलिस आयुक्तालय के बैंड तथा आरएसी की चौथी एवं पांचवीं बटालियन के बैंडवादकों ने अपनी सामूहिक प्रस्तुतियों में देशभक्ति की बयार बहाकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

बैंड वादकों ने जय हो..., कदम-कदम बढ़ाए जा, खुशी के गीत गाए जा, ये जिंदगी है कौम की तू कौम पर लुटाए जा.... जैसे देश भक्ति के नगमों की धुनों की आकर्षक प्रस्तुतियों से समां बांधते हुए माहौल में देश भक्ति का रस घोल दिया। राजस्थान पुलिस के बैंडवादकों के इस दल ने आकर्षक गणवेश में अनुशासन और लयबद्धता के साथ प्रस्तुतियों की अमिट छाप छोड़ी। राष्ट्रभक्तिमय इस वातावरण में बारिश की मन्द फुहारों ने भी जयपुरवासियों के उत्साह को बढ़ाकर माहौल को खुशनुमा बना दिया।

कार्यक्रम में मौजूद पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू सहित पुलिस मुख्यालय से एडीजी और आईजी रैंक के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बैंडवादक पुलिसकर्मियों की हौसला अफ़ज़ाई की। वहीं बैंडवादकों की प्रस्तुतियों ने आमजन और गणमान्य लोगों से भी खूब तालियां बटोरी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से मिले संविदा नर्सेज

जयपुर। राजस्थान संविदा नर्सेज संघर्ष समिति के द्वारा सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज सहित प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों मे प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से कार्यरत नर्सिंग ऑफिसर का वेतन 37 हजार 800 करने एवं संविदा सेवा नियम 2022 में शामिल करने की मांग को लेकर भाजपा विधि प्रकोष्ठ संयोजक सौरभ सारस्वत के नेतृत्व मे भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से मिलकर ज्ञापन सौंपा। अध्यक्ष प्यारेलाल चौधरी व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रमेश सैनी के अनुसार संविदा नर्सेज की वेतन बढ़ोतरी की मांग जायज है कम वेतन के कारण कार्मिकों को जीवनयापन में आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। संगठन के द्वारा मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा मंत्री को पत्र लिखा गया है। प्रदेश संयोजक अभिषेक शर्मा ने बताया की प्रदेश के सबसे बड़े मेडिकल कॉलेज सहित प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से संविदा नर्सेज अल्पवेतन पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं जबकि उन्हीं चिकित्सालय में समान पद पर एवं समान कार्य कर रहे यूटीबी संविदा कार्मिको को 37,800 वेतन सरकार द्वारा दिया जा रहा है।

चैन स्नेचिंग का शातिर आरोपी गिरफ्तार

ब्यावर, (निसं)। चैन स्नेचिंग के आरोपी सुमित काठात पुत्र शन्नु काठात जाति मेहरात उम्र 19 साल को साकेत नगर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है की 13 अगस्त को ही सुशीला देवी पत्नी अशराफ जाति महेरात उम्र 50 साल निवासी रतनपुरा सरदारा ने थाना साकेतनगर में रिपोर्ट दर्ज करवाई जिसमे बताया की 04 अगस्त को वो सामान खरीदने के लिए पाली बाजार आई थी।

दोपहर में 11 बजे के आसपास ही मोटर साइकिल सवार लडका जिसने चौकडी दार शर्ट पहन रखा था उसने मेरे पहने हुए मंगलसूत्र (लोकेट) को झप्पटा मारा और तोड़कर गया। उसका काफी पीछा किया मगर वो भागने में सफल रहा। सीसीटीवी फुटेज के हुलिये अनुसार संदिग्ध की तलाश की गई। जिस पर गठित टीम द्वारा आरोपी सुमित काठात को डीटेन कर बाद पुछताछ जरिए बापर्दा फर्द गिरफ्तार किया जाकर माल मस्त्रूका को जप्त किया गया। वारदात में प्रयुक्त दुपहिया वाहन को जप्त किया गया। मुल्जिम से पुछताछ जारी है।

चैन स्नेचिंग के आरोपी को साकेत नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया।

स्वतंत्रता दिवस पर डीजीपी ने शुभकामनाएं दीं

जयपुर। देश के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने प्रदेशवासियों, राजस्थान पुलिस के अधिकारियों, जवानों और उनके परिजनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है।

इस अवसर पर डीजीपी साहू ने अपने संदेश में कहा कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हम आजादी के आंदोलन में नि:स्वार्थ भाव से देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अनगिनत शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद कर उनके सम्मान में नतमस्तक हो जाते हैं। हमारे अमर शहीदों का त्याग और बलिदान हमें अपने-अपने कर्मक्षेत्र में समाज की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहते हुए कार्य करने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में जनसुरक्षा और कानून-व्यवस्था के साथ, समाज में शांति, सद्भाव एवं आपसी भाईचारे की परम्पराओं को अक्षुण्ण बनाए रखने में राजस्थान पुलिस का अग्रणी योगदान रहा है। राजस्थान पुलिस की कत्तर्व्यपरायणता, अनुशासन और सेवाभाव पर हम सभी को नाज़ है।

करौली में बाजार बंद रहे

करौली। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में करौली सकल हिंदू समाज द्वारा बाजार बंद रखकर विरोध जताया और आक्रोश रैली निकाली गई। शहर के नगाड़ खाना दरवाजे से स्वामी विवेकानंद पार्क तक आक्रोश रैली निकाली गई आक्रोश रैली में विभिन्न धार्मिक संगठन,सामाजिक संगठन,पूर्व सैनिक,युवा बच्चे और बुजुर्ग हाथों में तिरंगा और केसरिया ध्वज तथा विरोध के नारे लिखी तख्तियां हाथों में थामे नारे लगाते चल रहे थे।

नगाड़ खाना दरवाजे से शुरू हुई आक्रोश रैली पुरानी नगर पालिका, फूटाकोट,सदर बाजार,बड़ा बाजार, वजीरपुर दरवाजा, रामद्वारा,पुरानी कलेक्ट्रेट सर्किल होते हुए सिटी पार्क पहुंची। सिटी पार्क के बाद राष्ट्रगान के साथ आक्रोश रैली का समापन हो गया। रैली जैसे-जैसे शहर के रास्तों से होकर गुजरी लोग जुड़ते चले गए। रैली में करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर,करौली नगर परिषद के पूर्व उपसभापति वेद प्रकाश उपाध्याय, भाजपा जिला महामंत्री सुरेश शुक्ला,धीरेंद्र बैंसला,आरएसएस के केसर सिंह नरूका,विपिन शर्मा,अमित शर्मा,विद्या देवी,करौली धौलपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा की प्रत्याशी रही इंदु देवी जाटव सहित अन्य मौजूद रहे। करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर ने कहा कि बांग्लादेश में हो रहे अत्याचार का विरोध प्रकट करने और हिंदुस्तानियों की एक जुटता प्रदर्शित करने के लिए रैली का आयोजन किया गया है।रैली को लेकर करौली ब्राह्मण समाज अध्यक्ष मदन मोहन शर्मा ने कहा कि बांग्लादेश के अत्याचारियों को कड़ा संदेश देने और सामाजिक एकजुट प्रदर्शित करने के लिए आक्रोश रैली निकाली गई है। इसी प्रकार रैली में शामिल हुए बालक चाणक्य ने कहा कि यह सुभाष चंद्र बोस,चंद्र शेखर आजाद,रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह की भूमि है इस बात को हमें याद रखना चाहिए।

प्रदेश के 87 पुलिस अधिकारियों व कार्मिकों को मिलेगा राजस्थान पुलिस सेवा पदक

यह पदक आगामी वर्ष में राजस्थान पुलिस दिवस परेड के अवसर पर दिए जाएंगे

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा 78वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर प्रदेश के 87 पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को राजस्थान पुलिस सेवा पदक देने की घोषणा की गई है। इनमें 3 पुलिस निरीक्षक एवं कंपनी कमांडर, 8 उप निरीक्षक व प्लाटून कमांडर, 13 सहायक उप निरीक्षक, 41 हैड कांस्टेबल एवं 22 कांस्टेबल शामिल है।

पुलिस महानिदेशक यू आर साहू द्वारा इस संबंध में बुधवार को आदेश जारी किए गए है। आदेश के अनुसार यह पदक आगामी वर्ष में राजस्थान पुलिस दिवस परेड के अवसर पर दिए जाएंगे। साहू ने सभी पुलिस अधिकारियों और कार्मिकों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

पांचवी बटालियन आरएसी जयपुर के कंपनी कमांडर राजेंद्र सिंह, एसओजी में पुलिस निरीक्षक विजय कुमार राय, फिंगरप्रिंट ब्यूरो एससीआरबी में पुलिस निरीक्षक रक्षित कोठारी, चतुर्थ बटालियन आरएसी में प्लाटून कमांडर राम सिंह, अपराध शाखा रेंज कार्यालय जोधपुर में उपनिरीक्षक मनीष चौधरी, जिला बांसवाड़ा में उप निरीक्षक रघुवीर सिंह जाट, जीआरपी उत्तर जोधपुर में उप निरीक्षक मनोज कुमार राजपूत, पुलिस आयुक्तालय जयपुर में उपनिरीक्षक इंद्रा अहलावत, सातवीं बटालियन आरएसी भरतपुर में प्लाटून कमांडर फौरन सिंह, एसडीआरएफ में प्लाटून कमांडर अमर सिंह, जिला राजसमंद में उप निरीक्षक कमलेंद्र सिंह, कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला श्रीगंगानगर में सहायक उप निरीक्षक राज सिंह, पुलिस लाइन राजसमंद में सहायक उप निरीक्षक सुभाष चंद्र शर्मा, जोधपुर में सहायक उप निरीक्षक छगनलाल, पुलिस थाना रानोट जिला जैसलमेर में सहायक उप निरीक्षक खुशाल चंद, पुलिस लाइन अजमेर में सहायक उप निरीक्षक राजाराम, कार्यालय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू में सहायक उप निरीक्षक सुरेश कुमार, पुलिस लाइन अजमेर में सहायक उप निरीक्षक सरफराज मोहम्मद, पुलिस थाना नया शहर बीकानेर में सहायक उप निरीक्षक राम भरोसी, कार्यालय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पोकरण जिला जैसलमेर में सहायक उप निरीक्षक खेत सिंह भाटी, जिला प्रतापगढ़ में सहायक उप निरीक्षक प्रताप सिंह मीणा, अपराध शाखा सवाई माधोपुर में सहायक उप निरीक्षक तपस्या योगी, जिला जोधपुर ग्रामीण में सहायक उप निरीक्षक हरा राम एवं आरआरएफ जिला जोधपुर ग्रामीण में सहायक उपरीक्षक गणेश राम शामिल है।

इसी प्रकार तीसरी बटालियन आरएसी के हैड कांस्टेबल होशियार सिंह, प्रथम बटालियन आरएसी जोधपुर में हैड कांस्टेबल चतुर सिंह, हाड़ी रानी महिला बटालियन आईआर अजमेर में हैड कांस्टेबल मोहनलाल मीणा, प्रथम बटालियन आरएसी जोधपुर में हैड कांस्टेबल कर्ण बहादुर सोनी, छठी बटालियन आरएसी धौलपुर में हैड कांस्टेबल रामबाबू, आठवीं बटालियन आरएसी आईआर दिल्ली में हैड कांस्टेबल बीर सिंह, आठवीं बटालियन आरएसी दिल्ली में हैड कांस्टेबल बलदेव सिंह, आरपीटीसी जोधपुर में हैड कांस्टेबल करण सिंह, पुलिस आयुक्तालय जयपुर में हैड कांस्टेबल घासीराम, पुलिस लाइन झुंझुनूं में हैड कांस्टेबल आत्म प्रकाश खैरवाल, पुलिस ट्रेनिंग स्कूल अलवर में हैड कांस्टेबल विजय सिंह, पुलिस कमांडो ट्रेनिंग स्कूल जोधपुर में हैड कांस्टेबल गोरखाराम, पांचवीं बटालियन आरएसी जयपुर में हैड कांस्टेबल पैप सिंह, 11वीं बटालियन आरएसी दिल्ली में हैड कांस्टेबल ओमप्रकाश, पांचवीं बटालियन आरएसी जयपुर में हैड कांस्टेबल रामनिवास, प्रथम बटालियन आरएसी जोधपुर में हैड कांस्टेबल संपत लाल, थाना सुल्ताना जिला झुंझुनूं में हैड कांस्टेबल प्रदीप कुमार, कार्यालय उपाधीक्षक एससी एसटी सेल अजमेर में हैड कांस्टेबल ओम नारायण मेघवाल, पुलिस आयुक्तालय जयपुर में हैड कांस्टेबल जल सिंह, कार्यालय एससी एसटी सेल जैसलमेर में हैड कांस्टेबल गोरखाराम, थाना नाचना जिला जैसलमेर में हैड कांस्टेबल हीरा राम, थाना भवानी मंडी झालावाड़ में हैड कांस्टेबल शेर सिंह, पुलिस लाइन चूरू में हैड कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह, एसओजी जयपुर में हैड कांस्टेबल जितेंद्र शर्मा, कार्यालय महानिरीक्षक अजमेर में महिला हैड कांस्टेबल संगीता चौधरी, कार्यालय पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर में हैड कांस्टेबल रामावतार मीना, सीआईडी सीबी रेंज सेल जोधपुर में हैड कांस्टेबल चन्द सिंह, कार्यालय पुलिस अधीक्षक झालावाड़ में हैड कांस्टेबल शैलेंद्र सिंह, कार्यालय पुलिस अधीक्षक अजमेर में हैड कांस्टेबल नवीन गौड़, कार्यालय पुलिस अधीक्षक अजमेर में हैड कांस्टेबल कमलेश, कार्यालय महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर में हैड कांस्टेबल विमलेश कुमार, कार्यालय पुलिस अधीक्षक सवाई माधोपुर में हैड कांस्टेबल नीरज गुप्ता, दसवीं बटालियन आरएसी बीकानेर में हैड कांस्टेबल प्रदीप कुमार मीणा, पुलिस ट्रेनिंग स्कूल जोधपुर में हैड कांस्टेबल बाबूराम, कार्यालय पुलिस आयुक्त जोधपुर में हैड कांस्टेबल भीम सिंह, पांचवी बटालियन आरएसी में हैड कांस्टेबल हनुमान लाल सेवदा, कार्यालय पुलिस अधीक्षक बारां में हैड कांस्टेबल सत्येंद्र सिंह, साइबर सेल जैसलमेर में हैड कांस्टेबल भीमराव सिंह, कार्यालय पुलिस अधीक्षक अलवर में हैड कांस्टेबल प्रीतम सिंह, पांचवी बटालियन आरएसी जयपुर में हैड कांस्टेबल संदीप कटेवा एवं जिला प्रतापगढ़ में हैड कांस्टेबल सांवरमल बघाला का चयन किया गया है।

इसी प्रकार पांचवी बटालियन आरएसी जयपुर में कांस्टेबल गोविंद सिंह राजपूत, छठी बटालियन आरएसी धौलपुर में कांस्टेबल भरत लाल मीणा, कार्यालय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं में कांस्टेबल गुलझारी लाल, नवीं बटालियन आरएसी टोंक में कांस्टेबल बाबूलाल, 13वीं बटालियन जेल सुरक्षा जयपुर में कांस्टेबल सुभाष चंद्र, छठी बटालियन आरएसी धौलपुर में कांस्टेबल रघुवीर प्रसाद मीणा, राजेंद्र प्रसाद व कोक सिंह, 13वीं बटालियन जेल सुरक्षा जयपुर में कांस्टेबल राजेश कुमार, पुलिस आयुक्तालय जयपुर में महिला कांस्टेबल सुनील यादव, पांचवीं बटालियन आरएसी जयपुर में कांस्टेबल आरमोरर प्रेमपाल सिंह, पांचवीं बटालियन आरएसी जयपुर में कांस्टेबल चालक पूरन सिंह राजपूत, रिजर्व पुलिस लाइन अजमेर में कांस्टेबल चालक दुर्गा लाल, दसवीं बटालियन आरएसी बीकानेर में कांस्टेबल भंवरलाल बिश्नोई, पांचवी बटालियन आरएसी जयपुर में कांस्टेबल गिर्राज प्रसाद बेरवा, 10वीं बटालियन आरएसी बीकानेर में कांस्टेबल श्यामलाल व मंगल सिंह, कार्यालय पुलिस अधीक्षक अजमेर में कांस्टेबल प्रेम सिंह राठौड़, जिला स्पेशल टीम झालावाड़ में कांस्टेबल रामरतन मेहरा, राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर में महिला कांस्टेबल अनोप कुमारी, कार्यालय पुलिस अधीक्षक सवाई माधोपुर में महिला कांस्टेबल ज्योत्सना सिंह एवं कार्यालय महा निरीक्षक पुलिस रेंज अजमेर में कांस्टेबल चालक पृथ्वी सिंह रावत को राजस्थान पुलिस सेवा पदक के लिए चुना गया है।

पाकिस्तानी महिला से शादी करने का आरोपी गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (कासं)। भादरा निवासी फरीदा बानो पुत्री अयूब खां को दहेज के लिए प्रताड़ित करने व तीन तलाक देकर पाकिस्तानी महिला से निकाह करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रहमान पुत्र अली मोहम्मद निवासी पीथीसर जिला चूरू को पुलिस ने जयपुर एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया। मामले की जांच कर रहे डीएसपी एससी/एसटी सेल हनुमानगढ़ रणवीर साईं ने बताया कि रहमान की पहली पत्नी फरीदा बानो ने भादरा थाने में पति रहमान और ससुराल पक्ष के कई जनों पर दहेज प्रताडन.ा और तीन तलाक देकर छोडने का मामला 27 जुलाई को दर्ज करवाया था। आरोपी कुवैत में नौकरी कर रहा था। इसलिए पुलिस ने इस मामले में रहमान के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कराया। इसके बाद सोमवार रात रहमान को कुवैत से भारत आते ही जयपुर एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लि या गया।

डीएसपी रणवीर सांई ने बताया कि रहमान की गिरफ्तारी दहेज प्रताडना और तीन तल ाक मामले में हुई है। उससे पाकिस्तानी लड़की से किए गए निकाह के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। विदित रहे कि एक पाकिस्तानी महिला के स्वयं को रहमान की पत्नी बताकर चूरू के पीथीसर गांव में उसके घर में रह रही है। आरोपी के घर पाकिस्तानी महिला के आने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसके बाद आरोपी की पत्नी भादरा निवासी फरीदा बानो ने अपने पिता के साथ पुलि स थाना भादरा पहुंच सारे घटनाक्रम के संबंध में मामला दर्ज कराया था।

आरोपी की पत्नी फरीदा बानो ने पुलिस को रिपोर्ट दी थी कि वह हाल वार्ड 15 भादरा में रहती है। उसका निकाह 17 मार्च 2011 को रहमान से हुआ था। ससुराल में शादी के बाद से ही सास, ससुर व पति उसको कम दान, दहेज का ताना मारते। दहेज में एक लाख नकद व मोटर साइकिल नहीं देने पर नाराजगी जताकर उसे प्रताड़ित करते। पैसे व बाइक की मांग को लेकर पति रहमान, देवर सल ीम खान, ननद जुबैदा, सास जैतुन व ससुर अल ी मोहम्मद उससे ताना मारते तथा मारपीट करते। विवाह के कुछ समय बाद पति कुवैत चल ा गया। वहां से अपने घर वाल ों को कहता कि जब तक यह हमारी दहेज की मांग पूरी नहीं करती, इसको प्रताड़ित करो।

पुलिस ने पाकिस्तानी महिला से शादी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया।

आरोप था कि करीब चार-पांच माह पहल े रहमान ने फोन कर उसे तीन बार तल ाक कहा। इसके बाद आरोपी ने कहा कि मैंने तुझे अब तल ाक दे दिया है और मैंने दूसरा निकाह पाकिस्तान की ल डक़ी मेहविश से कर लि या है। उसे जल्द ही भारत भेज दूंगा। फरीदा बानो का कहना था कि उसकी पांच वर्षीय पुत्री व तीन वर्ष का एक पुत्र है। उसको उसका हक मिल ना चाहिए। भादरा पुलिस ने मामल ा दर्ज कर जांच शुरू की। मगर कार्रवाई नहीं होने पर फरीदा ने एसपी विकास सांगवान से मिल कर शीघ्र जांच व कार्रवाई की गुहार ल गाई। इसके बाद एसपी ने मामल े की जांच पुलि स उप अधीक्षक रणवीरसिंह सांई को सौंपी।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जैसलमेर में बी.एस.एफ. चौकी का दौरा किया

सीमा पर मुस्तैदी से अपना कर्तव्य निभाते हैं हमारे जवान, उनके कारण ही देश में अमन-चैन कायम : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जैसलमेर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे जवानों द्वारा सीमा पर मुस्तैदी से की जा रही चौकसी के कारण ही देश की जनता सुरक्षित है और देश में अमन-चैन कायम है। उन्होंने कहां कि सीमा सुरक्षा बल के जवान राष्ट्र के हर व्यक्ति के लिए वंदनीय है।

शर्मा बुधवार को जैसलमेर में

■ **मुख्यमंत्री ने मां तनोटराय के दर्शन कर प्रदेश में सुख-शांति की कामना की**

भारत-पाक सीमा पर स्थित बाबलियानवाला चौकी पर तैनात बीएसएफ के जवानों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने जवानों के पुरुषार्थ की प्रशंसा करते हुए कहा कि कड़ी धूप में जहां आम व्यक्ति के लिए कुछ मिनट भी खड़े रहना मुश्किल होता है, वहीं हमारे जांबाज सीमा प्रहरी राष्ट्रभक्ति के भाव से सीमा पर मुस्तैदी से चौकसी करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जवानों के बीच आकर उन्हें नई ऊर्जा का अहसास हो रहा है और ये पल उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सदैव सीमा सुरक्षा बल के साथ है और सरकार की ओर से उन्हें हर संभव सुविधाएं और सहायता उपलब्ध करवायी जाएंगी।

जैसलमेर दौरे के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के महिला जवानों ने राखी बांधी।

इस दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने बाबलियानवाला सीमा चौकी का दौरा किया एवं दूरबीन से सीमा का अवलोकन किया। उन्होंने जवानों एवं अधिकारियों से भी मुलाकात की और उन्हें स्वाधीनता दिवस की बधाई देते हुए मिठाई वितरित की। महिला जवानों ने मुख्यमंत्री को रक्षा सूत्र भी बांधें। सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षकएम.एल. गर्ग, उप महानिरीक्षकयोगेन्द्र सिंह राठौड एवं 166 बटालियन के कमाण्डेंटवीरेन्द्र प्रताप सिंह ने स्मृति चिन्ह भेट कर मुख्यमंत्री का अभिनन्दन किया।

मुख्यमंत्री ने किए मां तनोटराय के दर्शन :- इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आदिशक्ति मां तनोटराय के दर्शन किए एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने देश व प्रदेश में सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की मंगल कामना की। मुख्यमंत्री ने वहां स्थित शिव मन्दिर के भी दर्शन किए एवं परिसर में स्थित विजय स्तम्भ पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

शिक्षा कर्मचारी की करंट लगने से मौत हुई

बीकानेर, (कासं)। दौसा के बान्दीकुई में वरिष्ठ सहायक मांगीलाल सैन की विद्यालय में करंट लगने से हुई मौत के मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाने एवं सहायता राशि उपलब्ध करवाने की मांग की गई है।

इस संबंध में शिक्षा विभागीय कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष कमल नारायण आचार्य ने मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, मुख्य सचिव, सचिव स्कूल शिक्षा, निदेशक माध्यमिक शिक्षा, बीकानेर को ईमेल के द्वारा पत्र लि खा है। पत्र में लिखा है कि विद्युत विभाग एवं शिक्षा विभाग की ल ापरवाही के कारण 13.08.2024 को राजकीय कर्मचारी मांगीलाल सैन वरिष्ठ सहायक राउमावि भांवत भांवती बान्दीकुई जिला दौसा की असामयिक मृत्यु राजकीय दायित्व को निर्वहन करते हुए कार्यरत स्थल पर हुई। सैन के आश्रितों को कम से कम 50-50 ल ाख की सहायता राशि तुरन्त दी जाये।

इसके अलावा नियमानुसार आश्रित को राजकीय सेवा में नियुक्ति प्रदान की जाये, हितकारी निधि से नियमानुसार आर्थिक सहायता प्रदान की जाये, बिजली निगम एवं शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच की जाकर दोषी स्तरों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाए।

महिला का मंगलसूत्र तोड़ा, दो महिलाएं पकड़ी

पीपली स्टैंड पर मंगलसूत्र तोड़ने के दौरान मौके पर भीड़ जुट गई।

पावटा, (निसं)। एक महिला का पीपली स्टैंड पर मंगलसूत्र तोड़ लिया गया।महिला के शोर मचाने पर लोगों ने दो महिलाओं को शक के आधार पर दबोच लिया। इनके पास से महिला का मंगलसूत्र बरामद कर लिया गया।

भाबरु थाना पुलिस मौके से दो महिलाओं को थाने ले गई। ग्राम लुहाकणा कलां निवासी लाली देवी सोमवार को शाम करीब चार बजे पीपली स्टैंड पर खडी थी। भीड में शामिल महिलाओं ने लाली देवी का मंगलसूत्र तोड लिया। यह देख लाली देवी ने शोर मचाया तो आसपास मौजूद लोगों ने शक के आधार पर दो महिलाओं को पकड लिया। उसके पास से लाली देवी का मंगलसूत्र बरामद करने के बाद भीड ने दोनों महिलाओं को पुलिस के हवाले कर दिया।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सवाईमाधोपुर एवं सदस्य सचिव, जिला ग्रामीण स्वास्थ्य समिति, एनएचएम, सवाईमाधोपुर स्वास्थ्य भवन सवाईमाधोपुर (राज.)

फोन नं. 07462-235011, Email: dhs_swm@rediffmail.com

क्रमांकःएनएचएम/लेखा/निविदा/2024-25/437 दिनांक-8/8/2024

निविदा सूचना

सदस्य सचिव, जिला ग्रामीण स्वास्थ्य समिति (मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सवाईमाधोपुर (राज0) में अनुभवी इच्छुक एवं पंजीकृत निविदादाता से निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य हेतु निविदा संबंधी समस्त विवरण, सम्बन्धित नियम व शर्ते, निविदा प्रारूप, निविदा प्रस्तुत करने एवं खोलने की तिथि आदि पूर्ण विवरण http://eproc.rajasthan.gov.in and www.sppp.rajasthan.gov.in/ पर देखी/पढी/डाउनलोड की जा सकतीहै।

क्र.स.	कार्य का नाम	NIB No.	UBN No.
1	मानव संसाधन UAAM कार्य हेतु निविदा सूचना (2/2024-25)	MHS2425 A1532	MHS2425 SLOB02188
2	मानव संसाधन कार्य हेतु निविदा सूचना (2/2024-25)	MHS2425 A1532	MHS2425 SLOB02190
3	प्रशिक्षण में आवास व्यवस्था हेतु निविदा सूचना (2/2024-25)	MHS2425 A1532	MHS2425 SLOB02191
4	प्रशिक्षण में भोजन व्यवस्था हेतु निविदा सूचना (2/2024-25)	MHS2425 A1532	MHS2425 SLOB02192
5	फ्लेक्स / बैनर / मुद्रण कार्य हेतु निविदा सूचना (2/2024-25)	MHS2425 A1532	MHS2425 SLOB02193
6	लैव आयटम एवं केमीकल आदि सामग्री उपापन हेतु निविदा सूचना (2/2024-25)	MHS2425 A1532	MHS2425 SLOB02194

(डॉ. धर्म सिंह मीना)
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,
सवाई माधोपुर (राज.)

DIPR/C/7282/2024

कार्यालय नगर विकास न्यास, बीकानेर

क्रमांक - न.वि.न्यास./स्टोर/2024-25/8390 दिनांक :- 13/08/2024

संशोधन निविदा सूचना

इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या 02/स्टोर/2024-25 के कार्य संख्या 22 में अनुमानित लागत 20.00 लाख के स्थान पर 30.00 लाख पढ़ी जावे एवं धरोहर राशि 02 प्रतिशत के अनुसार 40,000/- के स्थान पर 60,000/- पढ़ी जावे। इस कार्य की शर्त संख्या 17 में फर्म का पंजीयन ERIII/B इलेक्ट्रिक के स्थान पर ERII/A इलेक्ट्रिक लाईसेन्स श्रेणी में होना पढ़ा जावे।

सचिव
नगर विकास न्यास, बीकानेर

राज.संवाद/सी/24/3777

ENGINEERING COLLEGE BHARATPUR

(A Constituent College of Rajasthan Technical University, Kota) Village-Shyorana, Near Sewar & National Highway-21, Bharatpur-321303 www.ecbharatpur.ac.in

No. F1(1)/GECBH/2024-25/RHTEQIS/Recruitment (ATA)/44 Date: 14.08.2024

CONTRACTUAL APPOINTMENTS (ASSISTANT TEACHING ASSOCIATES)

Application in prescribed format, are invited from interested eligible candidate for contractual appointment on the post of Assistant Teaching Associate in various departments RHTEQIS at monthly fixed remuneration of INR 28850/- (Rupees Twenty Eight Thousand Eight Hundred Fifty Only)

CSE (AI.&D.S.)-01	CSE-02	Mechanical Engineering-01	Maths-01	Total
SC(F)-01	UR(F)(Widow)-01 EWS-01	ST-01	UR-01	05

These contractual appointments shall be made under RHTEQIS for a ONE YEAR (extendable on satisfactory performance) or termination of the Scheme, whichever is earlier. Qualifications and experience for these posts will be as per norms of AICTE/UGC applicable for Teaching Posts as on date. For further more details and application form please visit college websie. Note : The last date of submission of form is extended upto 02.09.2024

Dr. Ravi Gupta (PRINCIPAL)

कार्यालय नगरपरिषद्, मकराना (डीडवाना-कुचामन)

फोन नं. 01588-240107, फैक्स 01588-240107 ईमेल :- npmakrana@gmail.com

क्रमांकः- न.प.म./2024-25/1708 दिनांक :- 13.08.2024

ई-निविदा सूचना 06/2024-25

कार्यालय नगरपरिषद् मकराना द्वारा विकास कार्य के लिए योग्य संवेदकों/फर्मों से निविदा प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है, ई-निविदा https://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://www.sppp.raj.nic.in/ पर NIB NO. DLB2425A1771 के जरिए देखी जा सकती है। सशर्त निविदा मान्य नहीं होगी।
UBN NO. DLB2425WSOB05481

सभापति
नगरपरिषद् मकराना

आयुक्त
नगरपरिषद् मकराना

राज.संवाद/सी/24/3756

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001

दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no.0294-2426262 वेबसाइट- www-udaipurmc.org

क्रमांक : निविजा/2024-25/ई -14 दिनांक :- 16.08.2024

(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - ई 14/2024-25

नगर निगम कार्यालय उदयपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु कुल राशि रु0 912.37 लाख के कुल 23 कार्यो हेतु इच्छुक निविदादाताओं से निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा के क.सं. 01 से 13 कार्यो की प्रारम्भ तिथि 16.08.2024 एवं अंतिम तिथि 28.08.2024 तथा निविदा खुलने की तिथी 29.08.2024 रहेगी एवं निविदा के क.सं. 14 से 23 के कार्यो की प्रारम्भ तिथि 20.08.2024 एवं अंतिम तिथि 03.09.2024 तथा निविदा खुलने की तिथी 04.09.2024 निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।
UBN No. UNP2425WLOB00064

अधीक्षण अभियन्ता
नगर निगम, उदयपुर

राज.संवाद/सी/24/3758

कार्यालय नगर विकास न्यास, बीकानेर

क्रमांक - न.वि.न्यास./स्टोर/2024-25/8366 दिनांक :- 12/08/2024

कार्यालय आदेश

इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या 02/स्टोर/2024-25 के विभिन्न कार्यों में निम्नानुसार संशोधन किया जाना है:-

1. कार्य सं. 16 :- कम्प्यूटर, प्रिन्टर स्कैनर, यूपीएस आदि का कार्य आगामी आदेशों तक स्थगित किया जाता है।
2. शेष सभी कार्यों की निविदा ई-प्रोक साईट पर ऑनलाईन अपलोड करने की अंतिम दिनांक 22.08.2024 को दोपहर 03.00 बजे तक रहेगी एवं इसी दिवस को सांय 05:00 बजे बाद खोला जावेगा।
3. कार्य सं. 01 की शर्त संख्या 20, कार्य सं. 02, 18, 19, 20, 21, 22 की शर्त संख्या 19 कार्य सं. 23 की शर्त संख्या 18 विलोपित की जाती है एवं कार्य संख्या 08 की शर्त संख्या 15 में गत तीन वर्षों में राजकीय संस्थानों में कम से कम 10 लाख की आपूर्ति का अनुभव संबंधी शर्त विलोपित की जाती है।

सचिव
नगर विकास न्यास, बीकानेर

राज.संवाद/सी/24/3779

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) एसबीयू एण्ड पीसी-लाईमस्टोन, 8, वेस्ट पटेल नगर, सर्किट हाउस रोड, जोधपुर- 342001 (राज.), फोन नम्बर: (0291)2511031 / 2516199 फैक्स: (0291) 2511029

संशोधित निविदा सूचना - 01 दिनांक :- 13/08/2024

ई-निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
आर.एस.एम.एम./एसबीयू एण्डपीसी-एल.एस./जीजीएम-एलएस/संविदा-06/2024-25 दिनांक:-08.07.2024 UBN No. MML2425WSOB00059	सानू माईन्स जैसलमेर के लिये पानी स्प्रिंकलरयुक्त दो 10,000 लीटर अथवा इससे अधिक क्षमता के ट्रक चैसिस (मॉडल वर्ष 2020 अथवा उसके बाद का) पर बने पानी के टैंकरो द्वारा रामगढ़ नहर/रामगढ़ स्थित पी.एच.ई.डी. हाईड्रेट से कम्पनी की सानु लाईमस्टोन माईन्स तक पानी परिवहन कर निविदा में दर्शित विभिन्न कार्य निष्पादित करना। अनुमानित राशि- रू. 68.40/- लाख, धरोहर राशि - रू. 136000/-, निविदा प्रपत्र मूल्य- रू 4720/- निविदा प्रस्तुत करने की संशोधित तिथि 03.09.2024 को सांय 3.00 बजे तक, निविदा के तकनिकी प्रस्ताव खुलने की संशोधित तिथि 04.09.2024 को सांय 3.30 बजे।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा प्रबन्धक (अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

राज.संवाद/सी/24/3773

राजस्थान सरकार

कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान

आबकारी भवन, 2-गुमानियावाला, पंचवटी, उदयपुर 313001

क्रमांकःप.23(1)आब/लेखा/भांग बन्दोबस्त/2024-25/592 दिनांकः14.08.2024

भांग समूहों हेतु निविदा सूचना-10

आबकारी एवं मद्य संयम नीति वर्ष 2024-25 के प्रावधान अनुसार राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 तथा उसके अन्तर्गत बने राजस्थान आबकारी नियम, 1956 के अन्तर्गत पड़त रहे भांग समूह सवाईमाधोपुर, करौली, नागौर व श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ के थोक एवं खुदरा विक्रय मे लिये अनुज्ञापत्र (Licence) स्वीकृत करने हेतु निविदाएं निर्धारित प्रपत्र में बन्द लिफाफे में दिनांक 22.08.2024 को अपराह्न 3:00 बजे तक कार्यालय आबकारी आयुक्त, 2- गुमानियावाला, पंचवटी, उदयपुर में आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष अपराह्न 4:00 बजे खोली जाएगी। निविदा की मुख्य शर्ते, पड़त समूहों की वार्षिक एवं शेष 7 माह के लिए आनुपातिक आरक्षित राशि एवं अन्य विवरण विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। समूह में आवश्यकतानुसार भांग की अतिरिक्त दुकानें अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा स्वीकृत की जा सकेगी। निविदा प्रपत्र विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

आबकारी अयुक्त
राजस्थान, उदयपुर

DIPR/C/7451/2024

एटीएम काटकर ले गए चोर

एटीएम को गैस कटर से काट नगदी लेकर बदमाश फरार हो गये।

अजमेर, (कासं)। जिले के किशनगढ़ उपखंड के गांधीनगर थाना क्षेत्र में मार्बल सिटी हॉस्पिटल के बाहर लगे एटीएम बूथ को गैस कटर से काटकर अज्ञात चोरों चुरा ले गए। एटीएम में 4.73 लाख रुपए रखे थे। शहर में चोरों के हौसले बुलंद हैं। वारदात की सूचना मिलते ही गांधीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। इस दौरान अजमेर से एफएसएल टीम ने सबूत उठाए पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गांधी नगर थाना पुलिस के अनुसार 4 बदमाश शिफ्ट डिजायर कार में सवार होकर आए थे, उन्होंने एटीएम बूथ के सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे किया और 8 मिनट के भीतर पूरी वारदात को अंजाम दे दिया। बदमाशों ने पहले एटीएम बूथ के सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे किया फिर गैस कटर से एटीएम को काटा और रखी नगदी लेकर फरार हो गए। पुलिस तफ्तीश में सामने आया कि बदमाश पहले अंतरमना क्षेत्र में बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम को काटने की कोशिश कर चुके थे, लेकिन सफल नहीं हो पाए। इसके बाद उन्होंने मार्बल सिटी हॉस्पिटल के बाहर एचडीएफसी बैंक के एटीएम को निशाना बनाया। यह वारदात एटीएम बूथ के ऊपर लगे हॉस्पिटल के कैमरे में बदमाशों की कार कैद हो गई है। एफएसएल टीम ने मौके पर साक्ष्य एकत्र किए। गांधीनगर थाना पुलिस मामले की जांच करते हुए अज्ञात बदमाशों की तलाश में आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

व्यापारी से 25 लाख का गबन

अजमेर, (कासं)। अजमेर में डिस्पोजल व्यापारी से धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। व्यापारी ने अपने कर्मचारी पर फर्म व रिटेल आउटलेट से लगभग 25 लाख रुपए का गबन का आरोप लगाया है। व्यापारी

■ **फर्म में लेन देन का हिसाब जांचने पर चला पता, नौकरी छोड़ गया कर्मचारी**

ने आदर्श नगर थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस के अनुसार. छतरी योजना निवासी अभिषेक जैन ने बताया कि उसकी फर्म महावीर एंटरप्राइजेज पलरा में स्थित है। वह डिस्पोजल आइटम का व्यापार करता है। उसकी फर्म का रिटेल आउटलेट अजमेर शहर में भी है। फर्म में आशीष वर्मा पिछले 11 साल से नौकरी कर रहा था।

व्यापारी ने बताया कि आशीष रिटेल आउटलेट से भी अन्य जगहों पर माल सप्लाई का कार्य देखता था। फर्म में लेन.देन का सारा हिसाब किताब भी रखता था। स्टॉक में हेरा.फेरी मिलने पर संदेह हुआ था। इस बीच गबन के डर के कारण आशीष अचानक मार्च 2024 में काम छोडक़र चला गया। पीडित् ने बताया कि आशीष के कार्यकाल के सारे रिकार्ड और हिसाब चेक किया तो आशीष ने उनकी फर्म व रिटेल आउटलेट से लगभग 25 लाख रुपए का गबन कर लिया। उसने गबन करना स्वीकार किया और 10 दिनों में संपूर्ण राशि देने के लिए कहा था लेकिन आज तक पैसे वापस नहीं लौटाए गए। आदर्श नगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, चित्तौड़गढ़ (राज.)

रेल्वे स्टेशन रोड़, चित्तौड़गढ़, टेलीफोन 01472-241587, E-mail:-deo.chittor.excise@rajasthan.gov.in

क्रमांकः प.14/आब./अभि./चित्तौड़/2024-25/192 दिनांकः- 14.08.2024

वाहन नीलामी विज्ञप्ति

इच्छुक बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 के अन्तर्गत दर्ज अभियोगों में जब्त किये गये वाहनों को सक्षम अधिकारियों द्वारा राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 की धारा 69 (4 व 7) के अन्तर्गत राजसात (Confiscation) किया जाकर सार्वजनिक रूप से नीलाम किया जाना हैं। वाहनों की नीलामी से संबंधित पुर्ण शर्ते एवं वाहनों की सूची विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in एवं SPPP वेबसाईट https://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में देखी जा सकती है। वाहनों की नीलामी कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी चितौडगढ के कार्यालय परिसर में राज्य सरकार द्वारा गठित कमेटी द्वारा दिनांक 30.08.2024 को प्रात 11:00 बजे से लगातार की जावेगी। वाहन जहां है, जिस स्थिति में हैं नीलाम किया जायेगा तथा नीलामी योग्य वाहन स्थानों में जहां खडे हुए है, जैसी स्थिति में है, देखे जा सकते है।

(गजेन्द्र सिंह राजपुरोहित)
जिला आबकारी अधिकारी, चित्तौड़गढ़

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक : जविप्रा/व.उ.वि./2024-25/29-32 दिनांक : 12.08.2024

पूर्णकालीन बिड सूचना सं.-जविप्रा/व.उ.वि./2024-25/29 से 32

आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से प्राधिकरण के उद्यानिकी प्रवर्ग की उचित श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के सभी विभागों में 'अअ' व 'अ' श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं से ई-बिड (E-Procurement) निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती हैं :-

S. No.	NIB No.	Name of Work	Tender Amount (In Lakh)	Sale/Download Date and End Date	Open Date
1	29	Cleaning of main road and along path ways areas in Ramniwas Garden, Jaipur for 2 years UBN No. : JDA2425WSOB00226	17.37	14.08.2024 23.08.2024	28.08.2024
2	30	Maintenance of Plants in median and greenbelt on tonk road from Ajmeri gate to sanganer flyover for 2 years maintenance. UBN No. : JDA2425WSOB00227	32.87	14.08.2024 23.08.2024	28.08.2024
3	31	Development and maintenance of mahaveer nagar median near tonk road with 2 year maintenance. UBN No. : JDA2425WSOB00228	14.51	14.08.2024 23.08.2024	28.08.2024
4	32	Development and maintenance of Geenbelt and median in Transport Nagar, Sikar road with 2 year maintenance. UBN No. : JDA2425WSOB00229	190.94	14.08.2024 23.08.2024	28.08.2024

नोट :
(1) बिड को बिना कारण बताये निरस्त किया जा सकता है।
(2) बिड E-Procurement के जरिए प्राप्त की जायेगी। बोलीदाता द्वारा पंजीयन प्रमाण-पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
(2) बिड से सम्बन्धित शर्ते वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in, http:/eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा वरिष्ठ उद्यानविज्ञ के कार्यालय (कमरा नं. NB SF-204) में देखी जा सकती है।

वरिष्ठ उद्यानविज्ञ

राज.संवाद/सी/24/3804

फिर टूटी गंदे पानी की पाल, पानी से घिरे आवासीय क्षेत्र

बीकानेर, (कासं)। बल्लभ गार्डन क्षेत्र में गंदे पानी को रोकने के लि ए बनाई हुई मिट्टी की पाल फिर टूट गई। पाल टूटने से एकत्र गंदा पानी आस पास के आवासीय क्षेत्रों तक पहुंच गया व मकान गंदे पानी से घिर गए। बड़ी मात्रा में तेज बहाव के साथ आवासीय क्षेत्रों की ओर पहुंचे पानी के कारण अनेक मकानों से लोगों को बाहर निकलने तक का भी मौका नहीं मिला व अनेक परिवारजन घरों में ही दुबके रहे। क्षेत्र में करीब दो किमी एरिया में गंदा पानी फैल गया व शाम तक पानी का बहाव जारी रहा।

पाल टूटने की सूचना मिल ते ही नगर निगम की ओर से मौके पर जेसीबी मशीने और डंपर भेजे गए। पानी बड़ी मात्रा में होने के कारण टूटी पाल तक पहुंचना मुश्किल बना रहा। हालांकि पाल तक पहुंचने के लिए कच्चा मार्ग बनाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। निगम अभियंता बजरंग कुमावत के अनुसार संसाधनों की मदद से लगातार कार्य चल रहा है।

गंदे पानी की पाल टूटने से आस पास के कई क्षेत्रों में पानी भरने से दर्जनों मकान पानी से घिर गए। बजरंग विहार निवासी नितिन ने बताया कि बजरंग विहार प्रथम व बजरंग विहार द्वितीय सहित केशव नगर तथा आस पास के क्षेत्रों में कई मकानों व कॉलोनी क्षेत्रों में दो से चार फीट तक पानी भर गया। उन्होंने बताया कि सुबह करीब 6 बजे पाल टूटने से पानी पहले आस पास बनी बाड़ियों में भर गया। इसके बाद आवासीय क्षेत्रों की ओर बढ़ना शुरू हो गया। करीब साढ़े आठ बजे तक पानी मकानों के चारो ओर भर गया। घरों से बाहर निकल ना मुश्किल हो गया।

मानसून को लेकर जिला कलेक्टर, नगर विकास न्यास और नगर निगम में बाढ़ एवं आपदा राहत के कंट्रोल रूम बने हुए है। आला अधिकारियों ने बंद कमरों में बैठकर आपदा राहत को लेकर कई निर्देश दिए। मंगलवार को बल्लभ गार्डन क्षेत्र में पाल टूटने से लोगों को हुई परेशानी के दौरान आपदा राहत एवं बचाव के लिए घंटों बाद भी प्रयास नजर नहीं आए। स्थानीय निवासियों के साथ-साथ जागरुक लोगों ने भी प्रशासन व संबंधित विभागों के अधिकारियों को फोन कर पाल टूटने की जानकारी दी, लेकिन मौके पर रेस्क्यू के संसाधन व दल घंटों बाद तक नजर नहीं आए।

बल्लभ गार्डन क्षेत्र में आरओबी के पास एकत्र हो रहा पानी नगर निगम का है। आस पास के आवासीय क्षेत्र नगर विकास न्यास के अधिकार क्षेत्र में है। बार बार टूट रही पाल के दौरान स्थानीय निवासियों को परेशान होना पड़ रहा है। हर बार पाल टूटने पर निगम मिट्टी से पाल बनाकर इतिश्री कर ले ता है। पानी निगम का है, इसलि ए नगर विकास न्यास दूर से तमाशा देखता रहता है। न्यास के पास वर्तमान में कई मोटर पम्प व अन्य संसाधन है। मंगल वार को मौके पर न्यास का एक भी संसाधन अथवा मोटर पम्प नहीं पहुंचा। निगम की ओर से पांच पम्प, चार जेसीबी व चार डम्पर मौके पर भेजे गए।

बल्लभ गार्डन क्षेत्र में पानी की अधिक मात्रा के दबाव के चलते करीब पाल टूटने की बात कही जा रही है। निगम अभियंता बजरंग कुमावत के अनुसार करीब डेढ सौ फीट तक पाल टूट गई है। पाल टूटने के स्थल पर गढ्ढा भी बन गया है। निगम की ओर से चार जेसीबी मशीनें, पांच डम्पर, एक पॉकलेन मशीन, दो मोटर पम्प ल गाए गए है। वहीं करीब दो दर्जन कर्मचारी-श्रमिक पाल बांधने के कार्य में जुटे हुए है। निगम कार्यवाहक आयुक्त अर्पिता सोनी, अधीक्षण अभियंता ललित ओझा, एक्सईएन पवन बंसल व चिराग गोयल भी मौके पर पहुंचे।

बल्लभ गार्डन क्षेत्र में आरओबी के पास पिछले महीनें की 11 तारीख को भी गंदे पानी की पाल टूटी थी। इस पाल को बांधने का काम एक पखवाड़े से भी अधिक समय तक चल ा। निगम की ओर से मिट्टी से कच्ची पाल को बांधा गया था। मंगल वार सुबह पिछली बार टूटी पाल से कुछ आगे की ओर फिर से पाल टूट गई।

कार्यालय अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, ए.टी.एस. एवं एस.ओ.जी. राजस्थान, जयपुर

क्रमांक-प-9स(5)(1)स्टोर/एटीएस/2024-25/451 दिनांक-01.08.2024

ई-बोली आमंत्रण सूचना

विभिन्न प्रकार की निम्नलिखित आईटम प्रदाय करने हेतु ई-बोली आमंत्रित की जाती है, जो दिनांक 2.8.24 को प्रातः 11.00 बजे से प्रारंभ की जाकर वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड करके दिनांक 2.8.24 को प्रातः 11.00 बजे से दिनांक 22.8.24 को दोपहर 12.00 बजे तक निर्धारित दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन इलेक्ट्रोनिक फोरमेट में वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in में अपलोड की जा सकती है। डाउनलोड करके ऑन लाइन अपलोड की गई बोली की निर्धारित बोली शुल्क, प्रोसेसिंग फीस वं निर्धारित फीस एवं निर्धारित बोली प्रतिभूति राशि के बैंकर चैक/डिमाण्ड ड्राफ्ट को स्केन करके अपलोड करना होगा तथा दिनांक 22.8.24 को दोपहर 12.00 बजे तक कार्यालय में भौतिक रूप से उपस्थित होकर प्रोसेसिंग फीस, बोली शुल्क एवं बोली प्रतिभूति राशि के बैंकर चैक/डिमाण्ड ड्राफ्ट जमा कराने होंगे। ई-बोली की तकनीकी बिड दिनांक 22.8.24 को सायं 3.00 बजे खोली जावेगी।

क्र. स.	वस्तु का नाम	अनुमानित मात्रा	कुल अनुमानित कीमत (रूपयों में)	बोली प्रतिभूति राशि (रूपयों में)	बोली दस्तावेज शुल्क (रूपयों में)	सप्लाई अवधि
1	Image analysis software	01	20,00,000	नियमानुसार	1000	30 दिवस
2	Photoshop	01	1,35,000	नियमानुसार	500	30 दिवस
3	Training Terminals & Equipment's	24	24,00000	नियमानुसार	1000	30 दिवस
4	IPDR Analysis Tool	04	2,00,000	नियमानुसार	500	30 दिवस
5	Forensie Workstation	01	14,00,000	नियमानुसार	1000	30 दिवस
6	Forensic Workstation Upgradation	01	5,00,000	नियमानुसार	500	30 दिवस
7	Training Materials Printer	04	2,00,000	नियमानुसार	500	30 दिवस
8	Firewalls	03	6,00,000	नियमानुसार	500	30 दिवस
9	IP Grabber and Social Media Analysis Tools	02	4,00,000	नियमानुसार	500	30 दिवस
10	P-Cap Data Analysis Tools	01	3,00,000	नियमानुसार	500	30 दिवस
11	CRI Data Analysis Tools	04	8,00,000	नियमानुसार	500	30 दिवस
	Total Amount	89,35,000				

विस्तृत बोली आमंत्रण सूचना, बोली की मुख्य शर्ते एवं अन्य विवरण बोली की वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http://police.rajasthan.gov.in अथवा राजस्थान सरकार के राज्य लोक उपापन पोर्टल (sppp.raj.nic.in) पर देख सकते है।

		UBN No.
1.	Image Analysis Software	ATS2425GLOB00004
2.	Photoshop	ATS2425GLOB00005
3.	Training Terminals & Equipment's	ATS2425GLOB00007
4.	IPDR Analysis Tool	ATS2425GLOB00008
5.	Forensie Workstation	ATS2425GLOB00009
6.	Forensic Workstation Upgradation	ATS2425GLOB00010
7.	Training Materials Printer	ATS2425GLOB00011
8.	Firewalls	ATS2425GLOB00012
9.	IP Grabber and Social Media Analysis Tools	ATS2425GLOB00013
10.	P-Cap Data Analysis Tools	ATS2425GLOB00014
11.	CRI Data Analysis Tools	ATS2425GLOB00015

पुलिस अधीक्षक
ए.टी.एस.
राजस्थान, जयपुर

DIPR/C/7151/2024

शातिर बाइक चोर गिरफ्तार

देवली, (निसं)। देवली शहर में पिछले 6 महीने से बाइक चोरी एवं अन्य चोरी के मामले बढ़ते जा रहे थे। इसी के बीच बुधवार को देवली थाना पुलिस ने शहर की साकेत कॉलोनी से पिछले दिनों हुई बाइक चोरी के मामले में एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके पास से चुराई गई बाइक बरामद कर ली की है।

थाना अधिकारी राजकुमार नायक ने बताया कि उक्त चोरी की वारदात के संबंध में 10 अगस्त को परिवादी अशोक कुमार पुत्र भुवानराम मीणा हाल निवासी साकेत कॉलोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़ित में रिपोर्ट में बताया कि उनकी बाइक गत 21 जुलाई को दोपहर ढाई बजे करीब साकेत कॉलोनी में भरत सिंह के मकान के बाहर से चोरी हो गई।

जिसे अज्ञात व्यक्ति चुरा कर ले गया। बढ़ती चोरी के मामलों को ध्यान में रखते हुए उपाधीक्षक रामसिंह समेत उच्च अधिकारियों के निर्देश पर थाना अधिकारी राजकुमार नायक ने चोरों की तलाश में टीम गठित कर सीसीटीवी फुटेज खंगाल ने शुरू कर दिए तभी साइबर तकनीकी प्राप्त साक्ष्य संकलित कर पुलिस ने आरोपी नंदलाल उर्फ नंदा पुत्र हरचंद कुमावत निवासी कुमावतो का नया गांव बाघेरा थाना केकडी सदर को डिटेन कर अनुसंधान किया है यहां बाइक चोर ने साकेत कॉलोनी से यह बाइक चुराना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी नंदलाल की निशानदेही पर चुराई गई बाइक बरामद कर ली है।

151 फिट लम्बे तिरंगे के साथ निकाली विशाल तिरंगा यात्रा

कोटपूतली, (निसं)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ईकाई कोटपूतली द्वारा स्वतंत्रता दिवस से पूर्व बुधवार को विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर 151 फिट के तिरंगे के साथ सैकड़ों विद्यार्थी व एबीवीपी के कार्यकर्ता शामिल हुये। तिरंगा यात्रा में विद्यार्थी भारत माता की जय व अमर शहीद अमर रहे के नारे लगाते हुए चल रहे थे।

तिरंगा यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। जिला संयोजक

- **स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर बच्चों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां**

अनमोल गोयल ने बताया कि स्थानीय बसन्त प्रभु आदर्श विद्या मन्दिर से प्रारम्भ हुई तिरंगा यात्रा कस्बे के मुख्य मार्गों से होती हुई राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविधालय पहुंचकर विसर्जित हुई। जिसके बाद सभा का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता एबीवीपी के केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य भारत भूषण यादव ने कहा कि विद्यार्थी परिषद् के कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम के भाव को लेकर चलते है। उन्होंने विद्यार्थी परिषद् के इतिहास विकास पर भी प्रकाश डाला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महावीर प्रसाद कुमावत ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान जिला संगठन मंत्री पवन गुर्जर, विभाग संयोजक अभिषेक शर्मा, प्रांत कार्यकारणी सदस्य मधुर गोयल, करण सवाईका, राहुल गोयल व भीम सिंह पायला सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजुद थे।

इसी प्रकार स्वतंत्रता दिवस के पूर्व संध्या पर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं के द्वारा देशभक्ति गीत, नृत्य आदि प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल तथा पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर योगेश कुमार डागुर व अन्य वरीय पदाधिकारियों के द्वारा किया गया। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने जिले के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी विद्यार्थियों की विशेष अभिरुचि सराहनीय है। उन्होंने कहा कि कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बच्चे अपनी प्रतिभाओं को और उभारकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हम सभी के मन में देश प्रेम की भावना को और प्रबल करता है। उन्होंने छात्रों को अपने उज्ज्वल भविष्य के और दृढ़ता पूर्वक अग्रसर होने हेतु शुभकामनाएं दी।

कोटपूतली में 151 फिट तिरंगा रैली में सैंकड़ों विद्यार्थी व एबीवीपी के कार्यकर्ता शामिल हुये।

सांस्कृतिक संध्या आयोजित

टोंक, (निसं)। स्वाधीनता दिवस के कार्यक्रमों की श्रृंखला में कृषि ऑडिटोरियम में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ। इसमें जिले के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं एवं अन्य कलाकारों ने देश भक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में भूतपूर्व सैनिक एवं शहीदों की वीरांगनाओं को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय गुलजार बाग की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना और राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय कोहना की छात्राओं द्वारा स्वागत नृत्य पेश किया गया। डायमंड डांस एकेडमी टोंक के कलाकारों ने नन्हा-मुन्ना राही हूँ, विवेकानंद पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने आजा सांझ हुई, सन शाईन ग्लोबल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने महाभारत थीम पर सामूहिक नृत्य की अपनी प्रस्तुती से सभी को भाव-विभोर कर दिया। एडी डांस एकेडमी टोंक ने तेरी मिट्टी में मिल जावा, संत सुधा सागर विद्यालय टोंक ने नारी सशक्तिकरण, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय गुलजार बाग के विद्यार्थियों ने वंदे मातरम एवं सेंट अंसलम विद्यालय टोंक ने सुभाष चंद्र बोस पर सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति ने सभी को गर्व से भर दिया।

सार-समाचार

251 फिट तिरंगे के साथ निकाली रैली

मालपुरा, (निसं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार 78 वें स्वतंत्रता दिवस पर बुधवार को मालपुरा में केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी की अगवाई में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 251 फिट लम्बे तिरंगे के साथ विशाल तिरंगा रैली निकाली गई।केबिनेट मंत्री ने पुरानी तहसील बारादरी बालाजी मंदिर से रैली को तिरंगा झण्डा दिखाकर रवाना किया। केबिनेट मंत्री ने हाथों में तिरंगा झण्डा लिये शहर के गणमान्य लोगों व स्कूली विद्यार्थियों के साथ पैदल मार्च करते हुए आमजन को तिरंगे की आन बान व शान के लिए सदैव तत्पर रहने का संदेश दिया। देश भक्ति गानों पर 251 फिट लम्बे तिरंगे को लेकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी तिरंगा रैली का जगह-जगह स्वागत किया गया। सुभाष सर्किल पर पालिकाध्यक्ष सोनिया मनीष सोनी व पार्षदों ने तिरंगे पर पुष्पवर्षा कर वन्दे मातरम के जयघोष लगाते हुए 15 अगस्त को घर-घर तिरंगा पहराने की आमजन से अपिल की । रैली में शामिल तहसीलदार व पालिका ईओ राहुल पारीक, अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक रामकुमार कस्वा, पुलिस उपाधिक्षक महेन्द्र मीणा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष त्रिलोकचन्द जैन, तिरंगा यात्रा संयोजक पार्षद अंकित जैन, कमल कुमार सैनी, प्रदेश भाजपा पदाधिकारी नरेन्द्र जैन, पूर्व पालिकाध्यक्ष राजकुमार जैन, रामप्रसाद वर्मा, थानाधिकारी चेनाराम बेडा, सहित गणमान्य नागरिकों की गरिमामय उपस्थिती रही।

स्वाधीनता दिवस समारोह आज

टोंक, (निसं)। स्वाधीनता दिवस का जिला स्तरीय समारोह गुरुवार को पुलिस लाइन ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि जलदाय एवं भूजल मंत्री श्री कन्हैया लाल चौधरी ध्वजारोहण करेंगे। जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने बताया कि 15 अगस्त को सुबह 9 बजे मुख्य अतिथि पुलिस लाइन ग्राउंड में ध्वजारोहण करेंगे। इसके बाद सलामी एवं राष्ट्र धुन, परेड निरीक्षण, मार्च पास्ट, राज्यपाल का संदेश पठन, वीरांगनाओं का सम्मान, पुरस्कार वितरण, सांस्कृतिक झलकियां, योगा ड्रिल, सामूहिक व्यायाम प्रदर्शन एवं राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। दोपहर 1:30 बजे पुलिस लाइन ग्राउंड में पब्लिक बनाम प्रशासन के मध्य क्रिकेट मैच खेला जाएगा।

नवनिर्मित पुस्तकालय भवन व वाचनालय का उद्घाटन

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के आजाद चौक स्थित राजकीय सार्वजनिक जिला पुस्तकालय में नवनिर्मित पुस्तकालय भवन व वाचनालय का बुधवार को क्षेत्रीय विधायक हंसराज पटेल ने बतौर मुख्य अतिथि फीता काटकर व पट्टीका का लोकार्पण कर उद्घाटन किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये पटेल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में हमेशा से ही मान्यता है कि अच्छी पुस्तकें समाज में अच्छा वातावरण बनाकर लोगों का मार्गदर्शन करती हैं। हजारों वर्षों पूर्व सनातन संस्कृति व हिन्दू धर्म के वेद लिखे गये। यह इस बात का प्रबल उदाहरण है कि पुस्तकें सबसे पहले भारतीय समाज में आई। नवनिर्मित सुविधा युक्त पुस्तकालय विधार्थियों समेत समाज के सभी वर्गों के लिये लाभदायक सिद्ध होगा। यहाँ आकर जरूरतमंद विधार्थी अपनी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। उन्हें निजी पुस्तकालयों में महंगी फिस देने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये राज्य सरकार के

- **120 विद्यार्थी निःशुल्क कर सकेंगे अध्ययन**

पुस्तकालय एवं भाषा विभाग की निदेशक मृदुला चतुर्वेदी ने पुस्तकालय की उपयोगिता बताई। अतिथियों का लाईब्रेरियन दीपिका यादव समेत रामेश्वर दयाल शर्मा, आशुतोष भारद्वाज व महावीर शर्मा आदि स्टॉफ सदस्यों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। राजकीय सार्वजनिक जिला पुस्तकालय में उक्त नवीन पुस्तकालय भवन व वाचनालय का निर्माण राज्य सरकार के पुस्तकालय एवं भाषा विभाग द्वारा 52 लाख 23 हजार रूपयों की लागत से करवाया गया है। जिसमें भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित केन्द्रिय स्वायत्त संस्थान राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान, कोलकाता द्वारा 50 लाख रूपयों का वित्त पोषण किया गया है।

तिरंगा रैली में दिखा देश भक्ति का जज्बा

फुलेरा, (निसं)। कस्बे में बुधवार को दोपहर आजादी के महापर्व और राष्ट्रीय त्योहार कार्यक्रम के अंतर्गत स्वतंत्रता दिवस से पूर्व तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों से अधिकारियों और कर्मचारियों सहित आमजन ने भाग लिया।

गौरतलब है कि उक्त तिरंगा रैली क्षेत्र के पांच बत्ती चौराहा भगवान परशुराम सर्किल से रवाना हुई। जो कि नवनिर्मित आरओबी से होते हुए नगर पालिका, अम्बेडकर सर्किल से गांधी चौक, गणगौरी बाजार, हलवाई बाजार, इन्द्रा बाजार से होते हुए बालाजी बायपास स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले सर्किल पर पहुंची। जहां राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। बाइक तिरंगा रैली में नगर वासियों का उत्साह नजर आ रहा है। साथ ही बाइक तिरंगा रैली का जगह जगह भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक महेन्द्र सिंह यादव, तहसीलदार कृष्णा शर्मा, वृताधिकारी सांभरलेक सारिका खण्डेलवाल, एसएचओ फुलेरा बाबूलाल मीणा, जीआरपी थानाधिकारी गुलज़ारी लाल, आरपीएफ थानाधिकारी राजेश सिंह, पालिका अधिशाषी अधिकारी तेजराम मीणा, पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, पालिका उपाध्यक्ष योगेश सैनी, पार्षद प्रमोद मीणा, जितेन्द्र वर्मा, सरदार सिंह चौधरी, यतेन्द्र झांकडा, पूजा भाटी, ताराचन्द माली, श्रवण वर्मा, त्रिलोक चन्द भाटी, पार्षद प्रतिनिधि गजेन्द्र सिंह शेखावत, व्यापार महासंघ अध्यक्ष मनोज आहूजा, पूनम कुमावत सहित सैंकड़ों की संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

बाइक तिरंगा रैली में आमजन शामिल हुए।

तिरंगा यात्रा में हज़ारों राष्ट्र प्रेमी पहुंचे

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा क्षेत्र नगर एवं देहात चौमूं द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के नेतृत्व में हजारों राष्ट्र प्रेमियों के साथ गढ़ गणेश मंदिर, चौमूं से विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।

तिरंगा यात्रा को भारतीय जनता पार्टी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, प्रदेश मंत्री अशोक सैनी और पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने रवाना किया। तिरंगा यात्रा गढ़ गणेश जी से प्रारंभ होकर बावड़ी गेट, त्रिपोलिया बाज़ार, सदर बाजार, चौपड़, नया बाज़ार, रावण गेट होते हुए धोली मंडी, थाना मोड़ और बस स्टैंड से गढ़ गणेश जी के समापन किया गया। हजारों की संख्या में उपस्थित लोग हाथों में तिरंगा लिए भारत माता और देशभक्ति जयकारों के साथ आगे बढ़े। 151 फ़ीट लम्बे तिरंगे के साथ भारत माता के जयकारो से पूरा परिक्षेत्र गुंजायमान कर दिया। तिरंगा यात्रा का मुख्य मार्गो पर व्यापारियों, सामाजिक संगठनों और आमजन द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों द्वारा फूलों का गुच्छा भेंट कर स्वागत किया गया।

देश भक्ति के गीतों की धुनों पर लहराया तिरंगा

श्रीमाधोपुर, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी स्थानीय ईकाई के द्वारा कस्बे के मुख्य बाजारों से बाइक तिरंगा रैली निकाली गई। हर घर तिरंगा अभियान के विधान सभा संयोजक रोहित महेश्वरी ने बताया कि जलदाय विभाग से शुरू हुई बाइक रैली को स्वायत्त शासन मंत्री के प्रतिनिधि अजय खर्रा व सीकर जिला संयोजक हरिकिशन खीचड़ ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। भारत माता की जय के नारों के साथ देश भक्ति गीतों की धुनों पर लहराते तिंरगे झंडो का नजारा देखने लायक था। कतारबद्ध रैली के बाजारों में पंहुचने पर कई स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। रैली स्टेशन रोड, राजपथ, रीगंस बाज़ार ,चौपड़ बाजार, सुरानी बाजार, खटोड़ा बाजार होती हुई पंचायत समिति जाकर सम्पन्न हुई। रैली मैं जहाँ वयोवृद्ध नगर पालिका अध्यक्ष हरिनारायण महन्त का जोश देखने लायक था।

भारत माता के जयकारे गूंजे

पावटा, (निसं)। हर घर तिरंगा अभियान के तहत ब्लाक स्तरीय देशभक्ति कार्यक्रम में बुधवार को बाडीजोडी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में बडी संख्या में स्कूली बच्चों ने भाग लिया। हाथों में तिरंगा लिये बच्चे देश भक्ति के जज्बे से ओत-प्रोत दिखाई दिये। हर घर तिरंगा कार्यक्रम में विधायक कुलदीप धनकड हाथ में तिरंगा लेकर बच्चों के साथ कदम से कदम मिलाकर चले। विधायक धनकड ने देश के लिए कुर्बानी देने वाले वीर शहीदों को याद करते हुए कहा कि तिरंगा हमारी शान है। आज इस तिरंगा यात्रा के माध्यम से हम देश के लिए अपनी कुर्बानी देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। धनकड हर घर तिरंगा कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के साथ तिरंगा हाथों में लेकर देश भक्ति के नारे लगाते हुए कदम से कदम मिलाकर चल रहे थे। कार्यक्रम में अन्य जनप्रतिनिधि भी शामिल हुये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक कुलदीप धनकड व अध्यक्षता कर रहे बाडी जोडी सरपंच अनिल त्रिवेदी, पूर्व जिला पार्षद व पूर्व सरपंच जय सिंह पारिक, प्रधान मंजू शर्मा, विकास अधिकारी रेणु वर्मा, तहसीलदार जयपाल सिंह के साथ-साथ विद्यार्थियों ने विकसित भारत के लक्ष्य, गुलामी के हर अंश से मुक्ति, अपनी विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता व नागरिकों में कर्तव्य की भावना की शपथ और संकल्प लिया।

मैं विनेश का दर्द अच्छी तरह समझता हूं। दूसरों की बातों की चिंता मत करो। जिंदगी चलती रहती है। असफलताओं से उबरना सबसे खूबसूरत चीज है। अच्छी तरह आराम करो।
– रेई हिगुची

जापानी ओलंपिक चैंपियन, विनेश फोगाट का समर्थन किया।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अमन सहरावत

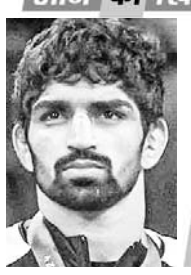

भारतीय पहलवान अमन सहरावत पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों के कुश्ती स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश के सबसे युवा पदक विजेता बन गए है। अमन सहरावत ने शुक्रवार को पेरिस 2024 कुश्ती स्पर्धा में पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। अमन ने 21 साल 24 दिन की उम्र में कांस्य पदक जीतकर यह रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने हमवतन बैंडमिंटन स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। सिंधु ने रियो ओलंपिक 2016 में 21 साल, एक महीना और 14 दिन की उम्र में रजत पदक जीता था।

क्या आप जानते हैं ?... द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फीफा के इतालवी उपाध्यक्ष डॉ. ओटरियानो बैरासी ने विश्वकप ट्रॉफी को अपने पलंग के नीचे एक जूते के डिब्बे में छुपाए रखा।

कैस ने दो बार फैसला टालने के बाद अचानक विनेश फोगाट की अपील खारिज की

नयी दिल्ली, 14 अगस्त। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट की संयुक्त रूप से रजत पदक दिये जाने की अपील को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन के एडहॉक डिवीजन (कैस) ने बुधवार को खारिज कर दिया है

कैस ने दो बार फैसला टालने के बाद अचानक आज विनेश की अपील को खारिज कर दिया है। इसको लेकर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा ने खेल पंचाट न्यायालय (कैस) के फैसले पर आश्चर्य और नाराजगी व्यक्त की है। आईओए ने एक बयान में कहा है कि पेरिस ओलंपिक में स्पर्धा के एक दिन बाद दूसरे दिन वजन के उल्लंघन के लिए एथलीट को पूरी तरह से अयोग्य घोषित करना गहन जांच का विषय है। भारत की ओर से कानूनी प्रतिनिधियों ने कैस के समक्ष अपनी बात रखी थी।

आईओए ने अपने बयान में कहा कि कैसा का फैसला आने के बाद भी आईओए फोगाट के पूर्ण समर्थन में खड़ा है और आगे के कानूनी विकल्पों की तलाश कर रहा है। आईओए यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि विनेश के मामले की सुनवाई हो। आईओए खेलों में न्याय और निष्पक्षता की वकालत करना जारी रखेगा।

उल्लेखनीय है कि विनेश ने महिला कुश्ती के 50 किग्रा वर्ग में लगातार तीन मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन फाइनल मुकाबले से पहले ओलिंपिक कमेटी ने विनेश का वजन 50 किलो से 100 ग्राम वजन अधिक पाये जाने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया था। जिसके बाद विनेश ने कैस में अपील दायर कर संयुक्त रूप से रजत पदक दिये जाने की मांग की थी।

मोर्नी मोर्केल बने टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच, 1 सितंबर से संभालेंगे कमान

नयी दिल्ली, 14 अगस्त। भारतीय क्रिकेट टीम को आखिरकार अपना गेंदबाजी कोच मिल ही गया। दरअसल, साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेदंबाज मोर्नी मोर्केल को टीम इंडिया का नया बॉलिंग कोच बनाया गया है। उनका कॉन्ट्रैक्ट 1 सितंबर से शुरू होगा। जय शाह ने इस बात की जानकारी खुद एक क्रिकेट वेबसाइट को दी है। बता दें कि, गौतम गंभीर ने पहले भी भारतीय क्रिकेट बोर्ड से गेंदबाजी कोच के पद के लिए मोर्कल के नाम पर विचार कनरे का अनुरोध किया था।

मोर्केल ने 2006 से 2018 के बीच 86 टेस्ट, 117 वनडे और 44 टी20 मैच खेले हैं। बता दें कि, गंभीर और मोर्कल दोनों के बीच लखनऊ सुपर जांयट्स में

अच्छे संबंध रहे हैं। जहां, गंभीर ने दो साल तक मेंटर के रूप में काम किया। गंभीर के कोलकाता नाइट राइडर्स में शामिल होने और हेड कोच एंडी फ्लावर के रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में चले जाने के बाद मोर्कल नए हेड कोच जस्टिन लैंगर के साथ फ्रैंचाइजी के गेंदबाजी कोच के रूप में बन रहे।

मोर्नी मोर्कल ने नवंबर 2023 तक पाकिस्तान की नेशनल क्रिकेट टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया। मोर्कल ने 2006 में टेस्ट मैच में डेब्यू किया और दक्षिण अफ्रीका की टीम के लिए 86 टेस्ट खेले। मार्च 2018 में वह दक्षिण अफ्रीका के लिए 300 टेस्ट विकेट लेने वाले पांचवें गेंदबाज बने। उन्होंने 117 वनडे इंटरनेशनल और 44 टी20 इंटरनेशनल मैच भी खेले, 2007 में उन्होंने दो फॉर्मेट में डेब्यू किया था।

श्रीजेश को 'आधुनिक भारतीय हॉकी के भगवान' की उपाधि

नयी दिल्ली, 14 अगस्त। महान गोलकीपर पीआर श्रीजेश को हॉकी इंडिया ने बुधवार को 'आधुनिक भारतीय हॉकी के भगवान' की उपाधि से सम्मानित किया। आज यहां श्रीजेश के सम्मान में आयोजित समारोह में हॉकी इंडिया ने उनके भारतीय हॉकी में योगदान के लिए गुलदस्ता, स्मृति चिन्ह और 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि भेंट की। इसके साथ शीर्ष संस्था ने पुरुष सीनियर टीम से श्रीजेश की जर्सी नंबर 16 को रिटायर करने की भी घोषणा की। श्रीजेश ने 18 साल भारतीय हॉकी को समर्पित किये। उन्होंने हाल ही में संपन्न हुये पेरिस ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जैसा कि उन्होंने टोक्यो 2020 में किया था। इस उपलब्धि ने 52 वर्षों के बाद टीम को लगातार दूसरी बार पोडियम पर पहुंचाया, जिससे ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पदकों की रिकॉर्ड संख्या 13 हो गई।

आईसीसी ने अभी तक अपलोड नहीं की टी-20 विश्वकप के न्यूयॉर्क मुकाबलों की पिच रेटिंग

नयी दिल्ली, 14 अगस्त। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अभी तक अमेरिका और वेस्टइंडीज में हुए टी20 विश्व कप के दौरान 54 मैच के लिए इस्तेमाल की गई पिच और आउटफील्ड की आधिकारिक रेटिंग की घोषणा नहीं की है जबकि इसे खत्म हुए साढ़े सात हफ्ते हो चुके हैं। वेस्टइंडीज में हुए मैच के बजाय ध्यान न्यूयॉर्क के नासाऊ काउंटी मैदान पर हुए आठ मैच की रेटिंग पर लगा है जिसमें आठ मैच में पहली पारी का औसत स्कोर 107.6 तक रहा जबकि ये 'ड्रॉप इन' पिचें एडीलेड के क्यूरेटर डेमियन ह्यू ने तैयार की थी। आईसीसी वेबसाइट पर पिच और आउटफील्ड के रेटिंग सेक्शन पर 31 मई 2024 से कोई अपडेट नहीं किया गया है। न्यूयॉर्क की पिच और आउटफील्ड पर असमान उछाल और धीमी आउटफील्ड की दुनिया भर में आलोचना हुई थी जिसमें 120 रन तक के स्कोर का पीछा करना मुश्किल हो गया था। यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि पिच और आउटफील्ड रेटिंग अभी तक 46 दिन के बाद भी आईसीसी की वेबसाइट पर अपलोड नहीं की गई हैं जबकि आईसीसी मैच खत्म होने के एक हफ्ते के अंदर पिच का आकलन अपलोड कर देता है जिससे यह विलंब असमान्य बन गया है। न्यूयॉर्क में आठ मैच में मैच रैफरी रंजन मदुगले, डेविड बून, जेफ क्रो और रिकी रिचर्डसन थे।

मांसपेशियों में खिंचाव के कारण श्रीलंका सीरीज से हुए बाहर स्टोक्स

लंदन 14 अगस्त। इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स मांसपेशियों में खिंचाव (हैमस्ट्रिंग चोट) के कारण श्रीलंका के साथ होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गये है। स्टोक्स को यह चोट द हंड्रेड में नॉदर्न सुपरचार्जर्स के लिए खेलते हुए मैनचेस्टर ओरिनजनल्स के खिलाफ रविवार को लगी थी। स्टोक्स रन लेते समय पिच पर गिर पड़े थे। इसके बाद उन्हें बैसाखी के सहारे पवेलियन ले जाया गया। मंगलवार को हुए स्कैन में पता चला कि उनको बड़ी चोट लगी है और वह 21 अगस्त से श्रीलंका के साथ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में नहीं खेल पायेंगे।

श्रीजेश के संन्यास के साथ ही जर्सी नं. 16 की भी हुई विदाई

भारतीय हॉकी में नहीं दिखेगी अब

नयी दिल्ली, 14 अगस्त। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता। लगातार दूसरी बार ओलंपिक में टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारतीय हॉकी टीम ने अपने गोलकीपर श्रीजेश को बेहतरीन विदाई दी, लेकिन सिर्फ श्रीजेश ही विदा नहीं हुए बल्कि उनकी 16 नंबर की जर्सी भी विदा हो गई है।

इसका मतलब ये है कि अब भारतीय हॉकी टीम में 16 नंबर की जर्सी नहीं दिखेगी। सीनियर भारतीय हॉकी टीम से जर्सी नंबर 16 को रिटायर कर दिया गया है। इसके साथ ही पीआर श्रीजेश को बड़ी जिम्मेदारी भी मिली है।

उन्हें जूनियर टीम का कोच बनाया गया है। हॉकी इंडिया ने दिल्ली में एक इवेंट के दौरान बुधवार को श्रीजेश की जर्सी को सीनियर टीम से रिटायर करने की घोषणा की है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलनाथ सिंह ने कहा कि, श्रीजेश अब जूनियर टीम के कोच बनने जा रहे हैं और हम सीनियर टीम के लिए नंबर 16 जर्सी को रिटायर कर रह रहे हैं। हम जूनियर टीम के लिए नंबर 16 को रिटायर नहीं कर रहे हैं। श्रीजेश दूसरी जूनियर टीम में तैयार करेंगे।

मिलिंद सोमन ने दिल्ली हॉफ मैराथन की जर्सी 'वर्चुअल रेस' और 'स्टेप सेट गो' ऐप का किया अनावरण

गुरुग्राम, 14 अगस्त। अभिनेता और फिटनेस एडवोकेट मिलिंद सोमन ने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2024 'रन फॉर जोरी हंगर' की जर्सी, 'वर्चुअल रेस' और 'स्टेप सेट गो' ऐप का बुधवार को अनावरण किया। आज यहां इस दौरान मिलिंद सोमन ने कहा मुझे दौड़ना बेहद पंसद है और मैं 20 साल से मैराथन में दौड़ रहा हूं। उन्होंने कहा कि दौड़ना एक आसान व्यायाम है। उन्होंने कहा कि मैं जिम नहीं जाता। मैं घर पर ही 10 से 15 मिनट व्यायाम करता हूं। उन्होंने कहा कि वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 'रन फॉर जोरी हंगर' का उद्देश्य कोई भी भूखा ना रहे और इस मुहिम के साथ 75 हजार लोगों को जोड़ने का है। इस दौड़ के जरिए वेदांता 75 हजार थाली भोजन उपलब्ध कराना चाहता है।

पाक क्रिकेट बोर्ड का बना मजाक
पाकिस्तान बनाम पाकिस्तान मैच की टिकट की कीमत सुन नहीं रोक पाएंगे हंसी

नयी दिल्ली, 14 अगस्त। पाकिस्तान और बांग्लादेश टेस्ट सीरीज से पहले ही पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड मजाक बन कर रह गया है। दरअसल, पाकिस्तान के स्टेडियम में मैच देखना बेहद सस्ता हो गया है। टिकट इतना सस्ता है कि हर कोई पीसीबी पर हंस रहा है। सोमवार को पाक बोर्ड ने सस्ती टिकटों की घोषणा की, सबसे सस्ता टिकट पाकिस्तानी 50 रुपये है यानी कि भारतीय रुपये के हिसाब से देखा जाए तो महज 15 रुपये, अब पाकिस्तानियों को कौन समझाए कि इससे ज्यादा का तो भारत में एक समोसा आता है। भारतीय यूजर्स पर जमकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को ट्रोल कर रहे हैं। भारत के लोग मजाक बना रहे हैं कि 15 रुपये में तो भारत में समोसा मिलता है। पीसीबी की तफ से घोषणा की गई है कि दोनों टेस्ट मैचों के टिकट किफायती दर पर रखे गए हैं। इसके अनुसार, सीरीज के लिए टिकट की कीमतें 50 रुपये से लेकर फुल हास्पिटेलिटी बॉक्स के लिए 2 लाख 50 हजार तक हैं।

अधिकारियों की गलती के कारण श्रीलंका-भारत टाई मैच में नहीं हुआ सुपर ओवर

कोलंबो, 14 अगस्त। श्रीलंका और भारत के बीच टाई हुए पहले एकदिवसीय मुकाबले में आधिकारियों की गलती के कारण सुपर ओवर नहीं हुआ। मैदानी अंपायर जोएल विल्सन, रवींद्र विमलासिरी, साथ ही रेफरी रंजन मदुगले, टीवी अंपायर पॉल रायफल और चौथे अंपायर रूचिरा पल्लीयागुरुगे ने आंतरिक तौर पर स्वीकार किया है कि उन्होंने एकदिवसीय की खेल परिस्थितियों को गलत समझा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकट परिषद (आईसीसी) की खेल परिस्थितियों के अनुसार टाई मैच में सुपर ओवर कराया जाना चाहिए था। दोनों अंपायरों ने मैच टाई होने के बाद बेल्स गिराई और किसी भी टीम ने सुपर ओवर के बारे में नहीं पूछा, खिलाड़ियों ने एक दूसरे से हाथ मिलाए और पवेलियन चले गए। इसके बाद सोशल मीडिया पर इसको लेकर सवाल खड़े होने लगे थे। मदुगले, विल्सन और विमलासिरी ने तुरंत सुपर ओवर को लेकर कोई चर्चा नहीं की। बाद में चर्चा के बाद निर्णय हुआ कि अगर तीन मैचों की सीरीज में आगे कोई मैच टाई होता है तो सुपर ओवर कराया जाएगा।

द. अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के साथ होने वाली टी-20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा की

जोहान्सबर्ग, 14 अगस्त। दक्षिण अफ्रीका ने दिग्गज खिलाड़ियों को दरकिनार करते हुए बुधवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी तीन टी-20 मैचों की सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। इस टीम में कई वरिष्ठ खिलाड़ी नहीं हैं। चयनकर्ताओं ने नई प्रतिभाओं को अवसर देने पर ध्यान केंद्रित करते हुये इस टीम का चयन किया है। यह टी-20 सीरीज 24 से 28 अगस्त तक खेली जाएगी। इसमें दिग्गज क्विंटन डी कॉक, कैगिसो रबाडा, केशव महाराज, तबरेज शम्सी और डेविड मिलर को टीम में जगह नहीं मिली हैं।

दक्षिण अफ्रीका के सफेद गेंद कोच रॉब वाल्टर के अनुसार, ये खिलाड़ी चोटों, कार्यभार प्रबंधन या चल रही टी-20 लीगों के कारण उपलब्ध नहीं थे। वाल्टर ने कहा, यह दौरा हमें अनुभवी खिलाड़ियों के कोर को बनाए रखते हुए अपने खिलाड़ियों के समूह को विकसित करने का मौका देता है। यह हमारी उभरती प्रतिभाओं को गुणवत्तापूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंदियों के सामने भी लाएगा, जैसा कि पिछली बार हमने मई में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था।

दक्षिण अफ्रीका टी-20 टीम इस प्रकार है:- एडेन मारक्रम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नंद्रे बर्गर, डोनोवन फेरेरा, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, पैट्रिक क्रूगर, क्वेना मफाका, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, जेसन स्मिथ, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डूसन और लिजाद विलियम्स।

ओजस्विनी सारस्वत ने यूएस किड्स गोल्फ विश्व चैम्पियनशिप 2024 में दूसरा स्थान हासिल किया

जयपुर, 14 अगस्त। राजस्थान की युवा गोल्फर, जयपुर की रहने वाली ओजस्विनी सारस्वत ने एक बार फिर अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए हाल ही में प्रतिष्ठित यूएस किड्स गोल्फ विश्व चैम्पियनशिप 2024 में दूसरा स्थान हासिल किया है। उत्तरी कैरोलिना, यूएसए के प्रसिद्ध पाइनहर्स्ट गोल्फ क्लब में आयोजित इस प्रतियोगिता में ओजस्विनी ने चैम्पियनशिप के इतिहास में सबसे प्रभावशाली प्रदर्शनों में से एक दिया।

गौरतलब है कि वह जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब में भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए अपने कौशल को निखारने के लिए कड़ी मेहनत से प्रशिक्षण लेती हैं और नियमित अभ्यास करती हैं। इस तीन दिवसीय टूर्नामेंट के दौरान, ओजस्विनी ने अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन करते हुए उल्लेखनीय 18-अंडर पार का स्कोर किया। उनके शानदार प्रदर्शन में 24 बर्डी और एक ईगल शामिल थे, जो चैम्पियनशिप के इतिहास में लड़कियों की श्रेणी में सबसे कम स्कोरिंग राउंड में से एक है।

इस विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में ओजस्विनी की उपलब्धि उनकी बढ़ती हुई उपलब्धियों की सूची में

एक और जोड़ देती है। इस वर्ष की शुरुआत में, उन्होंने स्कॉटलैंड के रॉयल मसेलबर्ग गोल्फ क्लब में आयोजित यूएसकिड्सगोल्फ यूरोपीय चैम्पियनशिप में उपविजेता का स्थान हासिल किया था, जहां उन्होंने चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थितियों के बावजूद अंतिम दिन शानदार 6 अंडर पार का खेल दिखाया था।

पिछले वर्ष, 2023 यूएस किड्स वर्ल्ड चैम्पियनशिप में, ओजस्विनी ने गर्ल्स 10 कैटेगरी में चौथा स्थान हासिल किया था, जहां उन्होंने दूसरे राउंड में प्रभावशाली 68 का स्कोर किया था। उनके प्रदर्शन में एक ईगल और लगातार तीन बर्डी शामिल थीं, जो उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की उनकी क्षमता को दर्शाता है।

ओजस्विनी की गोल्फ यात्रा चार साल की कोमल उम्र में शुरू हुई थी, और तब से उन्होंने इस खेल में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उनकी हालिया उपलब्धियों में शामिल हैं:कोलकाता के टॉलीगंज गोल्फ क्लब में सी श्रेणी में राष्ट्रीय टूर्नामेंट जीतना; अहमदाबाद के कल्हार ब्लू एंड ठीन्स गोल्फ क्लब में सी श्रेणी में राष्ट्रीय टूर्नामेंट जीतना और थाईलैंड के हुआ हिन में एशियन जूनियर मास्टर्स टूर्नामेंट में विजयी होना।

MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS
GOVERNMENT OF INDIA
IEPF

निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि प्राधिकरण

सार्वजनिक घोषणा

निवेशक/जमाकर्ता जिनके शेयर, अवैतनिक लाभांश, परिपक्व जमा या डिबेंचर आदि को निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में स्थानांतरित कर दिया गया है कंपनी अधिनियम, 1956/2013 के तहत ऑनलाइन रिफंड का दावा कर सकते है।

कृपया आईईपीएफ वेबसाइट पर उपलब्ध निर्देश किट (एक पीडीएफ फाइल) डाउनलोड करें। ध्यानपूर्वक पढ़ें और निर्देशों का पालन करें।

दावा कैसे दायर करे?

1. एमसीए वेबसाइट (www.mca.gov.in) पर रजिस्टर करें : V3 में एक लॉगिन आईडी और पासवर्ड बनाएं।
2. IEPF-5 फॉर्म की ऑनलाइन फाइलिंग : IEPF-5 फॉर्म को ऑनलाइन जमा करे और पहले से भरे हुए ऑटो-जनरेटेड क्षतिपूर्ति बांड के साथ अपने पंजीकृत ईमेल के माध्यम से एक पावती प्राप्त करें।
3. कंपनी को भेजे जाने वाले मूल दस्तावेज : IEPF-5 फॉर्म का पूरा सेट अन्य सहायक दस्तावेजों के साथ कंपनी के नोडल अधिकारी या रजिस्टार को भेजें। सभी प्रिंट/फोटोकॉपी स्व-सत्यापित होनी चाहिए।

सामान्य जानकारी

मूल दस्तावेज प्राप्त होने पर, संबंधित कंपनी दाखिल करने के 30 दिनों के भीतर अपने रिकॉर्ड के विरुद्ध दावे का सत्यापन करेगी और एमसीए पोर्टल पर एक "ई-सत्यापन रिपोर्ट (ईवीआर)" अफलोड करेगी, जो दावे की मंजूरी या अस्वीकृति का संकेत देगी। ईवीआर अनुशंसा के आधार पर प्राधिकरण आईईपीएफ नियमों के अनुसार मामले पर कार्रवाई करेगा।

यदि ईवीआर उनके दावे को मंजूरी देता है या अस्वीकार करता है तो दावेदारों को एक ईमेल अधिसूचना प्राप्त होगी।

टिप्पणी :

- दावेदारों को सलाह दी जाती है कि वे ई-फॉर्म IEPF-5 तभी दाखिल करें, जब सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध हो।
- आईईपीएफए केवल सत्यापित संपर्क विवरण से संचार स्वीकार करता है, जो दावेदारों द्वारा आईईपीएफ फॉर्म 5 ऑनलाइन भरते समय प्रदान किया गया था।
- ईवीआर में कंपनियों द्वारा खारिज किए गए दावों को संक्षेप में खारिज कर दिया जाता है।
- दावेदार विसंगतियों को दूर करने और नया दावा एसआरएन दाखिल करने के लिए कंपनियों और उनके नोडल अधिकारियों से संपर्क कर सकते है।
- IEPF प्राधिकरण दावा न किए गए या अवैतनिक बने रहने से बचने के लिए प्रतिभूतियों में नामांकन की सिफारिश करता है।

आईईपीएफए दावा वापसी की प्रक्रिया के लिए किसी दलाल/एजेंट/बिचौलिए की भागीदारी का कभी समर्थन नहीं करता है।

सूचित निवेशक, सशक्त निवेशक, स्मार्ट निवेशक

हमारे टोल फ्री नंबर 1800 114667 पर कॉल करें
1800 114 667

किसी भी अन्य प्रश्न के लिए, हमें iepf@mca.gov.in पर लिखें
iepf@mca.gov.in

/IEPFAuthority @authorityiepf @iepfa youtube.com/@iepfa8749 iepfauthority

For more details

CBC 07110/15/0008/2425

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोनार किले (जैसलमेर) पर हरी झण्डी दिखाकर ''हर घर तिरंगा यात्रा'' को रवाना किया। इस यात्रा में मुख्यमंत्री खुद अपने हाथ में तिरंगा थामे हुये थे। यात्रा अखैपोल गेट से शुरु होकर हनुमान सर्किल पर खत्म हुई।

मुख्यमँत्री ने 'हर घर तिरंगा यात्रा' को दिखाई हरी झण्डी

सोनार किले की प्राचीर से गूंजे देशभक्ति के तराने

जैसलमेर, 14 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को जैसलमेर के सोनार किले पर हरी झण्डी दिखाकर 'हर घर तिरंगा यात्रा' को रवाना किया। अखेपोल गेट से हनुमान सर्किल तक निकली इस यात्रा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की हाथ में तिरंगा लेकर शामिल हुए और उन्होंने राष्ट्रीय एकता एवं गौरव का संदेश दिया।

यात्रा के दौरान शहरवासियों ने कई स्थानों पर पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हनुमान सर्किल पर गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। हाथों में तिरंगा लहराते हुए सीमा सुरक्षा बल, भारतीय थल सेना एवं वायु सेना के जवान तथा बॉर्डर होमगार्ड, एनसीसी कैडेट्स सहित राजस्थान पुलिस के जवान यात्रा में शामिल हुए। बैंड की धुनों और देशभक्ति नारों से सोनार किला गुंजायमान हो गया।

इस अवसर पर विधायक छोटू सिंह भाटी ने साफा पहनाकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। यात्रा में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधायक महंत प्रतापपुरी सहित जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन शामिल हुए।

तेलंगाना से राज्य-सभा सदस्य बनेंगे अभिषेक मनु सिंघवी

नई दिल्ली, 14 अगस्त। तेलंगाना में राज्यसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने अभिषेक मनु सिंघवी को अपना उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अभिषेक मनु सिंघवी की उम्मीदवारी को मंजूरी दी। अभिषेक मनु सिंघवी एक जाने-माने कानूनी विशेषज्ञ और राजनेता हैं। वे पहले भी राज्यसभा के सदस्य रह चुके हैं।

बता दें कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के राज्यसभा सांसद के रूप में केशव राव ने इस्तीफा दे दिया था जिससे ये सीट खाली हुई है। वे छोड कांग्रेस में शामिल हो गए।

विनेश फोगाट को सिल्वर मैडल नहीं मिलेगा

नई दिल्ली, 14 अगस्त। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट और करोड़ों भारतीयों को दुआ काम नहीं आई। विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक से सिल्वर मेडल नहीं मिलेगा। कोर्ट ऑफ आर्ब्रिट्रेशन फोर स्पोर्ट्स (सी.ए.एस.) ने अपना फैसला सुना दिया है। खेल पंचाट ने करोड़ों भारतीयों का दिल तोड़ देने वाला फैसला सुनाते हुए विनेश फोगाट की अपील को खारिज कर दिया है। विनेश फोगाट अब खाली हाथ पेरिस से लौटेंगी। महिलाओं की 50 किलोग्राम भार वर्ग फ्रीस्टाइल कुश्ती के फाइनल से पहले उनको ओवरवेट होने की वजह से अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फोर स्पोर्ट्स की पेरिस स्थित एड हॉक डिविजन ने विनेश फोगाट के केस में फैसला सुनाते हुए कहा है कि जो आवेदन विनेश फोगाट ने 7 अगस्त 2024 को दिया था, उसे खारिज किया जाता है। विनेश फोगाट ने दो मांग रखी थीं। उन्होंने पहली मांग सीएएस के सामने ये रखी थी कि फाइनल से कुछ घंटे पहले उनका वजन देख लिया जाए और उन्हें फाइनल खेलने दिया जाए। इस पर कोर्ट ने कहा था कि अब बहुत देर हो चुकी है। वहीं, दूसरी मांग विनेश फोगाट की ये थी कि उन्होंने सेमीफाइनल तक मुकाबले जीते हैं तो उनको सिल्वर मेडल का अधिकार है।

राज्य सरकार ही करेगी ठिकाना गलता का प्रबंधन

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश में दखल देने से इन्कार किया

जयपुर, 14 अगस्त (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट ने गलता पीठ के स्वामित्व और महंत पद पर नियुक्ति से जुड़े मामले में हाईकोर्ट की ओर से दिए अंतरिम आदेश में दखल से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने राज्य सरकार को गलता पीठ का प्रबंधन को देखभाल का काम जारी रखने को कहा है।

जस्टिस अभय एस.ओका व ए.जी. मसीह की खंडपीठ ने यह आदेश अवधेशाचार्य की विशेष अनुमति याचिका पर बुधवार को सुनवाई करते हुए दिए।

एस.एल.पी. में राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ के 2 अगस्त के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें अपील के लंबित रहने के दौरान ठिकाना गलता जी और उससे जुड़ी हुई संपत्तियों का प्रबंधन व देखभाल देवस्थान विभाग को करने के लिए कहा था। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने स्पष्ट किया था कि गलता पीठ की संपत्तियां अपीलार्थी के हाथों में न रखकर देवस्थान विभाग के पास ही सुरक्षित रखी जाएं और सार्वजनिक ट्रस्ट का प्रबंधन भी देवस्थान विभाग के जरिए ही हो।

अवधेशाचार्य की ओर से सीनियर एडवोकेट डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने हाईकोर्ट की खंडपीठ के अंतरिम आदेश पर रोक लगाने का आग्रह किया। इसके जवाब में राज्य के ए.ए.जी. शिवमंगल शर्मा ने कहा कि देवस्थान विभाग ने ठिकाना गलता के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल ली है और सभी धार्मिक गतिविधियों का प्रबंधन व देखभाल सही तरीके से कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश में दखल से इनकार किया तो याचिकाकर्ता की ओर से एस.एल.पी. को वापस ले लिया।

ए.डी.जी. वी.के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिम्मेदारी सौंपी थी। सिंह की टीम ने रीट पेपर लीक, एसआई एग्जाम-2021 जैसे बड़े एग्जाम में गड़बड़ी करने वाले 150 से ज्यादा मास्टरमाइंड व दूसरे आरोपियों को अब तक गिरफ्तार किया है। एसओजी ने इसी साल अप्रैल में राजस्थान पुलिस अकेडमी में छापा मारकर सभी को चौंका दिया था। यहां से 15 से ज्यादा ट्रेनी सब इंस्पेक्टर्स को पकड़ा गया था।

एसओजी ने राजस्थान में बीते 15 साल में जड़ें जमा चुके नकल गिरोह की पहचान की थी। करीब चार महीने पहले एस.ओ.जी. बीते कुछ सालों में हुए 10 से ज्यादा भर्तियों में गड़बड़ी का दावा किया था। भर्तियों में गड़बड़ियों की जांच की शुरुआत एसआई-2021 परीक्षा से की गई थी। इसके बाद दूसरी परीक्षाओं से फर्जीवाड़े के तार जुड़ते गए। परीक्षाओं के 5 बड़े मास्टरमाइंड का खुलासा एस.ओ.जी. ने किया।

ए.डी.जी. वी.के. सिंह ने वर्ष 2010 से 2015 तक सी.बी.आई. की भ्रष्टाचार विरोधी शाखा में एसपी और डीआईजी के रूप में काम किया। सी.बी.आई. से लौटने पर, उन्होंने 3 वर्ष से ज्यादा समय तक ए.सी.बी., राजस्थान में आईजी के रूप में कार्यरत रहे। इस दौरान सिंह के सुपरविजन में वरिष्ठ नौकरशाहों, राजनेताओं और प्रभावशाली लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2018 शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। आई.जी.पी. नियम और आईजीपी सी.आई.डी. - सी.बी. के रूप में उन्होंने बहुत अच्छा काम किया। सिंह कानूनों और नियमों का बहुत व्यापक और सटीक ज्ञान रखते हैं। यही कारण है उन्होंने ए.डी.जी.पी., ट्रैफिक के रूप में नवीनतम तकनीक को शामिल करके सड़क सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने प्रवर्तन, सड़क सुरक्षा ऑडिट और आईआरएडी एप्लिकेशन के अभिनव उपयोग पर जोर दिया।

उनकी पहल के कारण राजस्थान आई.आर.ए.डी. डेटा गुणवत्ता और इसके अभिनव उपयोग में मॉडल राज्य बन गया है। उन्होंने बाइक पर हेलमेट अनिवार्य करने के साथ ही दुर्घटनाओं को रोकने के उपायों को लागू करने के लिए राज्य स्तरीय अभियान चलाया। सिंह के प्रयासों से यातायात पुलिस के उपकरणों में तेजी से वृद्धि हुई। उन्होंने राजस्थान के 40 पुलिस स्टेशन, जहां से सबसे अधिक दुर्घटनाएं होती हैं, पर काम किया। जुलाई 2022 से जुलाई 2023 के बीच उन 40 पुलिस स्टेशन क्षेत्रों में मौतें 1675 से घटकर 1359 हो गईं।

बंगाल से ग्यारह महिला सांसदों ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के सारे साक्ष्य एवं तथ्यों को नष्ट करने की कोशिश की है। जिस कक्ष में यह कुकृत्य हुआ था, उससे जुड़े हुये कमरे का तत्काल नवीनीकरण करना शुरु किया जा रहा था। उत्तेजित डॉक्टरों तथा अन्य लोगों को इस कदम की जानकारी मिल गई तथा उन्होंने इस क्षेत्र की तोड़-फोड़ को तुरंत रुकवा दिया।

इस छात्रा के साथ हुये कुकृत्य का विवरण, उसकी मृत्यु के कारण, जन-आक्रोश का रुप ले चुका है तथा विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। आम लोगों ने निर्णय लिया है कि आधी रात के बाद पूरे राज्य में महिलाएं कैंडल लाइट मार्च निकालेंगी।

मुख्यमंत्री पुलिस मंत्री भी हैं। इसमें कोई सन्देह नहीं रहा है कि पूरा दोषारोपण पुलिस तंत्र तथा ढ़ाँचे की विफलता को दिया जा रहा है। यह तंत्र एवं ढ़ाँचा वर्तमान सरकार का दिया हुआ है। पुलिस मंत्री के इस्तीफे की माँग हो रही है।

डॉक्टर तथा लोग बड़ी मात्रा में इस निर्दोष लड़की पर हुये हमले के विवरण से उत्तेजित हैं। शव-परीक्षण तथा फॉरेन्सिक विवरण इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि हमलावर एक से ज्यादा थे। पूरे शरीर पर घातक जख्मों के निशान है तथा हड्डियों का टूटना जबरदस्त प्रहारों की कहानी कह रहा है।

लेकिन, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना पर अफसोस व्यक्त करना भी जरुरी नहीं समझा है। इसके बजाय, उन्होंने विरोध -प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों को धमकी दी है तथा विरोध तुरंत वापस लेने के लिये कहा है। उन्होंने कहा है कि ''पिछले दिनों से चल रहा विरोध-प्रदर्शन काफी है तथा अब डॉक्टरों को ड्यूटी पर लौटना ही चाहिये।''

जहाँ तक न्यायपालिका का प्रश्न है, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस घटना का स्वतन्त्र संज्ञान लिया तथा आदेश जारी किये कि सी.बी.आई. इस केस में हुई जाँच पड़ताल के दस्तावेजों को तुरन्त अपने कब्जे में ले। उच्च न्यायालय को राज्य पुलिस द्वारा की गई जांच पड़ताल पर कोई विश्वास नहीं है।

सी.बी.आई. ने इस केस की जाँच के लिये 12 विशेष सदस्यों की एक टीम गठित कर दी है तथा पुलिस के बहुत सारे शीर्ष अधिकारी दिल्ली से कोलकाता पहुँच गये हैं। सी.बी.आई. अपराध स्थल से साक्ष्य एवं विवरण एकत्र करने में जुट गई है।

कुछ विपक्षी दल भी सक्रिय हो गये हैं तथा वर्तमान स्थितियों पर जन-आक्रोश को बाहर लाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन जन-आक्रोश की तुलना में उनकी गतिविधियाँ एवं बयान फीके लग रहे हैं। इस अपराध की जघन्यता तथा सत्तारुढ़ दल से इसका सम्भावित जुड़ाव स्थिति को और भी विस्फोटक बना रहा है।

राजीव गांधी की जयंती से कांग्रेस महाराष्ट्र का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस को अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है पर वे फिर भी सतर्क है क्योंकि सब कुछ नम्बर गेम पर निर्भर है।

उम्मीद है कि कांग्रेस के जिन विधायकों ने एम.एल.सी. चुनाव में भाजपा का वोट दिया था उन्हें टिकट नहीं दिया जाएगा हालांकि पार्टी ने उन पर कोई कार्यवाही नहीं की थी क्योंकि अगर उन्हें निकाला जाता तो वे भाजपा के साथ आ जाते है। नियमानुसार अगर किसी सदस्य को पार्टी निकाल देती है तो वह अपनी मर्जी से अपना वोट व समर्थन किसी भी पार्टी को दे सकता है क्योंकि तब वह पार्टी व्हिप से बंधा नहीं होता है लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने महाराष्ट्र अच्छा प्रदर्शन किया था, पर भाजपा फिर से महाराष्ट्र में कदम जमा रही है।

समझा जाता है कि भाजपा 'लाड़ली' की ही तरह की एक योजना ला रही है। ज्ञातव्य है कि मध्यप्रदेश में 'लाड़ली' योजना के अन्तर्गत पैसा महिलाओं के खातों में सीधे ही ट्रांसफर किया जाता था तथा महिला मतदाताओं पर इसका बहुत बड़ा प्रभाव हुआ था।

एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि भाजपा महाराष्ट्र में इसी प्रकार की योजना ला रही है। उन्होंने कहा कि इससे चुनाव में भाजपा को मदद मिलेगी।

कांग्रेस का कहना है कि उसे इसकी काट ढूंढने की जरुरत तथा कांग्रेस इस दिशा में काम करती बताई जा रही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908